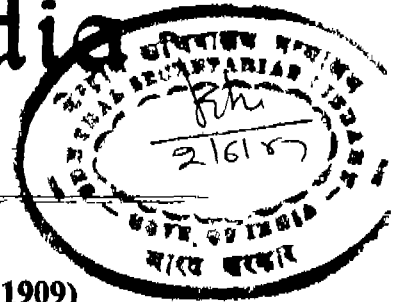


# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 13] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 28, 1987 (चैत्र 7, 1909)  
No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 28, 1987 (CHAITRA 7, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और  
भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union  
Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached  
and Subordinate Offices of the Government of India]

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशा० सुधार, लोक शिकायत तथा  
पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 मार्च 1987

सं० ए०-20023/1/81-प्रशा०-5— निदेशक, केन्द्रीय-  
अन्वेषण ब्यूरो और पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना  
फिलहाल प्रतिनियुक्ति। आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में लोक  
अभियोजक (समूह "ख" राजपत्रित) के पद पर कार्यरत श्री आर०  
डी० वैद्य को दिनांक 15-9-1986 से स्थायी "स्थानांतरण"  
आधार पर नियुक्त करने है।

धर्मपाल भल्ला  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली- 110003, दिनांक 3 मार्च 1987

सं० डी० एक०-33/83-स्थापना-I— श्री ए० के० बेहेरा,  
पुलिस उप अधीक्षक जो दिनांक 7-2-1985 (अपराह्न) से  
मिनिस्ट्री आफ कामर्स एण्ड सप्लाय में प्रतिनियुक्ति पर थे, अपने  
विभाग में वापस आने के फलस्वरूप उन्होंने 70 बटा० के० रि०  
पु० बल में सहायक कमाण्डेंट पद की पदोन्नति पर दिनांक  
10-1-87 से अपने पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 4 मार्च 1987

शुद्धि पत्र

सं० ओ० दो०-1538/81-स्थापना-I— इस महानिदेशालय  
के समसंख्यक अधिसूचना संख्या दिनांक 24-2-87 के दूसरी  
लाइन दशमि अपराह्न शब्द जो श्री दयानन्द, पुलिस उप-अधीक्षक,  
40 बटा० के० रि० पु० बल की मृत्यु के संबंध में है उसकी जगह  
"पूर्वार्द्ध" माना जाए।

अशोक राम महीपति  
सहायक निदेशक (स्थापना)

## महानिदेशाधीन केन्द्रीय प्राधिकारिता सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003 दिनांक 26 फरवरी 1987

सं ई 32015(4)/1/87-नामांक 1/21—राष्ट्रपति के श्री सु. व. के निम्नलिखित निर्देशिका (सायपादर) को उनके नामों के संगक्ष दण्डि 4.5 तारीख म 18 अगस्त 1987 तक या इन पदों पर नियमित आधार पर नियुक्ति होना तथा जो भी पहले हो। पूर्णतः तदर्थ और अन्धार्थ आधार पर प्रान्ति पर सहायक प्रमाणपत्र के रूप में नियुक्ति करने है ---

क्र०	अधिकारी का नाम	संख्या	के श्री सु. व. सं
		प्रमाणपत्र/युक्ति/कार्यवाही	
		तदर्थ के रूप में निर्धारण	
		समानता की तारीख	
सर्वश्री			
1	एम० मजीबुल्लाह	9-2-87	अ० आई० एल० (अपराह्न)
2	बी० सी० गिरी	29-1-87	बी० आर० पी० (पूर्वाह्न)
3	एस० के० बोम	11-2-87	बी० सी० सी० (अपराह्न)
			एल० क्षरिया

मुनील कृष्ण

पदाधिकारी महानिर्देशक बर्मि

## भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 मार्च 1987

सं 10/10/86-प्रशा०-I—योजना मन्त्रालय, मासिकी विभाग की अधिसूचना सं० ए० 11024/4/86-आई० एस० एम० (1) तारीख 8-5-1986 के अन्तर्गत आर इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/16/74-आर० जी० (प्रशा०-1) तारीख 2-5-74 और 10/23/77-प्रशा०-I तारीख 21-5-79 का अधिकरण करते हुए जिसमें सर्वश्री आई० एस० राय, आर० एल० गुप्ता और श्री० एन० एण्ड्रे को आई० एस० एस० के ग्रेड-IV पर प्रोन्नत किया गया था राष्ट्रपति। उन्हें भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में उनके नामों के मामले दर्ज तारीख से प्रोन्नति द्वारा अनुसंधान अधिकारी के पद पर नियुक्ति करने है।

क्रम	अधिकारी का नाम	प्रोन्नति की तारीख
1	श्री आई० एस० राय	26-4-74
2	श्री आर० एल० गुप्ता	7-5-79
3	श्री बी० एन० एण्ड्रे	7-5-79

सर्वश्री राय गुप्ता और एण्ड्रे का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

बी० एस० बर्मा,  
भारत के महारजिस्ट्रार

## भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

कार्यालय, उप-निदेशक लेखा (डाक)

बपूरथाना 144601 दिनांक 3 मार्च 1987

सं० क्र० अ० प्रशासन/ए०-IV/अनुशासन/राजिन्द्र सिंह/1548—श्री राजिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री जीत सिंह इस कार्यालय में दफ्तरी के रूप में कार्य करता हुआ 26-12-85 में अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहा और सरकारी पत्र जो उस के वर्तमान पते पर भेजे गए, उन्हें प्राप्त नहीं किया। के० मि० से० (ब० नि० अ०) नियमावली, 1965 के विभागीय नियमों के अन्तर्गत आवश्यक अनुशासनात्मक कार्यवाही का अनुपालन करने के उपरान्त श्री राजिन्द्र सिंह दफ्तरी को 11-2-87 (पूर्वाह्न) को नौकरी से हटाया गया। सेना में हटाये जाने वाले आदेश उसके कार्यालय में अन्तिम उपलब्ध पते पर भेजे गए। चूकि कर्मचारी को नौकरी से हटाये जाने वाले उपरोक्त आदेश का जिम पजीवित डिफाफे में उसके वर्तमान उपलब्ध पते पर भेजा गया था वह भी वितरित हुए बिना वापस आ गया है, इसलिए एनद्वाया यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री राजिन्द्र सिंह दफ्तरी सुपुत्र श्री जीत सिंह को 11-2-87 (पूर्वाह्न) से नौकरी से हटाया जाता है।

आर० पी० महगल

सहायक मुख्य लेखा अधिकारी (डाक), बपूरथाना

## महालेखाकार (ले व ह) का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 16 फरवरी 1987

सं० ले व ह/का० स्था० (ह व रो)/4/10-3/85-86—इस कार्यालय का निम्नलिखित कर्मचारी अधिवर्षिता के कारण 30-11-1986 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गया है।

श्री टी० वेलप्पन्नायर, लेखा अधिकारी।

वि० नक्षी नारायणन  
महालेखाकार

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—प्रथम सं० प्र०

म्दानियर, दिनांक 27 फरवरी 1987

सं० प्रशासन 11/समूह-2/329/614—केन्द्रीय निवृत्ति सेवाएं (पेशन) नियम, 1972 के नियम 48-ए के अन्तर्गत श्री मोहनदाम सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी 02/1567 को दिनांक 31-3-1987 (अपराह्न) में शामकीय सेवा में स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति की स्वीकृति प्रदान की गई है।

[प्राधिकार महालेखाकार (लेखापरीक्षा)—प्रथम के आदेश दिनांक 20-2-1987]।

अपठनीय  
उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—प्रथम, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-700001, दिनांक 25 फरवरी 1987

सं० प्रशासन-प्रथम/पदोन्नति-93/लेप० अधि०/3301—महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—प्रथम, पश्चिम बंगाल ने श्री सत्येन्द्र नाथ बनर्जी, महायुक्त लेखा परीक्षा अधिकारी को 23 फरवरी, 1987 के पूर्वाह्न से कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम, पश्चिम बंगाल और महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—द्वितीय, पश्चिम बंगाल में अस्थायी और स्थानापन्न रूप से लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर अग्रणी आदेश तक नियुक्त करने की कृपा की है।

यह पदोन्नति माननीय कलकत्ता हाई कोर्ट में लाम्बित रिट याचिका के अन्तिम निर्णय के अधीन है।

नये पदोन्नत लेखा परीक्षा अधिकारी को अनुच्छेद 2 (ख) के शर्त के अनुसार भारत सरकार, गृह मंत्रालय के शासन दिनांक 26-9-81 में एक माह के भीतर अपना वेतन 22 (क) (1) के अन्तर्गत पदोन्नति की तारीख के दिन से और फिर उसके बाद मूल नियम 22 (ग) के अन्तर्गत नीचे के पद पर आगामी वेतन वृद्धि की तारीख से या सीधे पदोन्नति की तारीख से निर्धारण के लिए विकल्प दे सकते हैं।

दिनांक 27 फरवरी 1987

सं० प्रशासन-प्रथम/पदोन्नति-93/सहा० लेप० अधि०/3331—महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—प्रथम, पश्चिम बंगाल ने 1. श्री सत्यव्रत वसाक, अनुभाग अधिकारी (लेखा परीक्षा), 2. श्री रणेंद्र नाथ सामन्त, अनुभाग अधिकारी (लेखा परीक्षा) को 24 फरवरी, 1987 के पूर्वाह्न में (राजपत्रित वर्ग 'ख' पद पर 2000-60-2300-इक्ष० नि०-75-3200 रुपये वेतमान पर) अस्थायी और स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करने की कृपा की है।

ये पदोन्नतियाँ माननीय केन्द्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल कलकत्ता में लाम्बित रिट याचिका के अन्तिम निर्णय के अधीन हैं।

नये पदोन्नत सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को अनुच्छेद दो ख के शर्त के अनुसार भारत सरकार, गृह मंत्रालय के शासन दिनांक 26-9-81 में एक माह के भीतर अपना वेतन 22(क)(1) के अन्तर्गत पदोन्नति की तारीख के दिन से और फिर उसके बाद मूल नियम 22(ग) के अन्तर्गत नीचे के पद पर आगामी वेतन वृद्धि की तारीख के दिन से या सीधे पदोन्नति के तारीख से निर्धारण की लिये विकल्प दे सकते हैं।

सनत कुमार मिश्र  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)  
पश्चिम बंगाल

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110 066, दिनांक 4 मार्च 1987

सं० प्रशासन-1/1679/5/1—श्री एम० बेकटा-मुन्नामणियो, आई० डी० ए० एम० को उनके द्वारा दिनांक 28-1-87 को 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्मतिथि दिनांक 19-1-29 होने के कारण) दिनांक 31-1-87 के अपराह्न से रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल से हटा दिया गया है और तदनुसार उन्हें दिनांक 1-2-87 के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना की अन्तर्गत कर दिया गया है।

डी० के० चेतसिंह,  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरी सेवा

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-1, दिनांक 27 फरवरी 1987

सं० 4/ए/जी-वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री टि० ए० बी० आर० नाम्बिमता, कार्य प्रबन्धक (मैलिक फॉर मैत्र.) दिनांक 31-01-87 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हुए। तदनुसार उनका नाम दिनांक 1-2-87 (प्रातः) से भारतीय आयुर्विज्ञान सेवा से हटाया जाता है।

एम० ए० अलहान  
संयुक्त निदेशक जो

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1987

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण  
स्थापना

सं० 6/968/72-प्रशा० (राज०) 939.—राष्ट्रपति, आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन के श्री एम० एम० रेहानी, सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-3) को 6-11-86 की अपराह्न में, अगले आदेशों के होने तक, केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-2 (उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में) नियुक्त करते हैं।

सं० 6/975/72-प्रशा० (राज०)/945.—राष्ट्रपति, आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन के श्री ए० जी० बी० मुब्बु, सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-3) को 6-11-86 के अपराह्न में अगला आदेश जारी होने तक, केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-2

अधिकारी (उप मुख्य निरीक्षक, आयात-निर्यात) के रूप में नियुक्त करते हैं।

शंकर चन्द  
उप मुख्य नियंत्रक  
क्षुब्ध मुख्य नियंत्रक  
आयात निर्यात

वस्त्र मंत्रालय

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 26 फरवरी 1987

सं० 1/9/85-प्रशा०-I—श्री एस० एस० शर्मा, स्थायी सहायक विकास अधिकारी (ऊन) को, जो इस समय इस कार्यालय में तदर्थ आधार पर उप निदेशक (कालीन) के रूप में स्थानापन्न आधार पर नियुक्त हैं, दिनांक 18-2-87 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक रु० 1100-50-1600 के वेतनमान में उप निदेशक (कालीन) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित रूप से नियुक्त किया जाता है।

2. ये उक्त वेतनमान में उप निदेशक (कालीन) के रूप में पहले से प्राप्त कर रहे वेतन को प्राप्त करते रहेंगे।

पी० के० दत्ता  
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1987

सं० 12(24)/61-प्रशा० (राज०)—सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के निदेशक, ग्रेड-II, (सामान्य प्रशा० प्रभाग) श्री एम० शाहूल हमीद को 31-1-87 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्ति कर दिया गया है।

सं० ए०-19018(493)/80-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के सहायक निदेशक, ग्रेड—(रसायन) श्री सुखपाल स्वामी की नियुक्ति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोवा में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (रसायन) के पद पर, दिनांक 1-1-87 (अपराह्न) से अगले आदेश जारी होने तक के लिये करते हैं।

सं० ए०-19018(792)/85-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, श्री सीताराम अग्रवाल की नियुक्ति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के अन्तर्गत विस्तार केन्द्र, झारसुगुडा में, सहायक निदेशक ग्रेड-I (यांत्रिकी) के पद पर दिनांक 6-1-87 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेश जारी होने तक, करते हैं।

सी० सी० राय  
उप निदेशक (प्रशा०)

इस्पात एवं खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रक

कलकत्ता-700020, दिनांक 3 मार्च 1987

शुद्धि पत्र

सं० ई०-I-2(1)/85(.).—राजपत्र अधिसूचना सं० ई-I-2185-की दूसरी पंक्ति में उल्लिखित नाम “श्री सुशील कुमार देव” की जगह श्री सुशील कुमार देव पढ़ा जाये।

सनत कुमार सिन्हा  
उप लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700 016, दिनांक 26 फरवरी 1987

सं० 1287बी/ए-19012(4-एस० एम०)/86-19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग) श्री सुमितर सिंह को ड्रिलर के पद पर नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०-रो० 40-1200 (पुराने वेतनमान) रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 1-12-1986 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 1309 बी/ए०-32013(1-वरि० प्र० अधि०)/82 10ए०—राष्ट्रपति जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्न लिखित प्रशासनिक अधिकारियों को वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1100-50-1600 रु०, के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

1. श्री एम० सी० एम० मेनन 2-1-1987 (पूर्वाह्न)
2. श्री एम० सी० बाल्मीकि 6-1-1987 „
3. श्री एस० पी० मल्लिक 31-12-1986 „

दिनांक 27 फरवरी 1987

सं० 1355 बी/ए-19011(1-पी० एम० जी०)/86-19ए०—राष्ट्रपति जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकीविद् श्री परबिन्दर सिंह गिल को, भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 22-12-1986 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।



सं० 1370 बी/ए-32013(2-भू भौ० वरि०)/83 19 बी०—राष्ट्रपति जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित भूभौतिकीविदों (कनिष्ठ) को भूभौतिकीविद (वरिष्ठ) के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 1100-50-1600 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, प्रत्येक के सामने वषाई गई तिथि में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।—

1. श्री एन० सी० मुरली	10-9-1986 (पूर्वाह्न)
2. श्री आर० वैधनाथन	10-9-1986 (पूर्वाह्न)

सं० 1384 बी/ए-32013 [2-भूवि० कनि० (समी०)] 82/19 बी०—राष्ट्रपति जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकीविद् (उपकरण) श्रीमती नीला सरकार को भूभौतिकीविद् (कनिष्ठ) (उपकरण) के पद पर उगी विभाग में नियमानुसार 700-40-900-द०-रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 29-12-86 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 1121 एन/ए-19011(1-ए० ओ०)/86-19 ए०—राष्ट्रपति जी, श्री ए० ओमकुमार को भूवैज्ञानिक कनिष्ठ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 700-40-900-द०-रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 8-1-87 के पूर्वाह्न में नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 2 मार्च 1987

सं० 1137 एन/ए-19011(2-डी० एम०)/86-19 बी०—राष्ट्रपति जी, श्री सुन्धु दयानन्द को भूभौतिकीविद् (कनिष्ठ) (उपकरण) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द०-रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 30-12-1986 (पूर्वाह्न) से, नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 3 मार्च 1987

सं० 1171-एन/ए-19012(2-जे० के०)/85-19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री जय कमल को सहायक भूभौतिकीविद् के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द०-रो०-35-880-40-1000-द०-रो०-40-1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 17-11-1986 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी  
निदेशक (कार्मिक)

कलकत्ता-700 016, दिनांक 26 फरवरी 1987

सं० 1298 बी/ए-19011(1-डी० एन० एम०)/86-19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निदेशक (भू-विज्ञान) श्री डी० एन० सेठी ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में निदेशक (भूविज्ञान) के पद का कार्यभार 22 अक्टूबर, 1986 से छोड़ दिया है ताकि वे भारत सरकार के अन्तरिक्ष विभाग में वैज्ञानिक/अभियन्ता एस० एफ० का पद 1800-2250 रु० के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर प्रारम्भिक रूप में एक वर्ष की अवधि के लिये ग्रहण कर सकें।

एन० के० मुखर्जी  
वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालन)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 5 मार्च 1987

सं० ए० 32013(मौ० वि० अ० म० नि०)/3/86-स्था० I—राष्ट्रपति, डा० एन० सैन राय मौसम विज्ञान के उप महानिदेशक को भारत मौसम विज्ञान विभाग में तारीख 6-2-1987 से आगामी आदेशों तक मौसम विज्ञान के अपर महानिदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० डी० एस० अब्बी  
मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक  
(प्रशासन एवं भण्डार)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1987

सं० ए०-32013 / 1 / 81-एन० एम० ई० पी०/प्रशा०-I / पी० एच० (सी० डी० ए०)  
—सेवा-निवृत्ति की आयु के हो जाने पर, इस निदेशालय के अधीन राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली के डा० मनोरंजन दास, उप निदेशक (कीट विज्ञान), 30 जनवरी, 1987 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

जैस्सी फ्रांसिस  
उप निदेशक (प्रशासन) (पी० एच०)

संचार मंत्रालय

अनुश्रवण संगठन

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1986

सं० ए-12019/1/85-प्रशा०—संचार मंत्रालय के संवर्ग में वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक, श्री देवी लाल, जो संचार मंत्रालय

के अनुश्रवण संगठन में हिन्दी अधिकारी (राजपत्रित-समूह "बि") के पद में प्रतिनियुक्ति पर है, की प्रतिनियुक्ति की अवधि दिनांक 10 दिसम्बर, 1985 की समसंख्य 5 अधिसूचना में उल्लिखित शर्तों पर 28 दिसम्बर, 1986 के बाद और आगामी आदेशों तक बढ़ाने के लिए संचार मंत्रालय में भारत सरकार के बेतार सहायक की संस्थीकृति एतद्वारा प्रदान की जाती है ।

आर० एन० अग्रवाल,  
उप निदेशक (उपग्रह)  
कृत भारत सरकार के बेतार सहायक

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

खाद्य विभाग

शर्करा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक मार्च 1987

स० ए-20012/132/70/स्था० खण्ड-II—शर्करा निदेशालय, खाद्य विभाग के अनुभाग अधिकारी (लेखा एवं सांख्यिकी) श्री वी० एन० डोगरा निर्वतन की आयु प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप दिनांक 28 फरवरी, 1987 (अप्रैल) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए हैं ।

बी लक्ष्मीरतन,  
संयुक्त सचिव (शर्करा)

कृषि मंत्रालय

(कृषि तथा सहकारिता विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1987

स० 2-2/87-स्थापना (1)—विस्तार निदेशालय की विभागीय पदोन्नति समिति ग्रुप "बी" की सिफारिश पर श्री सोहन लाल धीर, स्थायी अधिक्षक (ग्रेड-1) को दिनांक 20-2-1987 के अप्रैल से छः माह की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक इनमें जो भी पहले हो, रुपये 2000-60-2300 द० रो०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में सहायक प्रशासन अधिकारी, ग्रुप "बी" (राजपत्रित) के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया जाता है ।

आर० जी० बनर्जी,  
निदेशक प्रशासन

दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 22 दिसम्बर 1986

आदेश

स० 4-21/85-सतर्कता—यत श्री मोहिन्दर सिंह सुपुत्र श्री लाल चन्द, ड्राइविंग ड्यूटी पर तैनात मेट को इस कार्यालय

के दिनांक 17-1-1986 के समसंख्यक ज्ञापन द्वारा केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत निम्नलिखित आरोप के लिए एक आरोप पत्र जारी किया गया था—

"कि कथित श्री मोहिन्दर सिंह, मेट को दिनांक 8-7-85 को रूट न० 50 (प्रातः) पर दूध वितरण करने के लिए वैन न० 94 पर ड्राइविंग ड्यूटी पर लगाया गया था । यह कहा गया है कि जबकि उक्त तारीख को श्री मोहिन्दर सिंह मेट ड्राइविंग ड्यूटी ने वितरण करने के लिए आधा लीटर वाली दूध भरी बोतलों वाले 240 क्रेट लिए परन्तु खाली बोतले जमा कराते समय उसने खाली बोतलों वाले केवल 236 क्रेट ही केन्द्रीय डेरी में जमा कराए । यह भी कहा गया है कि उसने रूट शैड्यूल में यथा निर्दिष्ट क्रेटों की संख्या के आंकड़ों में रद्दोबदल की । अतः उस पर आरोप लगाया जाता है कि उसने 80 दूध भरी बोतलों समेत चार क्रेट कम जमा कराए, जिससे स्पष्टतः ड्यूटी के प्रति लापरवाही और सरकारी दस्तावेजों में आंकड़ों पर आधार गड़बड़ कर उनमें रद्दोबदल करना जाहिर होता है जोकि एक सरकारी कर्मचारी के लिए उचित नहीं है और केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 के नियम 3 का उल्लंघन है ।"

और यतः श्री आर० एल० लूथरा को जाच अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था जिन्होंने अपने निष्कर्ष दिनांक 26 अगस्त, 1986 को स० ई० ओ० (एल०)/86 (प्रति सलग्न) द्वारा प्रस्तुत कर दिए हैं । अधोहस्ताक्षरी ने जाच रिपोर्ट तथा रिकार्ड में उपलब्ध सभी तथ्यों और परिस्थितियों की ध्यानपूर्वक तहकीकात की है । श्री मोहिन्दर सिंह ड्राइविंग ड्यूटी पर तैनात मेट पर यह आरोप है कि उसने अपने लिये गैर कानूनी तरीके से आर्थिक लाभ उठाने हेतु दूध के चार क्रेटों की चोरी और सरकारी दस्तावेजों में रद्दोबदल की है । उसके रूट शैड्यूल में लिखे गये आंकड़ों में रद्दोबदल करके क्रमशः डिपु न० 321 और 323 की सप्लाय के आंकड़ों को बदलकर 40 से 38 क्रेट और 31 से 29 क्रेट कर दिया है इस प्रकार उसने इन दोनों डिपुओं पर दूध के 4 क्रेट कम डिलीवर किए और फिर केन्द्रीय डेरी में क्रेट तथा खाली बोतलें कम जमा कराईं । उसने यह काम इस ढंग से किया कि इस अवगति का तुरन्त पता नहीं लगाया जा सका । इस बात की पुष्टि आगे दस्तावेज सं० दि० दु० यो० 44 फार्म से भी हो जाती है जिसमें रोकड लिफिक द्वारा जमा कराया गया रोकड अंकित होता है । यह दस्तावेज यह भी बताता है कि दिनांक 8-7-85 को क्रमशः डिपु न० 321 और 323 पर केवल 760 और 580 बोतले डिलीवर की गई थी और रोकड लिफिक ने तदनुसार दिल्ली दुग्ध योजना के रोकड प्राप्ति अनुभाग में रोकड जमा कराया है । उसने जिस तरह से संबंधित रूट पर वितरण करने के लिये दूध लिया था उस अनुरूप रूट पर दूध भी सप्लाय नहीं किया । आरोपित कर्मचारी को प्रारम्भिक सुनवाई हेतु दिनांक 17-6-1986 और नियमित सुनवाई

हेतु दिनांक 10-7-86, 23-7-86, 4-8-86 और 13-8-86 को पर्याप्त समय दिया गया परन्तु उसने जानबूझ कर किसी न किसी कारण से दस्तावेज लेने से टाल-मटोल की। उसने जांच कार्यवाही में सहयोग नहीं दिया और जांच कार्यवाही को विफल करने के लिये जानबूझ कर मामले में देर करने की चालों को अपनाया। अधोहस्ताक्षरी को पूरी तरह विश्वास हो गया है कि श्री मोहिन्दर सिंह के पास अपने बचाव में कहने के लिये कुछ भी नहीं था, जिससे उसने अपनी गंती मान ली।

अधोहस्ताक्षरी जांच अधिकारी के निष्कर्षों से सहमत है। आरोप को सिद्ध करने के लिये रिकार्ड में पर्याप्त दस्तावेजी सबूत हैं। अतः उसे आरोप के लिये दोषी पाया गया है जो बहुत ही गम्भीर प्रकार का है। अतः अधोहस्ताक्षरी को विश्वास है कि श्री मोहिन्दर सिंह ड्राइविंग ड्यूटी पर तैनात भेट के अपराध की गम्भीरता/गम्भीर स्वरूप के अवचार को मद्दे नजर रखते हुए जनहित में उसे सरकारी सेवा में रखे जाने के लिये वह एक उचित व्यक्ति नहीं है।

अब अतः अधोहस्ताक्षरी केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम 1965 के नियम 11 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यथोचित और पर्याप्त कारणों के आधार पर श्री मोहिन्दर सिंह ड्राइविंग ड्यूटी पर तैनात भेट को अब से तत्काल नौकरी से हटा दिये जाने का दण्ड देने है।

श्री मोहर सिंह  
मुपुत्र श्री लाल चन्द, भेट  
ड्राइविंग ड्यूटी  
गांव तथा डाकबोता-बवाना  
दिल्ली-1100301

बलदेव चन्द,  
उप महाप्रबन्धक (प्रशासन)  
अनुशासनिक प्राधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400085, दिनांक 26 फरवरी 1987

सं० क्रमनि/2/1(29)/83-प्रशा०/9517-परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भंडारी, श्री प्रभाकर बालकृष्ण बडके को इसी निदेशालय में दिनांक 2 फरवरी, 1987 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुपये के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर अस्थाई तौर पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० क्रमनि/2/1(29)/83-प्रशा०/9528-परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भंडारी श्री बनिराम गोपाल बाने को इसी निदेशालय में दिनांक 2 फरवरी, 1987 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-

3500 रुपये के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर अस्थाई तौर पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 3 मार्च 1987

सं० क्रमनि/41/3/85-प्रशा०/9553-परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी, श्री आर० के० शर्मा को इसी निदेशालय में दिनांक 27-11-1986 (पूर्वाह्न) से 27-12-86 (अपराह्न) तक 2375-75-3200-द० रो० 100-3500 रुपये के वेतनमान में लेखा अधिकारी-II के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री मिदल्याली-लेखा अधिकारी II के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिये छुट्टी प्रदान की है।

वी० जी० कुलकर्णी  
प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 25 फरवरी 1987

सं० ना ई स/का प्र भ/0703/501-इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या ना ई स/का प्र भ/0703/03, दिनांक 1-1-1987 के क्रम में लेखा सहायक श्री चु० रा० प्रभाकरन की रुपये 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को दिनांक 22-5-1987 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त, इनमें से जो भी पूर्ववर्ति हो, आगे बढ़ाया जाता है।

गोपाल सिंह  
प्रबन्धक  
कार्मिक प्रशासन

इन्दिरा गांधी परमाणु अनुसन्धान केन्द्र

कल्पक्कम, दिनांक 2 मार्च 1987

सं० आई० जी० सी० ए० आर०/ए/32023/1/87-आर०/253-निदेशक, इन्दिरा गांधी परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न प्रवरण कोटी लिपिक श्री जोसेफ दोरैराज को उसी केन्द्र में 2 मार्च, 1987 पूर्वाह्न से 3 अप्रैल, 1987 अपराह्न तक सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

ए० मुन्नमणियन,  
प्रशासनिक अधिकारी

## वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 3 मार्च 1987

सं० 16/410/86-स्थापना-I—सेवा निवृत्ति की प्राप्ति करने पर श्री मदन लाल ङंगवाल, सहायक कुल सचिव, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून दिनांक 31 जनवरी, 1987 के अग्रगण्य से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सं० 16/455/86-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री पी० एल० बाली, कार्यालय अधीक्षक को अस्थाई रूप से सहायक कुल सचिव के पद पर दिनांक 2-2-1987 के पूर्वान्त से आगामी आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जगदीश नारायण सक्सेना,

कुल सचिव

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

## केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 फरवरी 1987

सं० ए०-19012/1212/86-स्थापना पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री आनन्द प्रकाश, अभिकल्प सहायक को अतिरिक्त सहायक निदेशक /सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-दक्षतारोध-3200-100-3500 रुपये के वेतनमान में 28-8-1986 (पूर्वान्त) से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० आर० सिंगल,

अवर सचिव

केन्द्रीय जल आयोग

## केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1987

सं० 3-762/87-मु० जल भू० (स्था०)—श्री सुरेन्द्र कुमार जुनेजा को दिनांक 17-12-1986 (पूर्वान्त) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, उत्तर मध्य क्षेत्र में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० सप्पूह (ख) (राजपत्रित) मूल वेतन 2000/— रुपये प्रति माह परिशोधित वेतनमान रुपये 2000-60-2300 द० रो०—75-3200-100-3500 पर अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय 'राज्य एकक कार्यालय, रायपुर में होगा।

बी० पी० सी० सिन्हा,

मुख्य जल भूविज्ञानी एवं सदस्य

## मध्य रेल

महाप्रबन्धक का कार्यालय

बम्बई-400001, दिनांक 2 मार्च 1987

सं० एच० पी० बी०/जी०ए०जेड/220/ए० सी०—लेखा विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को 'ख' वर्ग में सहा० लेखा अधिकारी के रूप में उनके सामने दिखाई गई तिथि से स्थाई किया जाता है।

क्र सं०	नाम	स्थायीकरण की तारीख
1.	श्री ए० के० वैद्यनाथन	18-8-80
2.	श्री एल० आर० मोटवानी	18-8-80
3.	श्री एस० डब्ल्यू० मुले	18-8-80
4.	श्री एम० व्ही० भालेराव	18-8-80
5.	श्री व्ही० जी० अररावकर	18-8-80
6.	श्री एन० श्रीनिवासन्	18-8-80
7.	श्री के० सी० झकारिया	18-8-80
8.	श्री जे० सी० शर्मा	18-8-80
9.	श्री आर० एस० गर्मा	18-8-80
10.	श्री एच० जी० भावला	18-8-80
11.	श्री जी० एस० शुक्ला	18-8-80
12.	श्री एस० एस० रामन	18-8-80
13.	श्री एन० सुब्रमण्यम्	18-8-80
14.	श्री व्ही० डी० घाटनेकर	18-8-80
15.	श्री सी० एम० एस० के० मेनन	18-8-80
16.	श्री आर० पी० मेहर	18-8-80
17.	श्री आर० वेंकटेश्वरन्	18-8-80
18.	श्री सी० जे० नीगलूर	18-8-80
19.	श्री ए० जयराम जेमुदास	18-8-80
20.	श्री जी० टी० लालवानी	18-8-80
21.	श्री जी० एस० अहलुवालिया	18-8-80
22.	श्री जी० राजाराम	18-8-80
23.	श्री व्ही० सुन्दरसन	1-11-80
24.	श्री एन० जी० सुब्रमण्यम्	1-7-81
25.	श्री के० आई० जोसेफ	1-12-82
26.	श्री डी० एल० देवधर	1-8-83
27.	श्री के० एस० श्रीनिवासन्	1-9-83
28.	श्री वाई० मुन्नाराव	1-10-83
29.	श्री व्ही० एस० महाजन	1-12-83
30.	श्री ए० सुब्रमण्यम्	1-1-84
31.	श्री एम० जी० महन्त	1-3-84
32.	श्री एस० आर० कुबेर	1-3-85
33.	श्री पी० डी० वीरास्वामी	1-12-85
34.	श्री जी० के० अय्यर	1-12-85
35.	श्री पी० व्ही० कृष्णमूर्ति	1-12-85

विजय सिंह,  
महा प्रबन्धक

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कार्यालय, कम्पनी रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स हरियाणा बिरमानी  
टेक्सटाईल परोमसरस लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1987

स० एच० 173214—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा  
560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना

दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसाम  
पर मैसर्स हरियाणा बिरमानी टेक्सटाईल परोमसरस प्राइवेट  
लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वशित न किया गया  
तो रजिस्ट्रार में काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित  
कर दी जायेगी।

जे० के० जौली,

सहायक रजिस्ट्रार आफ  
कम्पनीज देहली एवं हरियाणा

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एम० एम्पर० रत्नमस्वामी श्रीर ग्रन्थ ।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) ए. म० आण्डाल ।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 फरवरी, 1987

निदेश सं० आ० आ (निरीक्षण) 3/जून अतः मुद्रा, आर० रेड्डी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० सं० 7371, तामोद्रा रेड्डी स्ट्रीट, टी  
नगर, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
टी० नगर-दस सं० 887/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एमो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

भूमि और मकान—तामोद्रा रेड्डी स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17  
(टी० नगर—दस/सं० 887/86)

ए० आर० रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास-171

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-2-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमति एम० सुशीला और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) ए० निर्मला ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निवेश सं० 4/जून/86—अतः मुझे, ए० आर० रेड्डी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान—टी० नगर, मद्रास-17 है  
तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
टी० नगर—दस० सं० 811/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1986  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि का सम्बन्धी व्यक्तियों  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

भूमि और मकान—ब्लॉक सं० 142, टी० एम० सं० 6673,  
टी० नगर, मद्रास 17 (टी० नगर दस० सं० 811/86) ।

ए० आर० रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

तारीख : 2-2-1987  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) के० एम० परमेश्वरन।

(अन्तरक)

(2) पी० बागयालशमी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास,

मद्रास, दिनांक 3 फरवरी, 1987

निदेश सं० 6/जून/86--अतः मुझे, ए० आर० रेड्डी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 59, सुल्लीवनस गार्डन रोड, मद्रास-4 है तथा  
जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुचची में और जो  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर-  
दस सं० 863/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908) (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—सं० 59, सुल्लीवनस गार्डन रोड, मद्रास 4  
(मैलापुर दस० सं० 863/86)

ए० आर० रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

तारीख : 3-2-1987  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एत.-----

(1) श्री नीदा स्वामी जि० नाईडु और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43).

की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

(2) ए० मैकेल और 6 अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 फरवरी, 1987

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निर्देश सं० 9/जून/87—अन मुझे, ए० आर० रेड्डी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरों के पत्र लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

और जिसकी सं० 54, दीडू रोड, तेनामपेट है, जो मद्रास 86 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास दस० सं० 1972/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से कि किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निथों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के प्रविधा के लिए,

भूमि और मकान—सं. 54, कदीडूल रोड, तेनामपेट, मद्रास-86 (मद्रास उत्तर-दस० सं० 1972/86) ।

ए० आर० रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-2-1987

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एम० सूर्य नारायणन ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० नटेशन ।

(अन्तर्लिखित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० 10/जून/86—अतः मुझे, ए० ग्रा० रेड्डी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 9, कोप्पूर गांव, मद्रास है तथा जो  
मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अडेयार—  
दम० सं० 1798/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में स्विधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा  
के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

जनसूची

भूमि—एस० सं० 9, कोप्पूर गांव मद्रास (अडेयार—दम  
सं० 1798/86) ।

ए० ग्रा० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 2-2-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

(1) भीमनि के० स्वमणि और अन्य ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तर्गक)

धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) श्री पी० जी० बेणुगोपाल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी, 1987

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

निदेश सं० 11/जून/86—अतः मुझे, ए० आर०

रेड्डी,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें हमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन स्वमणि प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

और जिसकी सं० 41 और 42, पहला मेईन रोड, गांधी नगर है तथा जो अडियार, मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अडियार-दस सं० 1855/86 में भारतीय रजिस्ट्रार-1 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1986

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ए० दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिफल से अधिक और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(1) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(2) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भूमि और मकान—सं० 41 और 42, फस्ट मेईन रोड, गांधी नगर, अडियार, मद्रास-20 (अडियार-दस सं० 1855/86) ।

ए० आर० रेड्डी

स्वमणि प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

नम्र. नब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 2-2-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पी० एन० विस्वानादन।

(अन्तरक)

(2) श्री विनायक शर्मा और अन्य।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० 14/जून/86--अतः मुझे, ए० आर० रेड्डी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु० में अधिक है।

7, फर्स्ट स्ट्रीट, नन्दनम एक्सटेंशन है, जो मद्रास  
35 में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल  
दस सं० 756/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1986  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल के पक्ष  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्त-  
रिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक  
रूप से अभिहित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, रिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
आवश्यक करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :--

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और भूकान--सं० 7, फर्स्ट स्ट्रीट, नन्दनम एक्सटेंशन  
मद्रास-35 (मद्रास सेन्ट्रल-वस सं० 756/86)

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

तारीख : 2-2-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ....

(1) बोर्ड जहननाइन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(2) बालाजी डिस्टीलर्स प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भा.न. वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

मद्रास, दिनांक 3 फरवरी 1987

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 15/जून/86—अतः मुझे, ए० आर० रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 18, सुब्बाराव एवेन्यू फर्स्ट स्ट्रीट, नुगम्बाकम है तथा जो मद्रास-34 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, याउजन्दलेई—दस सं० 282/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1986

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपाबद्ध सम्पत्ति में लिखित में किन्हीं कार्यों को करने के लिए

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम केवल्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था निम्नलिखित में सुविधा के लिए;

भूमि और मकान—सं० 18, सुब्बाराव एवेन्यू फर्स्ट स्ट्रीट नुगम्बाकम, मद्रास-34

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-2-1987

मोहर :

प्ररूप आर्ह टी एन एस -----

(1) एम० एन० लक्ष्मी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सञ्चना

(2) एम० हरिकृष्णा नाडार ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 फरवरी 1987

निदेश सं० 5/जून/87--अन मुझे, ए० आर० रेड्डी,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 31, डाक्टर रंगाचारी रोड, मैलापुर है तथा जो  
मद्रास-4 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर--  
सं० 801/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायिख  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सञ्चना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सञ्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान--सं० 31, डाक्टर रंगाचारी रोड, मैला-  
पुर; मद्रास-4, मैलापुर दस सं० 801/86

ए० आर० रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास-17

तारीख : 3-2-1987  
मोहर :

प्रकट भाई. डी. एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना****भारत सरकार****सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एफ्यू०/ए० आर०-3/6-86/

10--अतः मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-70, एन० डी० एस० ई-2, में स्थित है

(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी लाभ की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) संतोष कुमारी बहारी पति एन० सी० बहारी द्वारा सी-70, एन० डी० एस० ई-2, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) आर० के० आनन्द सुपुत्र आर० एस० आनन्द 2-ई/8, झंडेवासान, एकमटेशन, नई लिंक रोड नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० सी-70, तादावी 398, वर्ग गज एन० डी० एस० ई-2, नई दिल्ली। फी-होल्ड। बना हुआ।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-3/  
6-86/20—अतः मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एन० डी० ए० ई०-1, नई दिल्ली 1 तादादी  
400 वर्ग गज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जन रेंज नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून  
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्तेमाल-  
मान प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा स्वतः नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरी चन्व गुप्ता सुपुत्र रंजीत सिंह निवासी—  
13/2, रे स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) यशपाल अरोड़ा और दर्शन कुमार अरोड़ा  
सुपुत्र स्व० सीता राम अरोड़ा, ई-193,  
कृष्णा मार्केट, लाजपत नगर, 1, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्रापटी के-9, एन० डी० ए० ई०-1, नई दिल्ली । तादादी  
400 वर्ग गज ।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 10-2-1987

मोहर :



प्रकृष. काइ. टी. एन. एस. --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए०/यू०/2-एस० आर०-3/

6-86/21—अतः मझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हम इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सशक्त प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट आर-9 तावादी 2607 बर्ग गज ए० स्मॉल स्म आर गेरेज में स्थित है (आर हमसे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली ए० डी० ए० ई०-2, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1986

क.1 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के बिना अन्तर्गत की गई है और इसे यह विस्वास करने का कारण है कि अन्तर्गत सम्पत्ति का उक्त बाजार मूल्य, उसकी दायमान प्रतिफल से कम है। पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने ला उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार न. में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति स्वराज निम्बर पत्नि स्वर्गीय हरचरण सिंह निम्बर और श्री अनिल निम्बर, अक्षय निम्बर और अतुल निम्बर सुपुत्र श्री हरचरण सिंह निम्बर 121/15ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) अनिल डिग्रा सुपुत्र एस० एन० डिग्रा और अंजना ओबराय पत्नि कंवल नेन ओबराय बी-45 ए० डी० ए० ई०-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० आर-9, तावादी 2607 बर्ग गज, एक छोटा कमरा आर गेरेज ए० डी० ए० ई०-2, नई दिल्ली।

अशोक कक्कड़  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 10-2-1987  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ———

(1) मै० कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट्स, 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) डा० बी० के० मेहरा (एच० यू० एफ०), और श्री आर० के० मेहरा, अल्पना पांचवी मंजिल, फ्लैट नं० 11, 60, पेदार रोड, बम्बई।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/6-86/

32ए—अनः मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं०-5 है तथा जो बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल प्रताप भवन, ताबादी-550 वर्ग फिट, प्लॉट-नं०-5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्रारूप आर्द्द टी. एन. एम. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ताम्रालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० आर्द्द० ए० सी० /ए यू० /2/37ईई/6-86/

32ए—प्रतः मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5, है तथा जो बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

(ब) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० कला नाथ एण्ड एम्प्लिफ़्ड, 18, भारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री विष्वनाथ, निवासी—5, रेक्टर कोर्ट रोड, मिनिन वाईन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकता शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससे संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1ली मंनिक प्रताप भवन, तादादी 550 वर्ग फिट, प्लॉट नं०-5, बहादुर शाहजफर मार्ग, नई दिल्ली ।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्रकाशक अथवा अन्य व्यक्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
संशोधन किया गया है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/2/37ईई/ 6/86/

32सी—अतः मुझे, अणोक कक्कड

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अन्तर्गत परिष्कार का, यह कि 'उक्त अधिनियम'  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 10,000/- से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 14-बी सागर अपार्टमेंट, 6, तिलक  
मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण-रूप से वर्णित है), जिस्ट्री तर्ज अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-  
नियम, 1961 के अधीन, तारीख जून, 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
इस विवरण के अनुसार यह है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उक्त अन्तर्गत प्रतिफल से, ऐसे अवसर  
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 22)  
के अन्तर्गत है। इसका उद्देश्य नहीं है कि  
यह उक्त अधिनियम के अन्तर्गत या उक्त अधिनियम  
के अधीन है।

अतः उक्त उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ का अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की धारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कपराईस फ़िल्म शन्टरप्राईजेज प्रा लि०, 34-  
बी, श्रीवर्मा नरगिस दत्त रोड, पाली हिल,  
नान्दा बम्बई।

(अन्तरित)

(2) मैं जी सागर सूरी एम्पू मन्थ (एम्पू०  
एफ०), 14-बी, सागर अपार्टमेंट, 6, तिलक मार्ग  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

इस सूचना के तारीख के पूर्वोक्त अधिनियम के अधीन  
के अधिनियम के अधीन।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्त —

(\*) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधि में  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में एक-दूसरे के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
मुख लिखित के अधिनियम के अधीन।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं०-14-बी, सागर अपार्टमेंट 6 तिलक मार्ग,  
नई दिल्ली।

अणोक कक्कड  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

तारीख : 10-2-1987  
नोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/237ईई/6-86/33-

अतः मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्ज जिसकी सं० बी-45 है तथा जो महारानी बाग, कोपरेटि हाउस  
बिल्डिंग सोसाइटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन  
रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के  
अधीन; तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—516GI/86

(1) श्री सुखविन्द सिंह डिगरा ।

ए-2 कालिंदी कालोनी नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मिसेस मोरा गोयल फार एण्ड बिहाफ पीकाक  
केमिकल्स प्रा० लि०, 8/7, इण्डस्ट्रियल एरिया,  
साईट-4, साहिबाबाद । गाजियाबाद (यू०पी०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-45, महारानी बाग, कोपरेटि हाउस  
बिल्डिंग सोसाइटी लि० नई दिल्ली । तादादी 966 गंव गज।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 10-2-1987

मोह

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/37ईई/6-86/

35—प्रतः मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1.00.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कमर्शियल फ्लोर प्रथम दूसरा और तीसरा  
है तथा जो ग्रेंडले सिनेमा कम्प्लेक्स कम्प्युनिटी सेंटर फ्रैंड्स कालोनी  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है),

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई  
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,  
तारीख जून 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल या  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
और, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) अमन लाल बत्रा सोल प्रोपराईटर्स ग्रेंडले इलेक्ट्रि-  
कल्स (इण्डिया) सिनेमा, ग्रेंडले सिनेमा कम्प्युनिटी  
सेंटर, न्यू फ्रैंड्स कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) एलक्रेट इण्डिया प्रा० लि०, 908, अंसल भवन,  
कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कमर्शियल फ्लोर स्पेस प्रथम दूसरा और तीसरा खण्ड,  
ग्रेंडले सिनेमा कम्प्लेक्स, कम्प्युनिटी सेंटर, फ्रैंड्स कालोनी,  
नई दिल्ली-110065

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

तारीख 10-2-1987

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० ओ०/एक्यू०/2/27इइ/6-  
86/36—अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-39 है, तथा जो कालिन्दा कालोनी, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेश अग्रवाल और श्रीमति स्नेह अग्रवाल  
निवासी—678/1, बिमला भवन, काबुल नगर,  
शाहजरा, दिल्ली-32

(प्र तरक)

(1) श्रीमति शकुन्तला मोदी, श्री ए० के० मोदी, श्री  
संगीता मोदी श्री पी० के० मोदी और श्रीमति नंद नी  
मोदी निवासी—घायल एण्ड जनरल मिल्स रेलवे  
रोड मंडी गोविन्दगढ़ पंजाब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

खाली प्लॉट नं० ई-39 कालिन्दा कालोनी नई दिल्ली।  
फ्री-होल्ड।

अशोक कक्कड़,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

तारीख : 10-2-1987  
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एच. 1987/2/37ईई/6-86/

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं आई० ए० सी० /एक्यू०/2/37ईई/6-86/

37—अतः मुझे, अशोक कक्कड,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-5 है तथा जो महारानी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून, 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ग्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कहा गया है—

【क】 अन्तरक से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल से कभी कड़ने या उससे बचने में सुविधा से प्रिया अति/वा

【ख】 ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या बा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से प्रिया;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति/व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मिसेस सरोजनी लक्ष्मण, द्वारा मिसेस एस वत्ते सी/7, महारानी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मिसेस निर्मला जैन, सी/5, महारामनी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाह्या शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी बाधे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सीत-5, महारानी बाग, नई दिल्ली ।

अशोक कक्कड

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 10-2-1987

मोहर :



प्रलय बाई.टी.एन.एच.,-----

(1) मै० कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट्स, 18, बारा-  
खम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं आई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/ 6-86/

37-ए-अतः मुझे अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट नं० 5 है तथा जो बहादुर शाह जफर  
मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर उमसे उपाबद्ध अनुमूची में  
और जो पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन, तारीख जून, 1986के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की इष्टमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से, ऐसे इष्टमान प्रतिफल के  
संग प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक की  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना जा रहा था, जिन्हें वे सुविधा  
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(2) म० सेठ ब्रदर्स केयर/ब्राफ श्री चान्द सेठ, 204  
रोहित हाउस, टाल्सदाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों के  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।**अनुमोदी**1ली मंजिल, प्रताप भवन, तादादी-550 वर्ग फिट,  
प्लॉट नं०-5, बहादुर शाह फिर मार्ग, नई दिल्ली।अशोक कक्कड़,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं आई० ए० सी० / एक्यू०/7/एस०आर०-3/  
6-86/17—अतः मुझे, बी० के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-59 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स अमरजीत सिंह जोहर एण्ड कम्पनी सी० 139, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री बी० के० सूद, एस-59, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस-59, (प्रथम खण्ड) ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली।

बी० के० मंगोला,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख 2-2-1987  
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एच. एच. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० /7/37जी/ 6-86/  
20—अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एन-93, ग्रेटर कैलाश -1, नई दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गुरुबक्श सिंह बक्शी सुपुत्र स्व० बक्शी हर-  
नाम सिंह, एन-93, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) राजकुमार अरोड़ा सुपुत्र स्वर्गीय हकीमराय अरोड़ा,  
मिससे सविता अरोड़ा पत्नि श्री राजकुमार अरोड़ा  
श्री राकेश अरोड़ा सुपुत्र राजकुमार अरोड़ा, 7-बी  
पूसा रोड, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 अविभाज्य शेयर एन-93, ग्रेटर कैलाश-1, नई  
दिल्ली साथ में ग्राउण्ड फ्लोर पोरशन ।

वी० के० मंगोत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख 2-2-1987  
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -7 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/ 37जी/6-86/  
24—अतः मझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-84, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीयता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून. 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) राजिन्द्र सिंह चन्दोक सुपुत्र स्व० सरदार द्वारा एस० प्रताप सिंह दहन ए-74, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) सुमेरामल सुपुत्र श्री मिमरी मत 2 श्री नर सिंह लि सुपुत्र मिसरी मत 1/4223, अंमारी रोड, दरिया-गंज, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी वीगारिग नं 84, बनाक ए, तादाची 404, बर्ग गज, इन ले आऊट प्लान ईस्ट आफ कैलाश आवासीय स्कीम नई दिल्ली ।

वी के मंगोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -27, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख 2-2-1987

मोहर :

प्रमुख भाग: टी. एन. ए. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/7/37जी०/6-86/

13—प्रतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी वरिष्ठा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-167, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली है तथा जो में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वारंश, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी बात या किसी भन या अन्य भास्तिवों के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—516GI/86

(1) मैसर्स रजनी ट्रेडिंग कम्पनी प्रा० लि०, 303, कम्यूनिटी सेंटर, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली द्वारा सोबराज चुग, 2 एपेक्स, कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि० नई दिल्ली द्वारा श्री ए० वी० वैद ।

(अन्तरक)

(2) गुरुदयाल प्रसाद अस्थाना सुपुत्र रघुनाथ प्रसाद । अस्थाना एस-307, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यावाही करता है।

उक्त वर्णन के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों के सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अधिक अवधि बाध से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बातों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० एस-1, (इक्विवैलेंट 64 वर्ग गज) प्रोशेन आफ प्रापर्टी नं० एम-167 ताबादी 400 वर्ग गज 1 ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली ।

वी० के० मंगोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 2-28-1987

मोहर :

अध्याय २.डी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
धारा २६९-ब (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-७, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक २ फरवरी, १९८७

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/७/३७जी/७-८६/

२२—अन. मन्ने, बी के मंगोला,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
२६९-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
१,००,०००/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० ई० २६३, ग्रेटर कलाश-१, नई दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन  
तारीख जून, १९८६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मन्ने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

तत्. अध, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ब की उपधारा (१)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) चन्द्र मोहन पत्नि डा० इंदरेश्वर निगम ई-२६३,  
ग्रेटर कलाश-१, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(२) श्रीमति मीनू चावरा पत्नि श्री सुधीर चमवला,  
२, यू० बी० बाहरनगर दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय २०-क में यथा परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० ई-२६३, तादादी २१५ वर्ग गज, ग्रेटर कलाश  
नई दिल्ली ।

बी० के० मंगोला  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-७, नई दिल्ली

तारीख : २-२-१९८७

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -7 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० प्रार -3/  
6-86/28—प्रतः, महो, वी० के मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-59, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेस-2 नई-दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया था प्रतिफल निम्नलिखित अनुबन्ध के अन्तर्गत निश्चित से वास्तविक रूप से कतिपय नहीं किया जा सकता है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मेसर्स गणेश स्टोन कृसींग कम्पनी द्वारा पार्टनर भगवान दास कालरा, डी-54, कालकाजी, नई दिल्ली, श्री जी० धार० गूप्ता, जे-143, कालकाजी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

मैं (2) इण्डो एशियन स्कर्ट ब्रेकर्स प्रा० लि० द्वारा डायरेक्टर भगवान दास कालरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाबबंद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ है जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० ए-59, तादात्री 1015.3 वर्ग गज, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेस-2, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987

मोहर।

प्रकट बाबू, डी. एम. एस. :-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निवेश सं० आई० ए० सी० /एफ्यू० /7/37जी/6-86/

21—अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-190 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी व्यवमान  
प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्धृत से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से अधिक  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वन या अन्य बातों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था दिखाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जी० एस० जोहर, सुपुत्र ए० एस० जोहर, सी-170  
ग्रेटर कैलाश-1 नई, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) जी० एन० कठपालिया सुपुत्र के० एन० कठपालिया  
बी-28 सर्वोदय एन्क्लेव नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, या उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

घरातल खण्ड प्रापटी नं० ई-190 ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली ।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987

मोहर :



प्रथम भाग, टी. एन. एन. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7 एत० आर०-3/

6-86/23—प्रतः मुझे, वी० के० मंगोला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो आर०-128, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एस० रणवीर सिंह,  
आर-128, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) मिसेज वीणा गुगनाणी पत्नी  
श्री के० एल० गुगनाणी, 38-डी,  
डी० डी० ए० फ्लैट,  
मस्जिद मोठ, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर का भाग आर-128, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली।

वी० के० मंगोला  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/37 जी/6-68/  
26—अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-9 है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोतिया धवन,  
पत्नी स्व० श्री आत्माराम धवन,  
जी-118, कालकाजी, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजरानी पत्नी श्री कृष्ण लाल,  
श्री सुरेश कुमार 3, श्याम लाल  
ई-9, कालकाजी, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त लिखित में किए जा सकेंगे।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ई-9, कालकाजी,  
नई दिल्ली।  
ताददी 273 वर्ग गज।

वी० के० मंगोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/7/37जी 6-86/  
16—प्रतः मुझे, श्री बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-438, ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भावित्य पंडित सुपुत्र श्री सी० एस० पंडित  
एम-32, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री लाजपाल सिंह आनन्द सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस० सुजान  
सिंह, 344-एल, माडल टाउन, यमुनानगर,  
हरियाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिमा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० धरातल खंड और बेसमेंट प्रापर्टी नं० ई-  
438, तादादी 250 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० ए० 7/37जी०-6/86/  
25—अतः मुझे, श्री वी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्लॉट नं० 16, सिरी फोर्ट  
रोड, मस्जिद मोठ, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1986  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) मन्दाइन तं एवं किसी आय की वापस उक्त  
अधिनियम में बर्णित कल होने की वजह से  
छाया में कमी करने या उक्त वचन में बिधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जसवंतकौर कोहली पत्नी स्व० एस०  
आशासिंह, 4/5-ए, कटरा आत्मा राम, बाड़ा  
हिन्दुराव, दिल्ली।

(अन्तरक

(2) बन्ना एण्ड एसोसिएट्स द्वारा श्री भजन सिंह  
सुपुत्र स्व० गुलाब सिंह एस-56, ग्रेटर कैलाश-2  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करा जाए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 16, सिरी फोर्ट, रोड मस्जिद मोठ, नई दिल्ली  
ताबादी 400 वर्ग गज।

वी० के० मंगोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987  
मोहर :

प्रत्यक्ष. भाग ० टी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/7 एस आर-3

6-86/18—अतः मुझे, श्री बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो—एस-154, ग्रेटर कैलाश—

2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-516GI/86

(1) मैमसे खुराना बिल्डर्स द्वारा पार्टनर श्री गुरविन्दर  
सिंह खुराना, सुपुत्र अवतार सिंह खुराना,  
इ-21-ए, इस्ट आफ कलाश, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)(2) श्री राजेन्द्र कुमार बड़ेर सुपुत्र स्व० श्री मूल  
चंद बड़ेर, श्रीमती प्रीति बड़ेर, पत्नी राजेन्द्र  
कुमार बड़ेर, श्री अवणी बड़ेर सुपुत्र प्रकाश  
चंद बड़ेर मरकंटाहल बिल्डिंग, तेजपुर (आसाम)  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
तौरवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्ट-  
व्युत्पन्न किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटी विवरण नं० एम-154, ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली।बी० के० मंगोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 2-2-1987

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37जी-6-86/  
15—अतः मुझे, श्री सी० के० मंगोत्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०—है तथा जो ई-497, ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
निवेदन को अधीन कर देने के अन्तर्गत से शायदश से  
अधी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
की गई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित स्पष्टियाँ, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेश चन्द्र वर्मा, सी-18, ग्रेटर कैलाश-2  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन सम, 52/42, पंजाबी बाग, दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के अन्तर्गत  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० 497,

ब्लॉक नं० ई

ग्रेटर कैलाश-2,

नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987

मोहर।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37जी/6-86/14--अतः मुझे, श्री बी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो एस-188, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ए० ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित आदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए जारी था

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मिसेस निरुप्मा जैन पत्नी श्री अशोक जैन, ई-207, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली द्वारा जनरल एटोरनी श्री अशोक जैन।

(अन्तरक)

(2) मिसेस अल्का आनन्द पत्नी श्री ए एस आनन्द, सी-37, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की बचन को निम्न कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति की बचन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 188, ब्लॉक 'एस' (प्रथम खंड) कंस्ट्रुटिड।  
ताबारी 300 वर्ग गज। ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37जी/6-86/

247—अतः मुझे, श्री वी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० है तथा जो प्लॉट नं० 123, ब्लॉक नं०  
48, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रेम प्रकाश भटनागर, ए-260, पटारा रोड,  
नई दिल्ली।

डा० दयाप्रकाश, सी-151, मेक्टर 'ए' मोहन नगर  
लखनऊ।

श्री सत्य प्रकाश भटनागर, जे-5, ए० ओ० टी०  
क्वाटर (होमगार्ड कर्नल) मेरठ कैंटीनमिट।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती उर्मिला देवी (एक्स महारानी आफ नाभ)  
पत्नी श्री प्रताप सिंह एक्स महाराजा आफ  
नाभा 6, पंचशील मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 123, ब्लॉक नं० 48, चाणक्यपुरी, नई  
दिल्ली अर्ब नं० 138, मालवा मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987  
मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स शशि गोपाल, एस-412, ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)  
(2) मेसर्स सहगन प्रोमोटर्स एन्ड विल्डर्स प्रा० लि०, डी-289, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निर्देश सं आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37जी/6-86/19-

अत. मुबे, श्री बी के मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्लॉट न एस-360, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा भी लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एस-360,  
ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली।

बी के मंगोत्रा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 2-2-1987  
मोहर :

प्रकाश जाई है एन एन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस आर-3/  
6-86/87—अतः मुझे, श्री बी० के० मंगोत्राआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- से अधिक हैऔर जिसकी सं है तथा जो जी-6, कैलाश कालोनी,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुमति से  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री गति प्राधिकारी द्वारा नई  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून 86को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल के  
इस प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरक (अन्तरक) के बीच एक अन्तरक के लिए यह बात  
बयान प्रमाण, निम्नलिखित सूचना से अन्तरक निम्नलिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरक से है किसी आय का बाजार मूल्य  
अधिनियम के अधीन कर देने के लिए  
शायद के कमी करने या उससे बचने के लिए  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्रीमती सावित्री मल्होत्रा, जी-6, कैलाश कालोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एम आर मनवन्दा, श्रीमती राजरानी  
मनवन्दा, 79, पालिका बाजार, कनाट प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिकी)

वो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना के तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
सम्पत्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
व्यक्ति या व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
बाजार में विक्रय जा सकेंगे।राष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

मकान नं० 6, बंगला जी, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली  
529.7 बगै गज बना।

बी० के मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 2-2-1987

मोहर :

प्रकट भाई. टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37ईई/6-86--

धतः मुझे श्री वी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सख्त प्राधिकारी हों, यह निश्चय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो एस-133, ग्रेटर कैलाश, -2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) के अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 16) के अधीन तारीख जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तक प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रयत्न के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) मेसर्स केप्टल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी द्वारा पार्टनर मोहनजीन मिह्र और इन्दरजीन मिह्र, एस-285, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (1) श्रीमती सुधा राम चंदानी प्रती दीनत हीरानन्द चंदानी, श्री दीनत हीरानन्द रामचंदानी सुपुत्र हीरानन्द पिशाच चंद रामचंदानी, एफ-37, एन डी एम ई-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुतवत् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नोट :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समसूची

गुंदायर प्रथम खंड, प्रापटी नं० एम-133, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा

सहयक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987

मोहर :

अथ भाग III-एच.एच. नमोः नमोः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेशन सं आई० ए० सी०/एफ्यू०/7/37ईई/6-86—

अतः मुझे, श्री वी० के मंगेशा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आशय है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,39,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो बी-223, ग्रेटर कलाश-1 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 16) के अधीन तारीख जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जातिवा की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स स्टर्लिंग अपार्टमेंट प्रा० लि०, 1205, नई दिल्ली हाउस, 27, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) टाटा आयरन एंड स्टील कम्पनी लि०, 24 होमी भांबी स्ट्रीट, फोर्ट बम्बई।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए गए सर्वेक्षणों।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में विद्यमान है।

अनुसूची

एक फ्लैट प्रथम खंड  
आई स्टोरी आवासीय बिल्डिंग,  
नं० 223, ब्लॉक बी,  
300 वर्ग गज,  
ग्रेटर कलाश-1,  
नई दिल्ली।

वी० के० मंगेशा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक, 2 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37ईई/6-86—

अतः मुझे, श्री बी० के० मंगोला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो ए-4, 43, पृथ्वीराज रोड  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन तारीख जून 86।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—516GI/86

(1) श्री अनिल वासुदेव, सुनील वासुदेव,

राजीव वासुदेव, श्रीमती सीपा वासुदेव, 43,  
पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) ससाईन ट्रेडर्स एंड टर्म्स प्रा० लि०, 301,

हील क्वीन पाली माला रोड, बांद्रा बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनसूची

इक्लोग यूनिट नं० 4,

ब्लॉक ए, 43, पृथ्वीराज रोड,

नई दिल्ली।

बी० के० मंगोला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू/7/37 ईई/6-88—

अतः मुझे, श्री वी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो डी-47, ईस्ट आफ केलाश,  
नई दिल्ली, में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून 1986।

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अत्यधिक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
रखा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन उक्त धारा के अन्तरक के  
अन्तरण से कमी करने या उससे बढ़ने में उचित  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या न किया गया या नष्ट हो, धियान में रखने  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० एन० दयूगन, श्री एस० एन० दयूगल,  
श्री एच० न० दयूगल, श्री पी० एन० दयूगन  
मिसेस जी० बाली, 1-3, महाराणी बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अमोक धवन, नवीन कुमार धवन, ई-11,  
ईस्ट आफ केलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में बराबर होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादवादी के बाह  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डी-47, ईस्ट आफ केलाश, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37 ईई/6-86—

अतः मुझे, श्री बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है—

और जिसकी सं० है तथा जो एस-148, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; कोई/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मितेस स्नेह दत्त, एस-148, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अश्वनी कुमार, सी-745, न्यू डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरातल खंड फ्लैट नं० एस-148, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-87

मोहर :

प्रारूप भाग-टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (i) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं आई० ए० सी०/एनयू०/7/37ईई/6-86--

अतः मुझे, श्री वी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 13, डालकाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्धित की गई है और यहाँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के दृश्य प्रतिफल से अधिक है और बन्धक (बन्धकों) और बन्धकों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वारस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के कार्यालय में कमी करने या उसके बचने में सुविधा और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे या किन्हीं के द्वारा नहीं किया।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथास्तः—

(1) श्री बृजेंद्र सिंह दुग्गल, बी-15, महारानी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स पानीपत प्रापर्टी प्रा० लि०, 17, कम्प्यूनिटी सेन्टर (बेसमेंट) मथुरा रोड, न्यू फोर्डस कालोनी नई दिल्ली।

(अन्तरित्व)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस फ्लेट नं० 1005,  
ताबादी 696 वर्ग फीट,  
10वां खंड,  
बहुमंजिली इमारत,  
13, डालस्टाय मार्ग,  
नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987

मोहर :



प्ररूप आई टी एन एस --- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37ईई/6-86 ---

अतः मुझे, श्री वी० के० मगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो सी-11 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961

तारीख जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कर्नल आर० डी० अडवानी, 257/271, सिंह कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, रोड न० 2, उदय, पूना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरजीत कौर, पत्नी श्री इकबाल सिंह, श्री इकबाल सिंह सुपुत्र श्री केशव सिंह सी-11, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी-11, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

वी० के० मगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) वैशाली डेव्हलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) धावालिया इन्टरप्रायसेस।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई-4/37ईई/30419/84-85--अतः

मुझे, लक्ष्मणदास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ओ पी 135, एफ पी 239, 240 टी पी एस 3, 51वां रास्ता, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई 400092 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सं० आई-4/37ईई/30419/85-86--खुला जमीन का हिस्सा, जो विलेज एकसार, तालूका बोरिवली, बम्बई उपनगर जिला में है। और जिसका रजिस्ट्रेशन जिला और सब जिला बम्बई शहर और बम्बई उपनगर में है। जिसका सर्वे नं० 20, हिस्सा नं० 10 है। विलेज एकसार और जिसका औरिजिनल प्लॉट नं० 135, टी पी एम 3, बोरिवली और जिसका (ड्राफ्ट्स) :

- (1) फायनल प्लॉट नं० 239, टी पी एस 3, बोरिवली (ड्राफ्ट्स) और विस्तार लगभग 2082.20 चौरस मीटर है और जिसका सी टी एस नं० 524(अंश) और
- (2) फायनल प्लॉट नं० 240, टी पी एस 3, (ड्राफ्ट्स) और जिसका विस्तार लगभग 634.50 चौरस मीटर है। और जिसका सी टी एस नं० 524(अंश) है।

अनुसूची जैसा की सं० आई-4/37ईई/30419/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणदास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-2-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस

(1) श्री एच० एस० चोगले और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) वैशाली डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई-4/37ईई/30418/85-86--अनः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ओ० पी० 135, एफ पी० 162--163-  
239-240 टी पी एस 3, 51वां रोड, बोरिवली (पश्चिम)  
बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) आयकर अधिकारी के कार्यालय  
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

खुला जमीनका हिस्सा, जो विलेज एकसार, तालुका बोरिवली,  
बम्बई उपनगर जिला, जिसका रजिस्ट्रेशन जिला और सब जिला,  
बम्बई शहर और बम्बई उपनगर है। जिसका पहला प्लॉट  
नं० 135 और जिसका—

- (1) फायनल प्लॉट नं० 162, टी पी एस 3, बोरिवली  
(प), विस्तार लगभग 1846 चौरस मीटर है।
- (2) फायनल प्लॉट नं० 163, टी पी एस 3,  
बोरिवली(प), विस्तार लगभग 1300 चौरस  
मीटर है।
- (3) फायनल प्लॉट नं० 239, टी पी एस 3, बोरिवली  
(प) विस्तार लगभग 2082.00 चौरस मीटर  
है, और
- (4) फायनल प्लॉट नं० 240, टी पी एस 3,  
बोरिवली(प), विस्तार लगभग 634.50 चौरस  
मीटर है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-4/37ईई/30418/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणदास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-2-1987

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई-4/37ईई/30134/84-85--अतः

मुझे, लक्ष्मणदास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) बिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा, जो दहिसर में  
जिसका रजिस्ट्रेशन जिला और सब जिला, बम्बई शहर  
और बम्बई उपनगर में है जिसका सर्वे नं० 5, एच नं०  
11, और विस्तार 5898.75 चौरस यार्ड है और जिसका  
सर्वे नं० 6, एच नं० 17, और विस्तार 998.25 चौरस यार्ड है।  
में स्थित (और इससे उपाय अन्तर्गामी में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269  
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वाम्बविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, विधान में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निर्मातृवित्त व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) राजनागयण आर० सिंह।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स विल्डवेल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों सूचना पर  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुला जमीन का हिस्सा, जो दहिसर में जिसका  
रजिस्ट्रेशन जिला और सब जिला, बम्बई शहर में और  
उपनगर बम्बई में है। जिसका सर्वे नं० 5, हिस्सा नं०  
11, और विस्तार 5898.75 चौरस यार्ड है। जिसका  
सर्वे नं० 6, हिस्सा नं० 17, और विस्तार 998.25  
चौरस यार्ड है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-4/37ईई/30134/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-6-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणदास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-2-1987

मोहर :

## प्रत्येक बाई-टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई-4/37ईई/30386/84-85—अन्त.

मुझे, लक्ष्मणदास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी एम सी अप्रूवल के मुताबिक एफ एस आय की बाकी लगभग 4000 से 6000 चौरस फीट की सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 48, एच० नं० 1/3-बी, सर्वे नं० 50, एच० नं० 6/2ए(अंश), सी टी एम नं० 1063 और 1066 मार्था कालनी रोड, दहिमर(पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिये गये प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दिये गये प्रतिफल से, ऐसे दिये गये प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए दिये गये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मेरे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—516G1/86

(1) सेठ इंडस्ट्रिज लि०।

(प्रोप्राईटर—सिम्पलेक्स वूलन मिल्स)

(अन्तरक)

(2) युनिवर्सल बिल्डर्स एण्ड डेव्लपर्स।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करायी हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ लागू किया जाएगा।

अन्तरिती

बी एम सी अप्रूवल के मुताबिक एफ एस आय की बाकी लगभग 4000 से 6000 चौरस फीट की सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 48, हिस्सा नं० 1/3-बी, सर्वे नं० 50, हिस्सा नं० 6/2-ए(अंश), सी टी एम नं० 1063 और 1066, मार्था कालनी रोड, दहिमर(पूर्व) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-4/37ईई/30368/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-2-1987

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई-4/37ईई/30446/84-85--अतः

मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पूरा जमीन का हिस्सा जिसमें कन्स्ट्रक्शन  
और उसके बाजू में रहने के लिए जगह है। जो स्वामी  
विवेकानन्द रोड, की पूर्व बाजू में, मागठाणे विलेज, बोरिवली  
(प), में स्थित है। जिसका रजिस्ट्रेशन सब-जिला, बान्द्रा,  
बम्बई उपनगर जिला में है। उसका क्षेत्रफल 2 एकड़,  
याने की 9680 चौरस यार्ड तथा 8851 चौरस मिटर,  
लगभग है। और कलेक्टर आफ सैन्ड रेविन्यू बुक में  
रजिस्टर्ड है। जिसका सर्वे नं० 160 और एस नं०  
1, हिस्सा नं० 2, सीटी सर्वे नं० 47 और  
47(1 से (2) और करनिर्धारण अधिकारी म्युनिसिपल दर  
और कर वार्ड नं० आर० बुक में रजिस्टर्ड किया गया है।  
में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) आयकर अधिकारी के कार्यालय बम्बई में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कथात :-

(1) श्री ए० जी० भाटीया और अन्य

(यस्तर्क)

(2) श्री मागर बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पूरा जमीन का हिस्सा जिसमें कन्स्ट्रक्शन और उसके  
बाजू में रहने के लिए जगह है। जो स्वामी विवेकानन्द  
रोड की पूर्व बाजू में, मागठाणे विलेज, बोरिवली (प), में  
स्थित है। जिसका रजिस्ट्रेशन सब-जिला, बान्द्रा बम्बई  
उपनगर जिला में है। उसका क्षेत्रफल 2 एकड़, याने की  
9680 चौरस यार्ड तथा 8851 चौरस मीटर लगभग है।  
और कलेक्टर आफ सैन्ड रेविन्यू बुक में रजिस्टर्ड है।  
जिसका सर्वे नं० 160 और एस नं० 1, हिस्सा नं०  
2, सीटी सर्वे नं० 47 और 47(1 से 12) और कर-  
निर्धारण अधिकारी म्युनिसिपल दर और कर वार्ड नं० आर०  
बुक में रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, बम्बई

तारीख : 12-2-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती पी० बून्डा शिवलिंग ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

(2) मै० सुर्यमुखी प्रापटीज प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू कर रहा हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाकोब :-

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1987

निर्देश सं० आई/-37ईई/30135/84-86—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

कृपया अनुसूची देखें

(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
तारीख जून, 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का  
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य जास्तिवा  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् स्थावर के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

60000 चौरस फीट के 4 बिज में किए  
हुए हिस्से का डेवलपमेंट राइट (जिसमें से 10 प्रतिशत  
विभाग गवर्नमेंट नामिनेज जो, विल्हेज एक्ससार, बोरीवली  
(प), में है और जिसका सर्वे नं० हिस्सा नं० सी० टी०  
एस० नं० निचे दिया गया है :

सर्वे नं०	हिस्सा नं०	सी० टी० एस० नं०
119	4 (ग्रंश)	103
120	2/1	896
120	2/2	898 और 900
120	2/4	901
120	2/5	902
120	7	892, 893 और 894
120	1 (ग्रंश)	628, 629 और 638
120	3	897
120	4	909, 910, 911 और 637
120	6 (ग्रंश)	895 और 894

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-4/37ईई/30135/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1987

मोहर :

प्रकृष माई. टी. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं. अई-4/37ईई/30405/84-85—अत.  
मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कन्स्ट्रक्शन के साथ जमीन का हिस्सा,  
जिसका सी० टी० एस० नं० 330, प्लॉट नं० 28, काविवली  
(पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,  
ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब बाधा नया प्रवि-  
ष्टत निम्नलिखित अनुसूची के उक्त बम्बई विधि के वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमर्स एम० जे० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एस० पैयाडे  
(मैनेजिंग डायरेक्टर—पैयाडे इन्टरनेशनल होटेल्स  
प्रा० लि० (नियोजित)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रतीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का खुला हिस्सा, जिसका प्लॉट नं० 28, जो  
कि दिल्ली रेलवे स्टेशन के नजदीक स्थित है। जो जिला  
और सब जिला, बम्बई और बम्बई उपनगर में है। जिसका  
क्षेत्रफल सिटी सर्वे के मुताबिक 724 चौरस मीटर है।  
और 102.1 चौरस मीटर रास्ता रुबी के लिए छोड़  
दिया गया है। और विलेज पाईसर की सीमा जिसका  
सर्वे नं० 88, हिस्सा नं० 1, और थोड़ी सीमा विलेज  
मालाड में जिसका सर्वे नं० 66, प्लॉट नं० 1 है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-4/37ईई/30405/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-2-1987

मोहर:



प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० अर्ह-4/37-जी/136/85-86— अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 53, 56, 57 तथा सर्वे नं० 78, जो  
कांदिवली विलेज, जिसका विस्तार 1281 चौरस याड है।

तथा इमांन के साथ बम्बई में स्थित है। (और इसमें उपा-

बद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में  
जास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) देवराज मोहन राज शहा ।

(अन्तरक)

(2) मोहन राज को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-970/75 और जो,  
उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1986 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1987

मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

माहिर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1987

निवेश सं० अई-1/37ईई/11856/85-86--अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 204, राजनीलम बिल्डिंग,  
वार्डन रोड, डॉ० राजाबासी पटेल रोड, में स्थित है।

(और इसने उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा  
269 क, ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

\* अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमर्स गालीना क्ही० अमयंकर ।

(अस्तयक)

(2) मेमर्स अशोक एम० मूखी और मूलीधर आर०  
मूखी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 204, जो राजनीलम इमारत, वार्डन रोड  
डॉ० राजाबासी पटेल रोड, बम्बई 400026 में स्थित  
है।

अनुसूचि नं० जैसा की क्र० सं० अई-1/37ईई/10471  
/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
16-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक . 4-2-1987

मोहर .

प्रकट नं० टी. एन. एच. ३३३३

(1) श्री अविनाश श्रीधर वैद्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री तूषार दीनकमलाल कोठारी ।

(अन्तर्गती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1987

निदेश सं० अई-1/37ईई/11829/85-86--अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 11 ए, अटलास अपार्टमेंट, नागयन दामोलकर रोड, बम्बई 6 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जो अटलास अपार्टमेंट फ्लेट नं० 11 ए, नागयन दामोलकर रोड, बम्बई 6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० अई-1/37-ईई/10426/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 4-2-1987

मोहर :

रूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी, 1987

निर्देश सं० अई-1/37ईई/11704/85-86— अतः .

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 53, ब्रिज कुटीर, 68ए, रंगटा लेन,  
एल० जे० जगमोहन दास मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका  
करानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के  
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जस्ट्री  
है तारीख : 2-6-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
पारस्परिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति  
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्धि के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—516GI/86

(1) इंदु कुमार एन० दोशी और श्रीमति सरोज इंदु कुमार  
दोशी।

(अन्तरक)

(2) प्रविन कुमार प्रागजीठकर और श्रीमति रसीला पी०  
ठकर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अयधिशोण में  
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
आवश्यकता शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कठिने भाषाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 53, जो 5वीं मंजिल, ब्रिज कुटीर, 68 ए, रंगटा  
लेन, एल० जे० जगमोहन दास मार्ग, नेपीयन सी० रोड, बम्बई-  
6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/10422/ 85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1986  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 4-2-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) शांताबेन कांतीलाल शंगानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) शांदा देवी गोविन्द प्रसाद सीगानीया ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1987

निर्देश सं० अई-1/37ईई/11835/85- 86--- अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 501/बी, शिमला हाउस, हैदराबाद इस्टेट, नेपीयन सी रोड, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जमका करारामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 501/बी, शिमला हाउस, हैदराबाद इस्टेट, नेपीयन सी रोड, बम्बई-400036 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/10467/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-86 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 4-2-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी, 1987

निर्देश सं० आई -1/37ईई/11827/85-86--

अतः मुझे, निसार, अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दूसरी मंजील पर फ्लैट भारत विला, नारायण दामोलकर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

16-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री प्रताप नंदलाल कोठारी और श्रीमती कुमूदी प्रताप कोठारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार एस० पासारी, श्रीमती रमेता देवी पासारी, श्रीमती अनिता देवी एस० पासारी और कुमार अभिवेक व्ही पासारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यता कृता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दूसरी मंजील पर फ्लैट, जो भारत विला, नारायण दामोलकर रोड, बम्बई-400006 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/37ईई/10464/85-86 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 4-2-1987

मोहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई-137ईई/11761/85-86— अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 23, मिरामार, नेपीयन सी  
सी० रोड, बम्बई 6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका  
कारनामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा  
269 क, ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-6-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पट्ट  
भतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अंतरिती) को बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरी ए० मंगीयानी और श्रीमती सीता से  
एन० मंगीयानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमन हिरजी मारू और डा० श्रीमती  
कस्तूर रमन मारू ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 23, जो दूसरी मंजील, मिरामार, नेपीयन  
सी रोड, बम्बई- 400026 में स्थित है ।

अनुसूचि जैसा की क्र० सं० आई-1/37-ईई/10430/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1986  
को रजिस्टर्ड किया गया गया है ।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

बम्बई

दिनांक : 4-2-1987

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री रमन लाल बाल्दे देसाई

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बलभदास जी ठक्कर और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बम्बई-1

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1987

निदेश सं० आई-1/37ईई/12207/85-86—अतः

मुझे, निम्नानुसार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लेट नं० 9बी, वैभव बिल्डिंग,

भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई 26 में स्थित है । (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिनका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है तारीख 16-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 9बी, जो नवीं मंजील, वैभव बिल्डिंग,  
भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई 400026 में स्थित है ।

अनुसूचि जैसा की क्र० सं० आई-1/37-ईई/1037  
85-86 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
16-6-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निम्नानुसार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 4-2-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री रमेश जयंती लाल पटेल और श्रीमती सरला रमेश पटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पल्लवी जेम्स (पी) लिमिटेड ।  
(अन्तरिती)(3) श्री हरेण एन० मतालीया ।  
(वह व्यक्ति जिसका अधिभाग सम्पत्ति है )आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० आई-1/37ईई/11695/85-86—अतः  
मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹. 00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 1403, सी विंग, तिरुपती अपार्टमेंट, जी० देशमुख मार्ग, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई 26 में स्थित है । (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है ) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत सं० अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिगत ।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 1403, जो सी विंग, तिरुपती अपार्टमेंट जी० देशमुख मार्ग, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है ।

अनुसूचि जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/10420/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 2-2-1987

मोहर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी/बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० आई-2बी/37ईई/34477/85-86

अतः मुझे, एम० एन० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 201, मंगल स्मृति, खार  
बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5-6-86  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गृह्य है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
नग्न निम्नलिखित से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती में) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाका बचा प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में अधिक नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाकत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) वंदना ट्रेडर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एन० लल्ला और श्रीमति ए० पी० लल्ला ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
वार्पवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
गन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 201, जो 2री मजिल, मंगल स्मृति, चित्तकार  
धुरंदर रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/ 34477/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-6-86 को  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एम० एस० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बी, बम्बई

दिनांक 2-2-1987

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री शंकर महादेव भावत ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अजीत कुमार कृष्णन गेहरा ।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, 2 फरवरी 1987

निदेश सं० आई-2बी/37ईई/34650/85-86---

अतः मुझे, एम० ए० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 402, डेक्कन अपार्टमेंट, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधिन समक्ष प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरको) और अन्तर्गति (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

प्लेट नं० 402, जो ए० विंग, चौथी मंजील, डेक्कन अपार्टमेंट, युनियन पार्क, खार, बम्बई-400052 में स्थित है ।

अनुसूचि जाँच कि क्र० सं० आई-2/37ईई/34650/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है

एम० ए० राय

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन बम्बई-2बी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 2-2-1987

मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिकी)

(अन्तरिकी)

**मोहर :**

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री खूशू बूजोर दलाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजीत के. सेथी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1987

निर्देश सं० आई-2बी/37ईई/35031/85-86—प्रतः

मुझे एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 5बी, बान्द्रा सी-हील, खार, बम्बई-52 में स्थित है) और इसे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है ।

तारीख 27-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्लेट नं० 5बी, जो पांचवीं मंजील, बान्द्रा सी-हील को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 31, युनियन पार्क, खार, बम्बई-400052, में स्थित है ।

अनुसूचि जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/35031/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एम० एस० राय  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 2-2-1987

माहुर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ---

(1) शिवप्रसाद खंगटा ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स काकड एन्टरप्रायसेस ।

(अन्तरिती)

(3) सुनिल दामानिया और श्रीशरद मारु ।

(वह व्यक्ति जिसके

अधिभोग में सम्पत्ति है )

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० आई-2बी/37ईई/34882/85-86—

अतः, मुझे, एम० एम० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भारत सदन, टागोर रोड, सान्ताक्रुज (प) बम्बई में स्थित है । (और इससे उपायद्व अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा, 269 क, ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 20-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

जमीन का हिस्सा भारत सदन प्रीमायमेन्स के साथ जो फाईनल प्लॉट नं० 6 टी० पी० एम० 4, फाईनल प्लॉट नं० 78 (पार्ट), टी० पी० एम० 3, टागोर रोड सान्ताक्रुज (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूचि जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/34882/85-86 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एम० एम० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख : 2-2-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री रमणा सीद्ध सेट्टी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सतीश मल्होत्रा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई-2बी/37ईई/35067/85-86--

अतः मुझे, एम० एम० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० शोप न० 7, सान्ताकुज रामेश्वर, सान्ताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा, 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, बिम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

शोप न० 7, जो सान्ताकुज रामेश्वर प्रीमायसेम को० श्राप० हाउ० सो० लि० एस० वी० रोड, सान्ताकुज (प), बम्बई-400054 में स्थित है ।

अनुसूचि जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/35067/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एम० एम० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 2-2-1987

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई-2बी/37ईई/34570/85-86—

अतः मुझे, एम० एम० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, 3, खिरा नगर, सान्ताकूज (प), बम्बई-54 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित) है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से जुड़े किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) नेयाज अहमद शेख और अबू सौद नेयाज अहमद शेख ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हज्जा मुमताज अली खोकर, मुमताज अली चाद महमद खोकर और उसमान गानी मुमताज अली खोकर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 2 और 3, जो पहली मंजील, इमारत नं० बी-8, खिरा नगर, एम० बी० रोड, सान्ताकूज (प), बम्बई-400054 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-2/37ईई/34570/85-86 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एम० एम० राय  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 2-2-1987  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) राजा भाटीया एन्टरप्रायसेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री हसमुख पारेख

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई :

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई-2बी/37ईई/34544/85-86—

अतः मुझे, एम० एम० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 501, वैद्य विला सान्ताकूज  
(प), बम्बई-54 में स्थित है । (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है।) और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में  
रजिस्ट्री है तारीख 6-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किसी जाना चाहे या, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितार्थ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिप्राप्तारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 501, जो पावड़ी मंजोत्र, वैद्य विला,  
ग्रीन स्ट्रीट, सान्ताकूज (प), बम्बई-400054 में स्थित  
है ।

अनुसूचि जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/34544/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
6-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एम० एम० राय  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 बी, बम्बई

दिनांक : 2-2-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० आई-2बी/37ईई/34899/85-86---

अतः मुझे, एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 6, सालमोना विला, सान्ता क्रुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपा, बख अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 20-6-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मध्यावर्क संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल की बम्बई प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फ्रान्सीस थोडीकरन वर्गीम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्यामा मयाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 6, जो तिसरी मंजील, सालमोना विला, नोर्थ एवेन्यू, सान्ताक्रुज (प), बम्बई-400054 में स्थित है ।

अनुसूचि जैसा की क्र० सं० आई-2बी/37ईई/34899/85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एम० एस० राय

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बी, बम्बई

तारीख : 2-2-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —

(1) श्रीमति राधा मूर्ति राव और श्री सी० वी० कुण्णा मूर्ति राव ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) जे० जे० सम्पत (एच० यू० एफ०) ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० अई-2बी/37ईई/34955/85-86—अतः

मुझे, एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 6, प्रेम सागर, सान्ताक्रुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है । तारीख 26-6-1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लेट नं० 6, जो प्रेम सागर, प्लॉट नं० 61-62, ग्रीन स्ट्रीट, जय सुख लाल मेहता रोड, सान्ताक्रुज (प), बम्बई-400054 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/34955/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-86 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एम० एस० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 बी, बम्बई

तारीख : 2-2-87

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई-2बी/37 ईई/34954/85-86---

अतः मुझे, एम० एम० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विनयास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिकी सं० फ्लेट नं० 7, दिव्या ज्योति, शान्ताक्रुज (प),  
बम्बई-54 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-6-1986  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विनयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उक्त करने के विधि का लिए  
विधि

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
नया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
विधि का लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को, अध्यापक  
11—516 GI86

(1) श्रीमति राधा मूर्ति राय ।

(अन्तरक)

(2) बिमल जितेन्द्र संपत ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
वाय लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

फ्लेट नं० 7, जो तल मंजिल, दिव्या ज्योति को०-आप०  
हाउसिंग सोसाइटी, जे० एम० रोड, शान्ताक्रुज (प), बम्बई-54  
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम० सं० आई-2/37ईई/34954/ 85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-86  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एम० एम० राय,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख : 2-2-1987

मोहर :

प्रकरण भाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कर्मचारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० अई-2बी/37ईई/34971/85- 86--अतः

मुझे, एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवेदन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, सुबोध गुरु, नान्ताक्रुज (प०)  
बम्बई-54 में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
279 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-  
लय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-6-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवेचन  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिणी  
(अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
आयी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य-वास्तव्यो  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति श्यामा मयाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीश चन्द्र रामदास धूता और श्रीमति भारती  
हरीश चन्द्र धूता ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 17, सुबोध गुरु को०आप० हाउसिंग  
लि०, 38, टैगोर रोड, नान्ताक्रुज (प), बम्बई-54 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/34971/  
85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
26-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख : 2-2-1987

मोहर :

प्रकट भाई.डी एन.एच.-----

(1) मेसर्स विक्रम एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एलनबारी इण्डस्ट्रियल गेसीन लि० ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निवेश सं० अई-2/37ईई/34537/85-86— अतः

मुझे, एम० एम० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 12-ए, विकास सेटर, सान्ताक्रुज (प), बम्बई-54 में स्थित है। (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1962 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 6-6-1986

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अत्यन्त प्रतिलब्ध के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अत्यन्त प्रतिलब्ध से, ऐसे अत्यन्त प्रतिलब्ध का पन्ना प्रतिलब्ध से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिलब्ध निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से अर्थात् नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की संबंध में कोई भी बाधा, —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों की सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

आफिस नं० 12-ए, जो पहली मंजिल, विकास सेटर, 104, एम० बी० रोड, सान्ताक्रुज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/34537/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एम० राय,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 2-2-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेमर्स विकास एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) मेमर्स इलेबारी इण्डस्ट्रियल गेसर लि०।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० आई-2/37ईई/34538/85-86— अतः

मुझे, एम० एम० राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आफिम नं० 12-बी, विकास सेंटर, मान्ता-  
कुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख  
6-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन का देने के अन्तरक के दायित्व  
में लगी करण या उक्त करने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए या, जिसमें से दृष्टि  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिम नं० 12-बी, जो 1वीं मजिल, विकास सेंटर,  
104 एम० बी० रोड, मान्ताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/ 34538/85-  
86— और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
6-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एम० राय,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 2-2-1987

मोहर :



प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयुक्त, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० आर 2234/86-87/अर्जन/बी--अनः

मूक्षे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3बी है तथा जो लोक बेर मेनरजो  
तीमरा पल्लोर नं० 7, गंगाधर चेट्टी सड़क, अन्नमर बंगलौर  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 24-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धृत से उक्त अन्तरण लिखित  
आस्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण न हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

तब यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभाग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. एस० आई० प्रापटी डेवलपमेंट प्राइवेट लि०  
आई प्लॉट नं० 45,० पेलम रोड, बंगलौर  
(2) आना अपार्टमेंट नं० 7, गंगाधर चेट्टी  
रोड, बंगलौर (भूमि का मालिक)

(अन्तरक)

(2) मालावार इन्डस्ट्रियल कम्पनी लि०, नं० 18,  
मर्रापुर रोड, कवेरामंगला लेआउट, बंगलौर-  
560034।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्पित के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सर्पित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची  
(दस्तावेज)

वह सब सम्पत्ति जिसका नं० 7, गंगाधर चेट्टी रोड,  
(पुराना नं० 1/ए), सीविल स्टेशन बंगलौर और उत्तर  
में गंगाधर चेट्टी रोड, दक्षिण में है नं० 28, आगा आपस  
अली रोड, पूर्व में नं० 29, आगा आवास अली जोड  
पश्चिम में जया भवन और जिसका ताप उत्तर में 237,  
दक्षिण में 153 6" पूर्व में 148' 3" पश्चिम में  
189' 3" है।

ए भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख 2-2-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, तारीख 2 फरवरी 1987

निदेश सं० आर० 2217/86-87—अन० मुखे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 25/5 है तथा जो गडहल्लि, बंगलौर नार्थ तालूक में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 2-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में तम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरीती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लक्ष्मी बाई

(2) श्री आर. प्रताप सिंह

आर० एम० एम० प्रस्टाप, मन्जुनाश नर्सरि स्कूल सैजत्र नगर, बंगलौर-560024

(3) आर० कुमार सिध

(4) मास्टर मंजीव रिप० बाई आर कुमार सिंह

(5) मास्टर लालू रिप. आय श्री आर० कुमार सिध, जन्म वीधी नियर बम स्टैन्ड, नेल्सगन्ला बंगलौर।

(अन्तरक)

(2) देवारा एच० रत्ना सुपूत श्री हस्तीमल रत्ना प्लॉट नं० 801बी, क्वीन्स कॉर्नर 3क कवीन्प रोड बंगलौर-560001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1767/87-87सा० 2-6 6 )

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 25/5, गेडहल्ली जिलेज, बंगलौर नार्थ तालूक में स्थित है।

पूर्व : कोशटगेरेझावन्न के भूमि

पश्चिम : पिल्लगाना गिडप्पा के भूमि,

उत्तर : ज्योतिनगर्द मन्जुडप्पा के भूमि और

दक्षिण : रंगप्पा के भूमि

आर. भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख 2-2-1987

मोहरः

**वस्तु बाई, टी. एच. वसु**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 269-ग की नीति मध्य

**भारत सरकार**  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निर्देश सं० आर.सो० 62/50150/86-87—अन सुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं 47/4 है तथा जो 4 कास, अवम्मा टेम्पल रोड काप, राम कृष्णापुरम सुबेदार उद्यम रोड बंगलौर में स्थिति है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-6-1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण से लिए गए तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निष्पत्ति या अन्य लाभ का जो किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किन्तु जो किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1957 के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री महेश देवाजीमल नन्धानी, नं 36, 6 फ्लोर, गिडरजंगम 80, इन्फन्टी राड, बंगलौर-56001 (अन्तरक)

(2) श्री एन श्रीनिवास, 2 एम गोपाल नं 66, 4 एन बंगला राजार्जुनगर, बंगलौर-10 (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए आवश्यक कर लगाया है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी एक व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 778/86-87 ता० 9-6-86)

यह संपत्ति है जिसका सं 47/4, नं 4/1, 4 कास, प्रन्ता देवरा रोड एकमदेगन रामकृष्णापुरम, सुबेदार उद्यम रोड, बंगलौर-9 डिविजन नं० 22 में स्थित है।

भारद्वाज  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख: 2-3-1987  
मोहर:

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर दिनांक 2 फरवरी, 1987

निर्देश सं० सी० आर० 62/50211/86-87-अन

मुझे, आर भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
धनके प्रवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 43/2, है, तथा जो साउथ एंड रोड,  
ब्रसवनगुडी, बंगलौर-560004 में स्थित है (और इसमें  
उपावृद्ध प्रनमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
12-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में संधिध के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में संधिध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री विश्वेश्वरन् सुपुत्र स्व० श्री एस० शामप्पा
- (2) श्री श्याम, सुपुत्र श्री विश्वेश्वरन् जनरल पावर  
आफ अटार्नी होल्डर  
सं० 109, विधन प्रकाश

- (3) श्री वी वी रामन्, सुपुत्र श्री एस० विश्वेश्वरन्  
जेनेरल पावर आफ अटार्नी होल्डर  
एल० ऐ० सी० कालोनी III ब्लॉक,  
जयनगर ईस्ट, बंगलौर-II (अन्तरक)

- (1) श्री टी० वी० प्रमन्न कुमार, सुपुत्र श्री तन्मय एस०  
वेकटरामय्या
- (2) मास्टर टी० पी० नागानंदन्, सुपुत्र श्री टी० वी०  
प्रमन्न कुमार
- (3) श्रीमती टी० पी० गायत्री, सपत्नी प्रमन्न कुमार  
सं० 7, जयश्री,  
3, फ्रांस शंकरपुरम  
बंगलौर-560004

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 297/86-87 ता० 12.9.1986)

निगम प्रभाग सं० 56 में सं० 43/2, साउथ एंड  
रोड, ब्रसवनगुडी, बंगलौर संख्यक पश्चिम में स्थित संपूर्ण  
सम्पत्ति के सभी अंश व भाग तथा उस पर खड़े हुए वर्तमान  
भवन जिनकी सीमाएँ इस प्रकार हैं :—

पूर्व में वेचने वालों के भाई श्री एस०  
कृष्णमूर्ति की सम्पत्ति सं 15/43

पश्चिम में सम्पत्ति सं० 43/1

उत्तर में कंसर्वेन्सी लेन और

दक्षिण में साउथ एंड रोड

मापने हुए 81/2 वर्ग काले टूटे फूटे पुराने घर सहित जो  
मिट्टी की दीवारों खपरैल की छतों, कड़पा स्लेब के फर्श  
और बिजली के संयोजनों से युक्त है। कोई कुआँ या फव्वारा  
वृक्ष नहीं है। दक्षिण की तरफ कोई आश्रय दीवार नहीं  
है। पूरब की तरफ जो कामपाऊंड है वह पड़ोसी मालिक  
श्री एस कृष्णमूर्ति का है। विक्री पत्र में केवल उत्तरी  
व पश्चिमी दीवारों समहित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख 2-1-1987

मोहर

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 8 जनवरी, 1987

निदेश सं० अर० अर० 62/50194/86-87—अतः

मुझे अर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक आयुक्त (निरीक्षण) को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 49/69 (पुराना सं० 52) काटनपेट मेई रोड, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-9-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल शिम्पलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अर्थवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पी श्रीलता रेड्डी सुपुत्री श्री अर० रघुराम रेड्डी, अपार्टमेंट सं० 729, 149-05, 79 अवेन्यू, क्यू गार्डन्स, फर्नगिंग, न्यूयार्क-11367 (अन्तरिती)

जनरल पावर आफ अटॉर्नी होल्डर,  
श्री विद्युतलता रघुराम रेड्डी सं० 59- 8 फ़ास मल्लेश्वरम, बंगलूर

(अन्तरिती)

(2) श्री के एन जयप्रकाश और श्रीमती के वी वी रत्नम्मा, सं० 199, 6 फ़ास, 1 ब्लाक, जयनगर गलौर-11

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दस्तावेज सं० 1496 ता० 5-9-86

सं० 49/69 (पुराना सं० 52) वर्तमान सं० 212 जाली सम्पत्ति जो काटनपेट मेई रोड, बंगलूर सिटी में स्थित है और जिस पर करीब 15 स्केयर भवन रिक्त स्थान करीब 83 फीट पूरब से पश्चिम और करीब 125 फीट पूरब से पश्चिम और करीब 125 फीट उत्तर से दक्षिण के क्षेत्रफल के अन्दर है।

और जिसकी सीमाएं हैं।

पूरब में	काटनपेट मेई रोड
पश्चिम में	बासोरे गुडणग गल्ली और श्री विरुपा क्षणा और पुटण्णा के घर है।
उत्तर में	श्री आदिनारायण स्वामी मन्दिर का आचरण दीवारो है।
दक्षिण में	श्री जयलक्ष्मा की सम्पत्ति

अर० भारद्वाज  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 9-1-87

मोहर :

सकम प्राधिकारी, स. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी, 1987

निदेश सं० सी० आर० 62/50122/86-87-अतः  
मुझे, आर भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है तथा जो ग्रेट रोड, बंगलूर-1 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से  
वर्जित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 13-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गता के  
बायबल में कमी करने या उससे बचने में सखिधा  
के लिए; और/या

(ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिधों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिप्ताने में सखिधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जोहुरा जवीना  
सपत्नी स्व० श्री एस एस हजरत मुत्तारी  
सं 23, कोल्स रोड, बंगलूर-560005  
(अन्तरक)

(2) श्रीमति पेसेइयान ई लूईस, सुपुत्र स्व० श्री पी  
बी लूईस और  
श्रीमती यकसूरी एम लूईस  
सपत्नी श्री पी ई लूईस  
(दोनों प्रस्तुत कुर्वत में है)

श्री आर ए डी सा,  
वकील सं 20, रेस्ट हाउस,  
क्रेसेट, बंगलूर-560001  
(वह व्यक्ति जिसके अधिकार में सम्पत्ति है)  
(अन्तरिती)

(3) श्री गुस्ती होर्मसजी  
श्रीमती येसुप्रिया

श्री इसमेईल मेठ

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकने।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं 664/8687 ता 13-6-86)

संपूर्ण परिसर जिसका वर्तमान मुनिसिपल सं० 8, ता०  
रोड, कारपोरेशन डिविजन सं 61, बंगलूर-560001  
है और जिसके धुमंजिले निवासी भवन किराये पर दिये  
गये तीन घर आदि हैं और जिसकी सीमाएं हैं।

उत्तर में स्व० श्री बी बी नारायण रेडडी  
की सम्पत्ति

पूरब में आरिफ अहमद की सम्पत्ति है।

दक्षिण में 8/1, ग्रेट रोड है और

पश्चिम में 8/1, ग्रेट रोड तथा साधारण पेसेज है

आर भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 9-1-1987

मोहर :

**प्रारूप आई.टी.एम्.एस.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

**साहाय्य अनुकर**

कार्यालय, सहाय्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी, 1987

निदेश सं सी आर 62/50192/86-87—अंतः  
मुझे आर भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 (पुराना सं० 7) है तथा जो जलीम-  
मस्जिद रोड काली मोहल्ला बंगलूर-3 में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 16-6-1986

की पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आब-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जयलक्ष्मी नारायण  
सपत्नी श्री पी एन नारायण

(अन्तरक)

श्री सुनील कुमार पी एन सुपुत्र श्री नारायण

कुमारी तारकेश्वरी पी एन

सुपुत्री श्री पी एस नारायण

श्री गौतम पी एन सुपुत्र श्री पी एन नारायण

सं 15, मस्जिद रोड, जोलीमोहल्ला,

बंगलूर-560053

(3) श्री अनवर खान, सुपुत्र श्री अब्दुल खुददास  
खान, 11, भास, जोली मोहल्ला बंगलूर-560003

(वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों के पक्ष  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

**अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 1104 ता० 16-6-1986)

सं० 15 (पुराना सं० 7) संख्यक सम्पत्ति जोली मस्जिद  
रोड, जोली मोहल्ला, बंगलूर सिटी जिसकी सीमाएं हैं।

पूर्व में • मुनिपि साब लेन

पश्चिम में • महबूब साब और इस्फाक साब के घर

उत्तर में • मोहिउद्दीन साब का घ

दक्षिण में • मस्जिद रोड

आर भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहाय्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 9-1-1987

मोहर

प्ररूप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सज्जना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक, 9 जनवरी, 1987

निर्देश सं० सी० आर० 62/50153/86-87—अतः

मन्त्रे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 54/1, 55 व 55/2 के अंश 47 कास, 8  
हलोक जयनगर है तथा जो बंगलौर में स्थित है (ग्रौर  
हससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम (1908 का 16) के अधीन ता० 6-6-86

को पूर्वावक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मयापूर्वावक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) संस्करण से पहले किसी भाषा की भावना, उसका अधिक-नियम को अधीन कर देने के संस्करण के अधिकार को कभी करने या उससे बचने से सुविधा को मिले।  
आर/५।

(ब) एसी किसी नाव या किसी धन वा वस्तु बालिशों को बिना भारतीय नावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. जिसमें वे सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सी राधा, वैश्या बैंक, अमीइपेट ।
2. श्री ए० प्रेमजा, वैश्या बैंक, एन० के० सी० बैंक, बंगलूर ।
3. श्री सी० श्रीलिंगासुलु, वैश्या बैंक, गुरुमकोडा ।
4. श्री एस० वेंकटरमण्य्या, वैश्या बैंक, बेंगलूर ।
5. श्री के० लक्ष्मीनारायणा, वैश्या बैंक, चेल्सूर ।
6. श्री बी एस० कनकरत्नाकरा, वैश्या बैंक, बंगारपेट ।
7. श्री ए० एन० श्रीधर, वैश्या बैंक, श्रीरंगनाबाद ।
8. श्री ए० नारायणराव, वैश्या बैंक, बेंगलूर ।
9. श्री बी० आर० राजीवलोचनस, वैश्या बैंक, चिकमंगलूर ।

10. श्री बी एस० मोहम्मद शफी, वैश्या बैक, गाजियाबाद ।
11. श्री बी० वी० प्रकाश, वैश्या बैक, बेंगलूर ।
12. श्री एम० शेषगिरि राव, वैश्या बैक, बेंगलूर ।
13. श्री पी० वेंकटराव, वैश्या बैक, बेल्ला ।
14. श्री एम० मुन्बेराम शेट्टी, एया बैक, बेंगलूर ।
15. श्रीमती सुब्बलक्ष्मी, मुस्लमण्यम्, वैश्या बैक  
माडवी ब्रैच, बम्बई ।
16. श्री पी० श्रीनिवास रेड्डी, वैश्या बैक, गजुवाका,  
विशाखापटनम ।
17. श्री एम० रमय्या, वैश्या बैक, मंसूर ।
18. श्री पी० वी० पुट्टराज गुप्ता, वैश्या बैक, छल्लकेरे ।
19. श्री जी० नरेश कुकार, वैश्या बैक, भ्रमीरपेट ।
20. श्री सय्यद शफीर हुसैन, वैश्या बैक, बेंगलूर ।
21. श्री नूजुंड शेट्टी, वैश्या बैक, वी० वी० पुरम, बेंगलूर ।
22. श्री सी० जी० जयंत ।
23. श्री एम० एम० आर० आंजनेयुल, वैश्या बैक, ए०  
ओ०, बंगलूर ।
24. श्री टी० एन० सत्यनारायणा, वैश्या बैक, चिकमंगलूर ।
25. श्री पी० लक्ष्मीनारायणा, शेट्टी, वैश्या बैक, डी०  
ओ०, बंगलूर ।
26. श्री टी० एस० अमृतवल्ली, वैश्या बैक, के० बी०  
रोड, बेंगलूर ।
27. श्री सतीश जी० गोसवी, वैश्या बैक, ए० ओ०,  
बेंगलूर ।
28. श्री टी एम० अभूतवल्ली, वैश्या बैक बेंगलूर ।
29. श्री ए० वी० सुब्रमण्यम, वैश्या बैक, ऐईजा ।
30. श्री सी० आर० वेंकटरामन, वैश्या बैक, विर्जापुर ।
31. श्री एम० गोपाल, वैश्या बैक, मेहबूबनगर ।
32. श्री बी आर० संजीवमूर्ति, वैश्या बैक, पी एंड  
एस, बेंगलूर ।
33. श्री सी० पददनाभा, वैश्या बैक, बागलकोट ।
34. श्री के० वी रमेश, वैश्या बैक, ए० ओ०, बेंगलूर ।
35. श्री के० मुरली मोहन वर्मा, सैदापुर ।
36. श्री सी० एस० विजय कुमार, वैश्या बैक, नागवल्ली ।
37. श्री एन० एन० जोशी, वैश्या बैक, गदग ।
38. श्री एम० पदमनाभन्, वैश्या बैक, तिरुपती ।
39. श्री टी० वी० एन० एम० भाईनाथ, वैश्या बैक  
डी० ओ०, गुंटूर ।
40. श्री वत्ताप्पैया, वैश्या बैक, वागलकोट ।
41. श्री बी० बी० एन० सुरेश बाबू, वैश्या बैक,  
पालकौल ।
42. श्रीमति के० एन० राजम्मा, वैश्या बैक, सदाशिवनगर,  
बेंगलूर ।
43. श्री एल० राघवन्, वैश्या बैक, ए० ओ०, बेंगलूर ।
44. श्री वें० सदगुरुमूर्ति, वैश्या बैक, बक्रापेट ।
45. श्री एस० रविकुमार, वैश्या बैक, ए० ओ०, बेंगलूर ।
46. श्री एम० गोपालकृष्णा, वैश्या बैक, मरंगौडनहल्ली ।
47. श्री एन० बी० श्रीनिवासयय, शेट्टी, वैश्या बैक गदग



48. श्री के० ए० प्रभाकर, वैश्या बैंक, ए० ओ० बेंगलूर।
49. श्री ए० जनाधन राव, वैश्या बैंक, रोपिचरला।
50. श्री के० एस० कुलकर्णी, वैश्या बैंक, बगदल।
51. श्री जे० श्याम सुन्दर, वैश्या बैंक, दावणगेरे।
52. श्री जी० एन० चक्रवर्ती, वैश्या बैंक, अदोनी।
53. श्री सी० एस० प्रभाकर, वैश्या बैंक, चिकमंगलूर।
54. श्री बी० के० श्यामला, वैश्या बैंक, ए० ओ० बेंगलूर।
55. श्री सयद रियाज अहमद, वैश्या बैंक, अदूर।
56. श्री एस० वी० एस० नागेश्वर राव, वैश्या बैंक, सिकन्द्राबाद।
57. श्री एम० रामाकृष्णा, वैश्या बैंक, रघुनाथपल्ली।
58. श्री एस० आर० चन्द्रशेखर, वैश्या बैंक, ए० ओ० बेंगलूर।
59. श्री एम० चन्द्रशेखर राव, वैश्या बैंक, खंडवल्ली।
60. श्री राजेश्वरी प्रसाद, वैश्या बैंक, मद्रास।
61. दी वैश्या बैंक लिमिटेड, श्री पी० वी सत्यनारायण मीनियर जनरल मैनेजर, सं० 489, अवेन्यू रोड, बेंगलूर से प्रतिनिधित। (अन्तरकः)
1. श्री विमल भट्टाचार्य  
सुपुत्र नेट श्री हरिचरन भट्टाचार्य,
2. श्रीमती हरिकीर्ति सिंघ,  
पुत्री श्री विमल भट्टाचार्य और  
पत्नी श्री अरुन सिंघ
3. श्री सुजित भट्टाचार्य,  
पुत्र श्री विमल भट्टाचार्य,
4. श्रीमती शर्मिला भट्टाचार्य,  
पुत्री श्री विमल भट्टाचार्य
5. श्रीमती लक्ष्मी भट्टाचार्य,  
पत्नी श्री विमल भट्टाचार्य
6. अरुन सिंघ,  
श्री सुब्बन सिंघ  
1, 3, 4, और 5 नं० 190, गांधी नगर, बेंगलूर-560004  
2, 5 नं० 65 रिजर्वियर स्ट्रीट, अश्वनगुडि बेंगलूर-560004
7. श्री के० टी० जार्ज,  
पुत्र श्री के० टी० थामस,  
34, विल्लिंगटन स्ट्रीट, रियमन्ड टौन, बेंगलूर
8. श्रीमती उमाशंकर,  
पत्नी श्री एन० शंकर, 2574, 17-वीं क्रॉस  
7'ए' मैन रोड, बनरानकस् स्ट्रेज,  
बेंगलूर-560070
9. डा० पलनिस्वामी,  
नं० 1 क्लार्कस्पेट 'सी'  
बेंगलूर-560001

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निहित हो किन्हीं या वक्तों।

लक्ष्योक्तः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 495/86-87 ता० 6-6-86)

बेंगलूर मुनिसिपल कारपोरेशन के डिविजन सं० (पुराना सं० 34) नया सं० 59, में 47 क्रॉस, 8 ब्लॉक जयनगर, बेंगलूर, पर मुनिसिपल सं० 54/1 व 55 और 55/2 और 54/2 के अंश युक्त 23644 वर्ग फीट तापने वाली रिक्त भूमि जो पूरब में (111—85), पश्चिम में (134—51), उत्तर में (92.3—40.40) और दक्षिण में (149—40) तापती है जिस पर बेंगलूर नगर निगम के कमीशनर ने एल० पी० सं० 1871/84-85, दिनांक 27-2-1986 द्वारा निर्माणार्थ लाईसेन्स प्रदान किया है और जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं।

पूरब में : श्री सच्चिदानन्द दास के नाम रही सम्पत्ति है।

पश्चिम में : साईट सं० 54 व 54/2 के अंश तथा साईट सं० 53 (उत्तरी छोर पर केवल 60 से भी)

उत्तर में : 92.3 तक ही साईट सं० 55 का भाग तथा कारपोरेशन साईट सं० 53 का केवल 40, जो श्रीमती विजय लक्ष्मी जोइस का है और कारपोरेशन साईट सं० 53, 54, 54/1, 54/2, 55, 55/1 व 55/2 के मालिकों व उपयोग करने वालों के मुक्त उपयोग के लिए 40 चौड़ा खामगी रास्ता।

दक्षिण में : सं० 1 से 4 तक बेचने वालों की भूमि जो साईट सं० 55/2 व 54/2 के अंश है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख : 9-1-1987  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 19 जनवरी, 1987

निदेश सं० सी० आर० बी/50172/86-87—अतः मुझे  
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
लक्षण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 217, अससमेंट्स नं० 376,  
विजिनपुरा गांव दूरवानि नगर बेंगलूर दक्षिण तालूक बेंगलूर,  
में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 31-7-1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
सन्तुष्ट प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से अभिलेखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम की धारा 269-घ के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स यूनाइटेड बिज्नेस कमनि  
श्री डेविस पाटील, पी वी वर्गिन, बेबी चकोला,  
चकोला धर, मरुमुर चहलकोडि डिस्ट्रिक्ट, ट्रिचूर  
केरला, 1 और 2, पीकट्टु घर, इरन्जालकुडा,  
ट्रिचूर डिस्ट्रिक्ट केरला

(अन्तरक)

(2) मेसर्स राम्के एस्टाब्लिशमेंट्स (रजिस्टर्ड)  
एम के० अब्दुल्ला, यूसुफ आली एम ए,  
असीफ एम ए, मैनेजर रानवाज एम ए रित  
वाय गाजियन एम० के० अब्दुल्ला कृष्णराजपुरम,  
बेंगलूर-80,

(अन्तरिती)

की यह सूचना पायी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की बर्तन की लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2286 ता० 31-7-86)  
जो सम्पत्ति है जिसका खाता नं० 217, और  
अससमेंट्स नं० 376, विजिनपुरा गांव, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 19-1-1987

मोहर:

प्रथम भाग टी. एन. एस. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 जनवरी 1987

निर्देश सं० सी आर 62/501/86-87—अतः

मुझे, आर० भारद्वाज

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नथ नं० 61/A 461/1 है तथा जो रामरोयन्नार रोड, वि वि पुरम, बेंगलूर 560038 है (और इससे उपाबद्ध उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1808 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का वस्तु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 2--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त सूचना में सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकान्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रियान्वे में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथाविष्ट है—

(1) 1 श्री के० रत्नम, (2) के० बालकृष्ण सुपुत्र टी कुप्पाराम  
नं० 35, मिल रोड, काटनेपेट बेंगलूर-560002  
(अन्तरक)

(2) 1 श्री के० एन० जयप्रकाश, (2) श्रीमती के० जे०  
पदमजा नं० 64, मिडल स्कूल रोड, वि० वि० पुरम,  
बेंगलूर-4,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मांग 2--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

ऐसी इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितवर्ध किन्हीं अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के वास्तविक में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 773 तारीख 16-6-86)

जो सम्पत्ति है जिसका सं० 233 और 234, नया नं० 61/ए और 61/1 रामरोयन्नार रोड, विश्वेश्वरपुरम, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 16-1-1987  
मोहर :

प्रकृष्ट वाई.डी.एम.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 जनवरी 1987

निर्देश सं० सी० आर० 62/50123/86-87—अतः

मुझे, आर० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 604 है तथा जो राचराहाल II स्टेज,  
बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 13-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान  
प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रहिमुद्दीन अहमद, नं० 604, XII मेन,  
एच० ए० एल० II स्टेज, बेंगलूर-560038  
(अन्तरक)

(2) श्री आर० रामचन्द्रन, पि० रा० होल्डर, एम  
सेकर नं० 1075/एफ० एच० ए० एल० II  
स्टेज इन्दिरा नगर, बेंगलूर-560038  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
युक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दस्तावेज नं० 668 तारीख 13-6-86

जो सम्पत्ति है जिसकी सं० 604, एच० ए० एल०  
II स्टेज, बेंगलूर में कारपोरेशन डिविजन नं० 67 में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 16-1-1987  
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 जनवरी 1987

निर्देश सं० सी० आर० 62/1684/ए० सी० न्यू०/बी-

अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 23, है तथा जो कुमारपटनम  
पोस्ट, कोडीयाल ग्राम पंचायत है में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-6-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स रमेश्वर कन्स्ट्रक्शन कम्पनी और  
मेसर्स सुरेश मालवानी एण्ड कम्पनी  
कुमारपटनम-581123

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एगो एनपुट्स लिमिटेड,  
सं. 87, 3 मेहन रोड, न्यू तरगपेट बेंगलूर-  
560002

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 344 ता० 16-6-1986)

धारवांड जिले के राणेबेन्नूर तालुक के कवलेट्टूर ग्राम  
में सर्वे सं. 23 वाली यह संपत्ति एक पुराना कारखाना  
भवन तथा कतिपय छोटे/छोटे भवन तथा हगिहूर टाउन  
से 5 किलोमीटर दूरी पर पी० बी० रोड के बाजू की भूमि  
पर स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 7-1-1987

मोहर :

प्रकरण आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 जनवरी, 1987

निदेश सं० सी आर 62/50140/86-87—अत

मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 565/4 है तथा जो एच० ए० एल० II स्टेज बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन तारीख 27-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरदर) और गतिशील (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में उक्त विवरण में अधिनियम नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्निरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) वि० सुधा मलया, 312, I स्टेज, इन्दिरानगर, बेंगलूर-560038

(अन्तरक)

(2) श्री जोगन्नाटा घोष, प्लॉट नं० 3, एस डब्ल्यू 119, मदन श्रवण कलकत्ता-700029, प्रेजेंटली अट 565/4, एच ए० एल II स्टेज बेंगलूर-560038

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे ?—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी व पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 805 ता० 27-6-86)

सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 565/4 पुराना नं० 565/2 एच० एल II स्टेज कारपोरेशन डिविजन नं० 67, (पुराना डिविजन नं० 51), बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बेंगलूर

तारीख 15-1-1987

मोहर

प्रकरण बाई. टी. एन. एस. १९८७

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जनवरी, 1987

निर्देश सं० सी० आर० 62/50144/86-87—अतः मुझे,  
आर० भारद्वाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 90 है तथा जो II क्रॉस विक्टोरिया रोड  
एक्सटेन्शन विक्टोरिया और बेंगलूर-560047 है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 25-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक में हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; बाई/बा

(ख) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
वार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवर्णन  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती आर० कौशल्या बाई  
जी आर० गणेश  
नागमनी 90, II क्रॉस (नयी नं० 15, 4 क्रॉस)  
विक्टोरिया लेआउट, बेंगलूर-560004

(अन्तरक)

(2) श्री राम सयद अहमद हुसैन  
सैयद इकबाल सैम हुसैन I, पलोर नं० 90, II क्रॉस  
(नयी नं० 15, 4 क्रॉस) विक्टोरिया लेआउट  
बेंगलूर-560047

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 953 ता० 25-6-86

सब कम्पनी है जिसका सं० 90 II क्रॉस (नयी नं०  
15, 4 क्रॉस) विक्टोरिया रोड, एक्सटेन्शन विक्टोरिया लेआउट  
बेंगलूर, 560047 में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख: 15-1-1987  
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० आर० बी० 50143/86-87—अतः

मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 780 है तथा जो एच० ए० एल० IIस्टेज इन्दिरा नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-7-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी. राधाकृष्णन नं० 1807, प्रकाशनगर, IVस्टेज बेंगलूर-560021 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० पद्मिनी मेनन, नं० 347, एच० ए० एल० IIIस्टेज इन्दिरा नगर, बेंगलूर-560038 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 898 ता० 6-7-86)

सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 780, एच० ए० एल० IIस्टेज, इन्दिरा नगर, बेंगलूर-560038 67वीं डिविजन, बेंगलूर सिटी कारपोरेशन

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बेंगलूर

तारीख 15-1-1987

मोहुर :



प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० आर० बी० 2/50134/86-87--अतः

मुख्य, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो II स्टेज, वेस्ट ग्राफ कार्ड रोड बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री बी० वेंकटाद्री गेट्टि, नं० 5, वेस्ट ग्राफ कार्ड रोड, II स्टेज बंगलूर-560086।

(अन्तरिती)

(2) मेमर्स श्री अमर इन्वेस्टमेंट्स

(1) जी० के० राजगोपाल मेह्ता, 41/42, ज्यूलर्स स्ट्रीट, बंगलूर-560001।

(2) बि मितवचन नं० 2954, II स्टेज राजाजी नगर बंगलूर-560010।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और एरों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 884 ता 16-6-86)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 5, II स्टेज वेस्ट ग्राफ कार्ड रोड, डिविजन नं० 8 (डब्ल्यू सी) बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 15-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० आर० 62/5038/86-87—अतः

मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 849 है, तथा जो एच० ए० एल०

II स्टेज इन्दिरा नगर बंगलूर-560038 में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और

पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधिन दिनांक 18-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अरुण यादव नं० 173, स्पेन्सर रोड  
भास, क्लीकलाण्ड टौन, बंगलूर-560005।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दिरा सोमिया, री प्रजेन्ट बाई हर  
पि० रम० होल्डर राम जि नन्जप्पा, नं० 885,  
11टीएच मैन, 3 क्राम इन्दिरानगर, बंगलूर-  
5600038।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 713/86-87 दिनांक 18-6-1986  
सब सम्पत्ती है जिसकी सं० 849, एच० ए० एल०  
2 स्टेज, इन्दिरानगर, बंगलूर-560038।

आर० भारद्वाज  
समक्ष प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 15-1-1987  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जनवरी, 1987

निदेश सं० सी० आर० 62/50132/86-87---

अतः मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 91 है, तथा जो खाता नं० 100 90 अरकेरे गांव, बेमूर होब्ली, बंगलूर दक्षिण में स्थित है (तालुक बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-6-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसमें कटने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा द्रष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स राजेन्द्रा पाली पैकेजिंग इन्डस्ट्रीज रिप्रेजेंट बाई मैनिजिंग पार्टनर जि० शान्ताराम कामत नं० 179, 15वां मैन, 35वां भास, चौथा 'टी' ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर-560011 ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नमस्ते लेबर गारमेंट्स (पी) लिमिटेड, नं० 21/2, विठ्ठल नगर, चामराजपेट, बंगलूर-शशि । 560018, रिप्रेजेंट बाई डायरेक्टर के० सयाशिव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1323 86-87 दिनांक 13-4-1986) कैगारिका शम्मी और कैगारिका रोड़, सर्वे नं० 91-ए खाता नं० 100 90, अरकेरे गांव, बन्नरघटा रोड़, बेमूर होब्ली बंगलूर दक्षिण भालूक, बंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 15-1-1987

मोहर :

अध्यक्ष का.प्र.सं. 1/87

1. श्रीमती बानो ए. ताम्बा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'आय अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग (1) के अन्तर्गत

2. एम्पटर पोस मो. शायर शारिक

(अन्तर्गति)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन क्षेत्र), लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 मार्च 1987

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए प्रासंगिकता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

जी. आई. आर. संख्या 5-414/एजीजी—यतः मुझे, श्रीमती सरोजनी लाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'आय अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 29/27 है तथा जो भूमि मय बिल्डिंग 4 राना प्रताप मार्ग लखनऊ में स्थित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चुका है, उन्तरण के लिए;

## अनुसूची

भूमि मय बिल्डिंग नं. 29/27, स्थित 4 राना प्रताप मार्ग लखनऊ पैमाईसी 1115 24 वर्गमीटर। जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 13-6-1986 को किया जा चुका है। (जैसा फार्म 37-जी व सेलडोड में वर्णित है)

श्रीमती सरोजनी लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-3-1987

गोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री टी० एम० दिवाकरन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमति प्रभा यमोद ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० अघा० आ० (निरीक्षण)---अतः मुझे, ए० आर०  
रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 210/2ए 1ए4 (पार्ट) 140  
है, जो तिरुवनपुर, मद्रास में स्थित है (इसमें उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, मद्रास साऊथ---दस सं० 1813 10 से  
1816 86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

14—516GL/86

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि---आर० एस० सं० 210/2ए / 1ए4 (पार्ट) 140,  
तिरुव नमियुर, गांव, मद्रास ।

(मद्रास सीट---दस सं० 1813 से 1816/86)

ए० आर० रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास-16

तारीख : 2-2-1987

मोहर :

MIN. OF PERL. & TRAINING, ADMINISTRATIVE  
REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION  
(DEPTT. OF PERSONNEL & TRAINING)  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 4th March 1987

No. A-20023/1/81-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri I. D. Vaid presently working as Public Prosecutor (Group 'B' Gazetted) in C.B.I. on deputation basis, on permanent 'transfer' basis, w.e.f. 15-9-1986.

D. P. BHALLA  
Administrative Officer (E)  
CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110 003, the 3rd March 1987

D.I-33/83-Estt.I.—Shri A. K. Beheln, Dy. S. P. who was on deputation with Ministry of Commerce and Supply w.e.f. 07-2-1985 A.N., on repatriation took over his charge in 70 Bn. CRPF on promotion as Assistant Commandant w.e.f. 10-1-1987.

CORRIGENDUM

The 4th March 1987

No. O.II-1538/81-Estt.—The word 'AN' appearing in the 2nd line of this Directorate General Notification of even number dated 24-2-87 relating to death of Shri Daya Nand, Dy. Sp. 40th Bn. CRPF may be substituted as 'FN'.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI  
Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 26th February 1987

No. E-32015(4)/1/87-Pers.I/21.—President is pleased to appoint the following Inspectors (Exe.), on promotion as Assistant Commandant in CISF with effect from the date mentioned against each on purely ad-hoc basis and temporary up to 18th August 1987 or till such time regular appointments are made whichever is earlier :—

Sl. No.	Name of officer	date of assumption of charge as Asstt. Comdt. (Ad hoc)	CISF Unit/Office
	S/Shri		
1.	M. Mujibullah	9-2-87 (AN)	OIL Dulaijan
2.	V.C.S. Rao	29-1-87 (FN)	BRPL Bongai-gaon
3.	S.K. Bose	11-2-87 (AN)	BCCL Jharla

Sd./- ILLEGIBLE  
DIRECTOR GENERAL/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110 011, the 3rd March 1987

No. 10/10/86-Ad.I.—In pursuance of the Ministry of Planning, Department of Statistics Notification No. A.11024/4/86-ISS(I) dated 8-5-1986 and in supersession of this office Notification Nos. 25/16/74-RG(Ad.I) dated 2-5-74 and 10/23/77-Ad.I dated 21-5-79, wherein S/Shri Y. S. Rao, R. L. Gupta and B. N. Andley have been promoted to Grade IV of I.S.S., the President is pleased to appoint them as Research Officers in the Office of the Registrar General, India on promotion basis with effect from the dates shown against their names :—

Sl. No.	Name of the Research Officer	Date of promotion
1.	Y.S. Rao	26-4-1974
2.	R. L. Gupta	7-5-1979
3.	B.N. Andley	7-5-1979

The headquarters of S/Shri Rao, Gupta and Andley is deemed to be at New Delhi.

V. S. VERMA  
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DEPUTY DIRECTOR OF ACCOUNTS  
(POSTAL)

Kapurthala, the 3rd March 1987

NOTICE

No. Admn./A VI/Discp/Rajinder Singh/1548.—Shri Rajinder Singh son of Shri Jit Singh while working as daftry in this office remained on unauthorised absence since 26-12-1985 and failed to receive any of the official communications sent to him at his last available address. After following the necessary disciplinary proceedings under the departmental rules as contained in the C.C.S. (CCA) Rules, 1965, Shri Rajinder Singh Daftry has been finally removed from service w.e.f. 11-2-1987 F.N. and the order of his removal from service was sent to him at his last available address with the office. As the registered cover containing the above order of removal of the said official from service sent to him at his available address has also been received back undelivered, it is hereby notified that Shri Rajinder Singh Daftry son of Shri Jit Singh stands removed from service w.e.f. 11-2-1987 (F.N.).

R. P. SEHGAL  
Asstt. Chief Accounts Officer (Postal)  
Kapurthala

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E).

KERALA

Trivendrum, the 16th February 1987

No. A&E/OE(E&C)/IV/10-3/85-86.—The following Official of his office retired on superannuation from the afternoon of 30-11-1986.

Shri T. Velappan Nair, Accounts Officer.

Sd./- ILLEGIBLE  
Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) : I  
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 27th February 1987

No. Admn.XI/Gr.II/329/614.—In terms of Rule-48-A of C.C.S. (Pension) Rules, 1972 The Accountant General

(Audit) : I, Madhya Pradesh is pleased to permit Shri Mohan Das, Asstt. Audit Officer (02/1567) of this office to retire voluntarily from Central Government service with effect from 31-3-1987 afternoon.

[Authority : Orders of A.G. (Audit) : I dated 20-2-1987.]

R. C. GUPTA  
Dy. Accountant General/(Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I,  
WEST BENGAL

Calcutta-700 001, the 23rd February 1987

No. Admn.I/Promotion-93/AC/3301.—The Accountant General (Audit)-I, West Bengal has been pleased to appoint Shri Satyendra Nath Banerjee, Assistant Audit Officer to officiate as Audit Officer in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 23rd February, 1987 in the Office of the A.G. (Audit)-I, West Bengal and A.G. (Audit)-II, West Bengal, Calcutta until further orders.

The promotion is subject to the final outcome of the Writ Petition now pending before the hon'ble Central Administrative Tribunal, Calcutta.

The newly promoted Audit Officer will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of G.I.M.H.A.-O.M. dated 26-9-1981 for either to fix his pay under F.R. 22(a)(i) on the date of promotion and then under F.R. 22-C from the date of next increment in the lower grade or under F.R. 22-C from the date of promotion straightway.

The 25th February 1987

No. Admn.I/Promotion-93/AAO/3331.—The Accountant General (Audit)-I West Bengal, has been pleased to appoint :  
Sd/Shri

1. Satyabrata Basak, S.O. (Audit).
2. Ranendra Nath Samanta, S.O. (Audit).

to officiate as Assistant Audit Officers (Group 'B' Gazetted posts in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/-) in a temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 24th February, 1987.

The promotion is subject to the final outcome of the Writ Petition now pending before the Hon'ble Central Administrative Tribunal, Calcutta.

The newly promoted Assistant Audit Officers will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of the G.I. M.H.A. OM dated 26-9-1981 for either to fix his pay under FR 22(a)(i) on the date of promotion and then under FR 22-C from the date of next increment in the lower grade or under FR 22-C on the date of promotion straightway.

Sd/- ILLEGIBLE  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 4th March 1987

No. AN-I/1679/5/I.—Shri S. Venkatasubramanian, IDAS has attained the age of 58 years on 28-01-87 (his date of birth being 29-01-29) has been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 31-01-1987 and has been accordingly transferred to the

Pension Establishment with effect from the forenoon of 01-02-1987.

D. K. CHET SINGH  
Addl. Controller Genl. of Defence Accounts  
(Administration)

MINISTRY OF DEFENCE  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-1, the 27th February 1987

No. 4/A/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri T. A. V. R. Nambisan, Works Manager (Subst. Foreman) retired from Service w.e.f. 31-1-87 (AN). Accordingly his name has been struck off from the strength of IOFS w.e.f. 1-2-87 (FN).

M. A. ALAHAN  
Jt Director  
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 5th March 1987

(IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL)  
(ESTABLISHMENT)

No. 6,968/72-Admn(G)/939.—The President is pleased to appoint Shri M. M. Rehani, Assistant Chief Controller of Imports and Exports (Grade III of Central Trade Service) in the Imports and Exports Trade Control Organisation to Grade II of Central Trade Service (Deputy Chief Controller of Imports and Exports) with effect from the afternoon of 6-11-86 until further orders.

No. 6/975/72-Admn(G)/945.—The President is pleased to appoint Shri A. G. V. Subbu, Assistant Chief Controller of Imports and Exports (Grade III of Central Trade Service) in the Imports and Exports Trade Control Organisation to Grade II of Central Trade Service (Deputy Chief Controller of Imports and Exports) with effect from the afternoon of 6-11-86 and until further orders.

SHANKAR CHAND  
Dy. Chief Controller of Imports & Exports  
for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF TEXTILE  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
(HANDICRAFTS)

New Delhi, the 27th February 1987

No. 1/9/85-Admn.I.—Shri S. S. Sharma, a permanent Assistant Development Officer (Wool) and presently officiating as Deputy Director (Carpet) on ad hoc basis in this office is appointed to officiate as Deputy Director (Carpet) in a regular capacity in the pay scale of Rs. 1100-50-1600 with effect from the forenoon of 18-2-87 and until further orders.

2. He will continue to draw pay already being drawn by him as Deputy Director (Carpet) in the said scale of pay.

P. K. DATTA  
Development Commissioner (Handicrafts)

## MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 3rd March 1987

No 12(24)/61-Admn (G) — On attaining the age of superannuation Shri M Shahul Hameed, Director (Grade II) (General Administrative Division) Small Industries Service Institute, Cuttack retired from Govt service with effect from the afternoon of 31-1-1987

No A-19018(493)/80-Admn (G) — The President is pleased to appoint Shri Sukhpal Swami, Asstt Director (Grade II) (Chemical) Small Industries Service Institute, Jaipur as Assistant Director (Grade I) (Chemical) at Small Industries Service Institute Goa with effect from the afternoon of 1-1-87 until further orders

No A-19018(792) 85-Admn (G) — The President is pleased to appoint Shri Sita Ram Aggarwal as Asstt Director (Grade I) (Mechanical) at Extension Centre, Jhansuguda under Small Industries Service Institute, Cuttack with effect from the forenoon of 5-1-87 until further orders

C C ROY  
Dy Director (Admn)

## MINISTRY OF STEEL &amp; MINES

## (DEPARTMENT OF STEEL)

## IRON &amp; STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 3rd March 1987

## CORRIGENDUM

"No EI-2(1)/85 ( ) — The name appearing in 2nd line of the Gazette Notification No EI-2(1)/85 should be read as Shri Sushil Kumar Dey in lieu of Shri Sushil Kumar Dev"

S K SINHA  
Dy Iron & Steel Controller

## (DEPARTMENT OF MINES)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16 the 26th February 1987

No 1287B/A-19012(4-SS), 86-19B — Shri Sammita Singh, Sr Tech Asstt (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the GSI by the Director General GSI on pay according to rules in the scale of Rs 650 30-740-35-810-EB-35-880 40-1000 FB-40-1200,- (old scale) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-12-1986, until further orders

No 1309B/A 32013(1 SAO)/82-19A — The President is pleased to appoint the following Administrative Officer, Geological Survey of India, as Sr Adm Officer on pay according to rules in the scale of pay of Rs 1100-50 1600/- in the same Department in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against each, until further orders —

- 1 Shri M C N Menon—2-1-1987 (FN)
- 2 Shri S C Balmiki—6-1-1987 (FN)
- 3 Shri S P Mallick—31-12-86 (FN)

The 27th February 1987

No 1355B/A-19011(1-PSG), 86 19A — The President is pleased to appoint Shri Parvinder Singh Gill Asstt Geophysicist, GSI to the post of Geologist (Jr) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs 700-40-900 EB-40-1100-50-1300 - in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 22-12-1986 until further orders

No 1370B/A-32013(2-GS) 83 19B — The President is pleased to appoint the following Geophysicists (Jr) GSI, on

promotion to the post of Geophysicists (Sr) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs 1100 50 1600 - in officiating capacities with effect from the dates mentioned against each until further orders —

- 1 Shri N C Murali wef 10-9-86 (F/N)
- 2 Shri R Vaidyanathan wef 10-9-86 (F/N)

No 1384B/A 32013[2 GJ(I)]/82/19B — The President is pleased to appoint Smt Nila Sarkar Asstt Geophysicist (Insttn) GSI on promotion to the post of Geophys (Jr) (Insttn) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs 700 40 900 EB 40 1100-50 1300,- in an officiating capacity wef the F.N of 29-12-86, until further orders

No 1121N/A-19011(1 AO), 86-19A — The President is pleased to appoint Shri A Omkumar to the post of Geologist (Jr) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs 700 40-900 EB-40 1100 50-1300 - in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8-1-87, until further orders

The 2nd March 1987

No 1137N/A-19011(2 DS), 86-19B — The President is pleased to appoint Shri Sunchu Dayanand to the post of Geophysicist (Jr) (Insttn) in the GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs 700-40-900-EB-40-1000-50-1300/- in an officiating capacity wef 30-12-86 (F/N), until further orders

The 3rd March 1987

No 1171N/A-19012(2-JK), 85 19B — Shri Jai Kamal is appointed by the Director General Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs 650 30-740-35 810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17-11-86, until further orders

A KUSHARI  
Director (Personnel)

Calcutta-16, the 26th February 1987

No 1298B/A-19011(1 DNS), 86-19A — Shri D N Sethi, Director (Geology) Geological Survey of India relinquished charge of the post of Director (Geology) in the GSI on the afternoon of 22nd October, 1986 for joining the post of Scientist Engineer SF in the scale of pay of Rs 1800 2250/- in the Department of Space, Government of India on deputation for a period of one year initially on the normal terms and conditions of deputation

N K MUKHERJEE  
Sr Dy Director General (Operation)

## MINISTRY OF SCIENCE &amp; TECHNOLOGY

## INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 5th March 1987

No A 32013(ADGM) 3/86 F I — The President has been pleased to appoint Dr N Sen Roy Deputy Director General of Meteorology to officiate as Additional Director General of Meteorology in India Meteorological Department with effect from 6-2-1987 and until further orders

S D S ABBI  
Dy Director General of Meteorology  
(Administration & Stores)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES  
PH(CDL) SECTION

New Delhi 110011, the 24th February 1987

No A 32013 1/81 NMFP/Admn I/PH(CDI) — On attaining the age of superannuation Dr Manoranjan Das, Deputy Director (Entomology) in the National Malaria Eradication



Programme, Delhi, under this Directorate retired from Government Service on the afternoon of 30th January, 1987.

Smt. JESSIE FRANCIS  
Dy. Director Administration (PH)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS  
MONITORING ORGANISATION

New Delhi-62, the 29th December 1986

No. A-12019, 1/85-Adm.—Sanction of Wireless Advice to the Govt of India, Ministry of Communications is hereby accorded for the extension of deputation period in respect of Sh. Devi Lal, a Senior Hindi Translator, borne on the cadre of the Ministry of Communications, who is on deputation as Hindi Officer (Gazetted Group 'B') in the Monitoring Organisation, Ministry of Communications, beyond the 28th November, 1986, and until further orders on the same terms and conditions mentioned in this office notification of even number dated the 10th December, 1985.

R. N. AGARWAL  
Dy. Director (Sat.)  
for Wireless Advice

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES  
(DEPARTMENT OF FOOD)  
DIRECTORATE OF SUGAR

New Delhi, the March 1987

No. A-20012, 132/70 'Estt. Vol. II.—On attaining the age of superannuation, Shri V. N. Dogta, Section Officer (Accounts & Statistics) in the Directorate of Sugar, Department of Food, retired on superannuation from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1987.

V. LAKSHMI RATAN  
Jt. Secy. (Sugar)

MINISTRY OF AGRICULTURE  
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPN.)  
DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 26th February 1987

No. F.2-2/87-Estt.(1).—On the recommendation of Departmental Promotion Committee Group 'B' of the Directorate of Extension, Shri S. L. Dhir, a permanent Superintendent (Grade I) is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer, Group 'B' (Gazetted), in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 with effect from afternoon of 20-2-1987 for a period of six months or until further orders, whichever is earlier.

R. G. BANERJEE  
Director of Administration

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-8, the 22nd December 1986

ORDER

No. 4-21/85-Vjg.—WHEREAS Sh. Mohinder Singh S/o Shri Lal Chand, Mate on driving duty was issued a charge-sheet under Rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1965 vide this office memo of even no. dt. 17-1-86 on the following charge :—

"That the said Shri Mohinder Singh, Mate was deployed on van driving duty on Van No. 94 on 8-7-1985 for distribution of milk on route No. 50(M). It is alleged that whereas Shri Mohinder Singh, Mate, on driving duty, collected 240 crates containing milk filled bottles of half liter capacity for

distribution but at the time of returning empties deposited only 236 crates with empty milk bottles in the Central Dairy on the aforesaid day. It is also alleged that he tampered with the figures in respect of number of crates as indicated on the Route Schedule. He is thus charged with Short deposit of 4 crates with 80 filled milk bottles thereby manifestly displaying dereliction of duty and tampering with the figures by way of overwriting the Govt. documents which acts are grossly unbecoming of a Govt. servant in violation of Rule 3 of the CCS (Conduct) Rules, 1964."

AND WHEREAS Sh. R. I. Luthra was appointed as Enquiry Officer who has submitted his findings bearing No. 6 E.O (L) 86 dated 26th August, 1986 (copy enclosed). The undersigned has carefully examined the enquiry report and all other facts & circumstances on records. The charges against Sh. Mohinder Singh Mate on driving duty is pilferage of 4 crates of milk and tampering with the Govt. documents for his illegal pecuniary gains. He has tampered with the figures of the Route Schedule by making the figure from 40 to 38 crates and 31 to 29 in respect of supply to depot No. 321 and 323 respectively on the route schedule. He thus short delivered 4 milk crates at these both depots and further deposited 4 nos less crates and the empty bottles in the Central Dairy. He acted in a manner so that this discrepancy could not be detected immediately on the spot. It is further strengthened by document No. DMS 44, which indicate the cash deposited by the Cash Clerk. This further indicates that on 8-7-85 on depot No. 321 and 323, only 760 and 580 bottles were delivered respectively and the Cash Clerk has deposited the Cash in Cash Receipt Section of DMS accordingly. He also did not supply the milk consignments as collected from the Central Dairy for distribution of the concerned route. The charged official has been given ample opportunity in respected preliminary Hearing on 17-6-86 and for regular hearings on 10-7-86, 23-7-86, 4-8-86 and 13-8-86 but he deliberately evaded to acknowledge the documents on one reason or the other. He did not cooperate with the inquiry proceedings and deliberately adopted delaying tactics to frustrate the proceedings. The undersigned is fully convinced that Sh. Mohinder had nothing to say in his defence and thereby conceded the guilt.

The undersigned agrees with the findings of E.O. There are sufficient documentary evidence on records to establish the charge. He is, therefore, found guilty of the charge which is of a very serious nature. The undersigned is thus convinced that Shri Mohinder Singh, Mate on driving duty is not a fit person to be retained in Govt. service in the public interest keeping in view of the gravity of the offence/misconduct of serious nature.

NOW THEREFORE, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Rule 11 of the CCS(CCA) Rules, 1965 for good and sufficient reasons imposes a penalty of REMOVAL FROM SERVICE on Shri Mohinder Singh, Mate on driving duty with immediate effect.

BALDEV CHAND  
Dy. General Manager (Admn.)  
Disciplinary Authority  
Delhi Milk Scheme

Shri Mohinder Singh  
S/o Shri Lal Chand, Mate  
(on driving duty)  
Village & P.O. Bhawana  
Delhi-110039.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 085, the 26th February 1987

No. DPS/2/1(29) 83-Admn '9517.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Prabhakar Balkrishna Wadke a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 2, 1987 until further orders in the same Directorate.

No. DPS/2/1(29)/83-Admn./9528.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Baliram Gopal Bane, a permanent Storekeeper to officiate as an Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 in the temporary capacity with effect from the forenoon of February 2, 1987 until further orders in the same Directorate.

The 3rd March 1987

No. DPS/41/3/85-Admn./9553. The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. K. Sharma, an officiating Assistant Accounts Officer to officiate as an Accounts Officer-II on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 from 27-11-86 (FN) to 27-12-86 (AN) in the same Directorate vice Shri Shidlyali AO II granted leave.

B. G. KULKARNI  
Administrative Officer

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 25th February 1987

No. NFC/PAR/0703/501.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/03 dated 1-1-1987, the appointment of Shri C. R. Prabhakaran, Assistant Accountant as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on ad hoc basis is extended up to 22-5-87 or until further orders, whichever is earlier.

GOPAL SINGH  
Manager, Personnel & Admn.

#### INDIRA GANDHI CENTRE FOR ATOMIC RESEARCH

Kalpakkam, the 2nd March 1987

No. IGCAR/A 32023/1/87-R/253.—The Director, Indira Gandhi Centre for Atomic Research is pleased to appoint Shri Joseph Dorairaj, a permanent Upper Division Clerk and an officiating Selection Grade Clerk of Indira Gandhi Centre for Atomic Research as Assistant Administrative Officer on ad hoc basis in the same Centre with effect from 02-03-87 (Forenoon) to 03-04-87 (Afternoon).

A. SUBRAMANIAN  
Administrative Officer

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 3rd March 1987

No. 16/410/86-Ests-I.—On his attaining the age of superannuation Shri M. L. Dangwal, Assistant Registrar, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun retired from service with effect from the afternoon of 31-1-1987.

No. 16/455/86-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun has been pleased to appoint Shri P. L. Bali, Office Superintendent as Assistant Registrar in a temporary capacity with effect from the forenoon of 2-2-1987 until further orders.

J. N. SAXENA  
Registrar  
Forest Research Institute & Colleges

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 27th February 1987

No. A-19012/1212/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Anand Prakash, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-3200-100-3500/- for a period of one year or till the post is filled on

regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 28-8-86.

M. R. SINGLE  
Under Secretary  
Central Water Commission

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 4th March 1987

No. 3-762/87-CH(Estt).—Shri Surinder Kumar Juneja is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board, North Central Region, with his Headquarters at State Unit Office, Raipur w.e.f. 17-12-1986 (AN) till further orders.

B. P. C. SINHA  
Chief Hydrogeologist & Member

#### CENTRAL RAILWAY

##### GENERAL MANAGER'S OFFICE

Bombay-400 001, the 2nd March 1987

No. HPB/GAZ/220/AC.—The following officers of the Accounts Department Central Railway are confirmed in Group 'B' as Assistant Accounts Officer from the date shown against each.

Sl. No.	Name	Date of confirmation
1.	S/Shri	
1.	A.K. Vaidyanathan	18-8-80
2.	L.R. Motwani	18-8-80
3.	S.W. Sule	18-8-80
4.	M.V. Bhalerao	18-8-80
5.	V.G. Araokar	18-8-80
6.	N. Sinivasan	18-8-80
7.	K.C. Zachariah	18-8-80
8.	J.C. Sharma	18-8-80
9.	R.S. Sharma	18-8-80
10.	H.G. Chawla	18-8-80
11.	G.S. Shukla	18-8-80
12.	S.S. Raman	18-8-80
13.	N. Subramanian	18-8-80
14.	V.D. Ghatnekar	18-8-80
15.	C.M.S.K. Menon	18-8-80
16.	R. P. Mchru	18-8-80
17.	R. Venkateswaran	18-8-80
18.	C.J. Neglur	18-8-80
19.	A. Jairaj Jesudass	18-8-80
20.	G.T. Lalwani	18-8-80
21.	G.S. Ahluwalia	18-8-80
22.	G. Raja Ram	18-8-80
23.	V. Sunderasan	1-11-80
24.	N.G. Subramanian	1-7-81
25.	K. I. Joseph	1-12-82
26.	D.L. Deodhar	1-8-83
27.	K.S. Srinivasan	1-9-83
28.	Y. Subba Rao	1-10-83
29.	V. S. Mahajan	1-12-83
30.	A. Subramanian	1-1-84
31.	M.G. Mahant	1-3-84
32.	S. R. Kuber	1-3-85
33.	P.D. Veeraswamy	1-12-85
34.	G.K. Iyer	1-12-85
35.	P.V. Krishnamurthy	1-12-85

VIJAYA SINGH  
General Manager

MINISTRY OF INDUSTRY  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Haryana Virmani Textile Processors Limited*

New Delhi, the 6th March 1987

No. H17321.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that

at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Haryana Virmani Textile Processors Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. K. JOLLY  
Asstt. Registrar of Companies  
Delhi & Haryana

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd February 1987

Ref. No. 3/Jun 86.—Whereas, I. A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T. S. No. 7371 Damodara Reddy Street, situated at T. Nagar Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 887/86 on Jun. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. R. Ramaswamy and Others  
27, Soundara Rajan Street,  
T. Nagar Madras-17. (Transferor)
- (2) M. Andal,  
7, South Dhandapani Street,  
T. Nagar Madras-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Damodara Reddy Street, T. Nagar Madras-17.

(T. Nagar Doc. No. 887/86)

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 3-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1987

Ref. No. 4/June 86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land and Building at T. N. Nagar Madras-17 situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 811/86 on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-consideration for such transfer as agreed to between the persons, namely :—  
15-516G1/86

(1) Mrs. M. Susheela and Others,  
38, Station Road,  
Madras-33.

(Transferor)

(2) Mrs. A. Nirmala,  
80, Kamdar Nagar,  
Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Block No. 142 T. S. No. 6673 T. Nagar Madras-17.

(T. Nagar Doc. No. 811/86)

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 2-2-1987  
Seal :

FORM 11-5

(1) Sri K. M. Parameswaran,  
Kutcheri Road, Mylapore  
Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)2) P. Bagyalakshmi,  
1, 2nd Main Road  
Madras-28.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 31d February 1987

Ref. No. 6/June. 86—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 59, Sullivan's Garden Road, Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (11 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 863/86 on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 59 Sullivan Garden Road, Madras 4.

(Mylapore Doc No. 863/86)

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date: 3-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006 the 3rd February 1987

Ref No 9/June 86—Whereas, I, A R REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No 54, Cathedral Road, Teynampet situated at Madras 86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North Doc No 1972/86 on June 1986 for an apparent consideration which is less than its fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Veeraswamy G N and others  
54 Cathedral Road, Teynampet,  
Madras 86

(Transferor)

(2) M/s A Michael and 6 others  
15 Lakshmi Street  
Teynampet Madras 17

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Building at No 54 Cathedral Road, Teynampet  
Madras 86

(Madras North Doc No 1972/86)

A R REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date 3 2 1987

Seal

## FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1987

Ref. No. 10/June 86.—Whereas, I, A. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 9, Kottur Village Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adayar Doc. No. 1798/86 on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. Suryanarayanan,  
13/2-II Main Road, K. B. Nagar,  
Adayar, Madras-20.

(Transferee)

- (2) Sri C. Natesan,  
16, Soundarapandian Street,  
Ashok Nagar, Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land at No 9, Kottur Village Madras.

(Adayar Doc. No. 1798/86)

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 2-2-1987

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1987

Ref. No. 11/June 86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 41 & 42 I Main Road, Gandhi Nagar situated at Adyar Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adayar Doc. No. 1855/86 on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. K. Rukmani & Others  
7, II Main Road,  
Bakthavathsalam Nagar,  
Adyar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Mr. P. G. Venugopal,  
21, Venkatakrishna Iyer Road,  
Mandavalli, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at D. Nos. 41 & 42 Ist Main Road, Gandhi Nagar, Adyar Madras-20.

(Adayar Doc. No. 1855/86)

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1987

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madrass-600 006, the 2nd February 1987

Ref. No. 14/June 86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7, I Street, Nandanam Extension situated at Madras-35 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc No. 756/86 on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri P. N. Viswanathan,  
7, first street Nandanam extension Madras-35.  
(Transferor)
- (2) Mr. Vinayak Sharma and another  
109, Defence Colony,  
Madras-92.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 7, First Street, Nandanam extension Madras-35  
(Madras Central Doc. No. 756/86)

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date . 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR)

31. G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 3rd February 1987

(1) Sri Y. Jagannatham,  
18, Subba Rao Avenue I St.,  
Nungambakkam Madras-34.

(Transferor)

(2) M/s. Balaji Distilleries, P. Ltd.,  
Bangalore Bye-Pass Road,  
Poonamallee, Madras-56.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 18, Subba Rao Avenue 1st  
Street, Nungambakkam Madras-34.A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
person namely :—Date : 3-2-87  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
 "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR)  
 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 3rd February 1987

Ref. No. 5/June 86.—Whereas, I A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 31, Dr. Rangachari Road, Mylapore situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 801/66 on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. N. Lakshmi,  
 31, Dr. Rangachari Road,  
 Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) S. Harikrishna Nadar,  
 38, Muktharunnissa Begum Street,  
 Ellis Road, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 31, Dr. Rangachari Road, Mylapore Madras-4.

Mylapore Doc. No. 801/86.

A. R. REDDY  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II  
 Madras-600 006

Date : 3-2-87  
 Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE II  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-III/6-86/10.—Whereas I, ASHOK KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. C-70 N.D.S.E. Part II, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
16—516GI/86

- (1) Smt. Santosh Kumari Bahri w/o  
Shri N. C. Bahri  
r/o C-70 N.D.S. II, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri R. K. Anand s/o Shri R. L. Anand  
r/o 2E/8 Jhandewalan Extn.,  
New Link Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. C-70 measuring 398 sq. yds. N.D.S.E. II,  
New Delhi, freehold built up.

ASHOK KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Date : 10-2-87  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-III/6-86/20.—Whereas I, ASHOK KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. K-9, N.D.S.E. Part I, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hari Chand Gupta s/o  
L. Ranjit Singh r/o  
13/2, Ray Street Calcutta.  
(Transferor)
- (2) Shri Yash Pal Arora and Darshan Kumar Arora  
sons of late Sita Ram Arora  
1/o E-193 Krishna Market, Lajpat Nagar-1,  
New Delhi.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. K-9, measuring 400 Sq. Yds. N.D.S.E. I, New Delhi. Frechold.

ASHOK KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Date : 10-2-87  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq II/SR-III/6-86/21.—Whereas I, ASHOK KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. R-9 N.D.S.E. Part II, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Swraj Nibber w/o late Sh. Harcharan Singh Nibber and S/Shri Anil Nibber, Arun Nibber and Atul Nibber sons of Harcharan Singh Nibber, r/o 121/15A Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Anil Dhingra s/o Shri S. N. Dhingra and Mrs. Anjana Oberoi w/o Kaval Nain Oberoi residents of B-45, N.D.S.E. Part II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. R-9, measuring 260.7 Sq. yds. with one small room and garage N.D.S.E. Part II, New Delhi. Freehold.

ASHOK KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Date : 10-2-87  
Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/6-86/32A.—Whereas, I, ASHOK KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Pratap Bhawan Bahadur Shah Zaffar Marg, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates,  
18 Barakhamba Road, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Dr. B. K. Mehra HUF and Mr. R. K. Mehra,  
Alpna 5th floor, flat No. 11,  
60 Peddar Road, Bombay.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Office space admeasuring 550 sq. ft. on the first floor in Pratap Bhawan, additional area to be constructed 5, Bhadur Shah Zaffar Marg, New Delhi-110002. Leashold.

ASHOK KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Date : 10-2-87  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,  
18 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Vishwanath, 5 Requet  
Court Road, Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/6-86/32B.—Whereas I, ASHOK KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Space on the first floor in Pratap Bhawan situated at 5, Bhadur Shah Zaffar Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June, 1986 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office Space on the first floor, admeasuring 550 sq. ft. approx. in Pratap Bhawan, additional space to be constructed 5 Bhadur Shah Zaffar Marg, New Delhi-110002. Lease-hold.

ASHOK KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-2-87  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/6-86/32.—Whereas, I, ASHOK KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 14-B, Sagar Apartments, situated at 6, Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I. T. Act 1961 and registered in the office of the I.A.C. Acq Range-II at New Delhi on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Gaprice Films Enterprises Pvt. Ltd.,  
34-B Smt. Nargis Dutt Road,  
Pali Hill Bandra, Bombay-400 000.

(Transferor)

- (2) M/s. G. Sagar Suri & Sons (H.U.F.),  
14-C, Sagar Apartments,  
6, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 14-B Sagar Apartments, 6 Tilak Marg, New Delhi  
1965 Sq. Ft. Lease-hold.

ASHOK KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 10-2-87  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/6-86/33.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. B-45, Maharani Bagh situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act, 1961 & registered in the Office of the IAC, Acquisition Range-II at New Delhi in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sukhvinder Singh Dhillon R/o A/2, Kalindi Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Meera Goyal for and on behalf of Peacock Chemicals Pvt. Ltd. 8/7, Industrial Area Site IV, Sahibabad, Ghaziabad, U.P. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-45, Maharani Bagh Cooperative House Building Society Limited, New Delhi measuring 966 sq yds. Lease hold.

ASHOK KACKER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10/2/1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/6-86/35.—Whereas, I, **ASHOK KACKER**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Grandlay Cinema Complex at Community Centre, situated at New Friends Colony New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act, 1961 & registered in the Office of the IAC, Acquisition Range-II at New Delhi in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

- (1) **Mr. Chaman Lal Batra, Sole**  
Proprietor, Grandlay Electricals (India)  
Cinema, Grandlay Cinema,  
Community Centre,  
New Friends Colony New Delhi-110065.  
(Transferor)
- (2) **Alcatel India Pvt. Ltd.**  
908 Ansal Bhawan,  
Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi-110001.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Commercial floor space on 1st, 2nd and 3rd floors of Grandlay Cinema Complex at Community Centre, New Colony, New Delhi-110065, Leaschold. 7,499 sq. ft.

**ASHOK KACKER**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10/2/1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/6-86/36.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. E-39, Kalindi Colony New Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act, 1961 & registered in the Office of the IAC, Acquisition Range-II at New Delhi in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
17—516GI/86

- (1) Shri Suresh Aggarwal and  
Smt. Suresh Aggarwal,  
R/o 678/1, Bimla Bhawan, Kabool Nagar  
Shasadara, Delhi-110032. (Transferor)
- (2) Smt. Shakuntla Modi,  
Shri A. K. Modi,  
Smt. Sangeta Modi,  
Shri P. K. Modi and Smt. Nandini Modi  
all r/o the Modi Oil & General Mills, Railway Road,  
Mandi Govindgarh, Punjab. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Plot measuring 418 sq. yds. No. E-39 Kalindi

ASHOK KACKER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10/2/1987

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXAGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW  
DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq II/37EE/6-86]37—Whereas, I,  
K. C. SHAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
C/5, Maharani Bagh, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the IT Act, 1961 & registered in  
the Office of the IAC Acquisition Range-II at New Delhi  
in June, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Mrs. Sarojini Lakhmanan,  
C/o Mrs S Katre,  
C/6, Maharani Bagh,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Nimala Jain,  
C/5, Maharani Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

C/5, Maharani Bagh, New Delhi, Leasehold, Approx.  
2500 sq. ft.

ASHOK KACKER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 10/2/1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/6-86/37A.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Space on the 1st floor in Pratap Bhawan, situated at 5, Bhadur Shah Zaffar Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 registered in the Office of the I.A.C. Acq. Range-II New Delhi on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Kailash Nath & Associates, 18, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Seth Brothers, C/o Mr. Chand Seth, 204 Rohit House, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office Space admeasuring 550 sq. ft. approx on the first floor in Pratap Bhawan, additional space to be constructed 5 Bhadur Shah Zaffar Marg, New Delhi Leasehold.

ASHOK KACKER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Aggarwal House  
4/14-A Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-1-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Amarjit Singh Johar & Co.  
C-139, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. B. K. Sood,  
S-59, Greater Kailash II, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR.III/6-86/17.—Whereas, I,  
ASHOK KACKER,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. S-59 situated at Greater Kailash-II New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering Officer at  
in June 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notices on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

First floor only of building No. S-59, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

ASHOK KACKER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10/2/1987  
Seal:



## FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
AGGARWAL HOUSE  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37G/6-86/20.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. N-93, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Gurmukh Singh Bakshi,  
S/o Late Sh. Bakshi Harnam Singh,  
N-93, Greater Kailash-I,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Sh. Raj Kumar Arora,  
S/o Late Sh. Hakim Rai Arora,  
2. Mrs. Savita Arora,  
W/o Sh. Raj Kumar Arora,  
3. Sh. Rakesh Arora  
S/o Sh. Raj Kumar Arora,  
r/o 7-B, Pusha Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in N-93 Greater Kailash-I, New Delhi alongwith ground floor portion.

ASHOK KACKER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10/2/1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37G/6-86/24.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-84 situated at East of Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Rajinder Singh Chandok  
S/o Late S. Sardar Singh,  
C/o S. P. Partap Singh Dhall  
r/o A-74, East of Kailash, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Sumer Mal,  
S/o Sh. Misri Mal,  
2. Sh. Nar Singh Mal  
S/o Sh. Mishri Mal  
r/o 1/4223, Ansari Road, Darya Ganj,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. 84 in Block A, measuring 404 sq. yards in the layout plan of East of Kailash, residential scheme, New Delhi.

ASHOK KACKER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10/2/1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq VII/37G/6-86/13.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M-167 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Rajni Trading Co. P. Ltd.,  
303, Community Centre, East of Kailash,  
New Delhi through Director Sobraj Chug.  
2. Apex Construction P. Ltd.,  
New Delhi through Director A. V. Vaid.  
(Transferor)
- (2) Shri Gurdayal Prasad Asthana,  
s/o late Shri Raghunath Prasad Asthana,  
r/o S-307, Greater Kailash-II,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. S-1, (equivalent to 64 sq. yds).  
Portion of property No. M-167 measuring 400 sq. yds.  
Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII,  
Aggarwal House  
1/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Dated : 2-2-1987  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq VII/37G/6-86/22.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-263 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chander Mohini Nigam,  
w/o Dr. Indeshwar Nigam,  
r/o E-263, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Meenu Chawla w/o  
Sh. Sudhir Chawla  
r/o 2 UB Jawahar Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. E-263, measuring 215 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 2-2-87  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq VII/SR-III/6-86/28.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-59, Okhla Industrial situated at area phase-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
18—516G1/86

- (1) M/s Ganesh Stone Crushing Co. through its partners Bhagwan Dass Kalra r/o p. 54, Kalkaji, New Delhi and G. R. Gupta r/o J-143, Kalkaji, New Delhi. (Transferor)
- (2) Indo Asian Circuit Breakers Pvt. Ltd. through its Director Bhagwan Dass Kalra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. A-59, measuring 1015.3 sq. yds. Okhla Industrial Area Phase-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII,  
Aggarwal House  
1/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 2-2-87  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX :ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq VII/37G/6-86/21.—Whereas, I,  
V. K. MANGOTRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
E-190 situated at Greater Kailash-I, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi  
on June 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) G. S. Johar  
s/o Sh. A. S. Johar  
r/o C-170, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) G. N. Kathpalia,  
s/o Sh. K. N. Kathpalia  
r/o B-28, Sarvodaya Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used hereinafter as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor of property No. E-190 Greater Kailash-I,  
New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-VII,  
Aggarwal House  
1/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 2-2-87  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq VII/SR-III/6-86/23.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing B-128 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Ranbir Singh  
R-128, Greater Kailash-I,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Veena Gugnani,  
w/o K. L. Gugnani,  
38D, DDA Flats Masjid Moth,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Ground floor of R. 128 Greater Kailash-I, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 2-2-87  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-VII,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq VII/37G/6-86/26.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing E-9 situated at Kalkaji, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Motia Dhawan,  
w/o Late Sh. Atma Ram Dhawan  
r/o G-118, Kalkaji,  
New Delhi.

(Transferee)

- (2) Smt. Raj Rani  
w/o Sh. Krishan Lal  
2. Sh. Suresh Kumar  
3. Sh. Shyam Lal  
r/o E-9, Kalkaji,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

E-9, measuring 273 sq. yds. situated at Kalkaji, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 2-2-87  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXAGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq. VII/37G/6-86/16.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing E-438, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Aditya Pandit  
s/o Sh. C. S. Pandit  
r/o F. 32, Green Park,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Lajpal Singh Anand  
s/o Late S. Sujan Singh  
r/o 344-L Model Town, Yamuna Nagar,  
Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. Ground floor and basement of property No. E-438, measuring 250 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 2-2-87  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq VII/37G/6-86/25.—Whereas, 1, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 16 situated at Siri Fort Road, Masjid Moth, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Jaswant Kaur Kohli,  
w/o Late S. Asa Singh,  
r/o 4/5-A, Katra Atma Ram,  
Bara Hindu Rao,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Batra & Associates,  
through their partner  
Sh. Bhajan Singh  
s/o late Sh. Gulab Singh  
r/o S-56, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 16, Siri Fort Road Masjid Moth, New Delhi.  
Measuring 400 sq. yds.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 2-2-87  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/6-86/18.—

Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S-154 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering officer at IAC Acq. New Delhi in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Khurana Builders  
through its partner  
Sh. Gurminder Singh Khurana  
S/o Sh. Avtar Singh Khurana  
R/o E-21-A,  
East of Kailash,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Rajendra Kumar Bader -  
S/o Late Shri Mulchand Bader  
2. Smt. Prit Bader  
W/o Rajendra Kumar Bader  
3. Sh. Avni Bader  
S/o Sh. Prakash Chand Bader  
R/o Mercantile Building,  
Tejpur, Assam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. S-154, situated in Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 2-2-1987  
Seal.

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37G/6-86/15.—

Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-497 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 registered in the Office of the I.A.C. Acq Range-II New Delhi for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Suresh Chandra Verma  
B-18, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mohan Sons  
52/42, Punjabi Bagh,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No 497 in Block No. E, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII,  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM IIS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37G/6-86/14.—  
Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-188, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred in the Office of the Register Officer at New Delhi on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

19—516GI/86

- (1) Mrs. Nirupama Jain  
W/o Mr. Ashok Jain  
R/o E-207, G. K.-II,  
New Delhi.  
through General Attorney  
Mr. Ashok Jain

(Transferor)

- (2) Mrs. Alka Anand  
W/o Mr. A. S. Anand  
R/o C-37, Inderpuri,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 188 situated in Block 'S' (first floor) constructed on a piece of land measuring 300 sq. vds. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi-1

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW  
DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37G/6-86/247.—  
Whereas, I, V. K. MANGOTRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Plot No. 123 Block 48 situated at Chanakyapuri, New  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred in the Office of the Register Officer at  
Delhi on June, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) 1. Sh. Prem Prakash Bhatnagar  
R/o A-260, Pandara Road  
New Delhi.
2. Dr. Daya Parkash  
R/o C-131, Sec. A.  
Mahanagar,  
Lucknow.
3. Sh. Satya Prakash Bhatnagar  
R/o J/5, A.O.T. Qr.  
(home Guards Col.)  
Meerut Cantonment.

(Transferor)

- (2) Smt. Urmilla Devi  
ex-Maharani of Nabha  
W/o Sh. Partap Singh,  
ex-Maharaja of Nabha,  
R/o 6, Panch Sheel Marg,  
Chanakyapuri,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 123 Block No. 48, Chanakyapuri, New Delhi  
now No. 138, Malcha Marg, Chanakyapuri, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi-1

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Shashi Gopal  
R/o S-142, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sehgal Promoters &  
Builders P. Ltd.  
D-289, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

\* NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 2nd February-1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37G/6-86/19.—

Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot S-360, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer Delhi on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Plot S-360, Greater Kailash-II, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII,  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February-1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/6-86/27.—

Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-6 situated at Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 and registered in the Office of the IAC, Acq. Range-II at Delhi on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Savitri Malhotra  
G-6, Kailash Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri M. R. Manchanda  
2. Smt. Raj Bani Manchanda  
C/o 79, Palika Bazar,  
Connaught Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 6 in block 'G' in Kailash Colony, New Delhi.  
Built in 529.7 sq. yds.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi-1

Date: 2-2-1987  
Seal:



FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/6-86.—

Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-133, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. New Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Captain Construction Co.  
through partners,  
Sh. Mohanjit Singh &  
Indrajit Singh  
both R/o S/285,  
Greater Kailash-II,  
New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Sudha Ramchandani  
W/o Sh. Daulat Hiranand Ramchandani  
2. Sh. Daulat Hiranand Ramchandani  
S/o Hiranand Kishan Chand Ramchandani  
R/o F-37, N.D.S.E.-I.  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Entire first floor of property No. S-133, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi-1

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/6-86.—

Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-223 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Register Officer at IAC, Acq. New Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Sterling Apartments P. Ltd.  
1205, New Delhi House,  
27, Barakhamba Road;  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Tata Iron & Steel, Co. Ltd.  
24, Homi Mody Street, Fort, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One independent flat on 1st floor of 2½ storeyed residential building No. 223, Block B, measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi-1

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/6-86.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-4 situated at 43-Prithvi Raj Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC Acq., New Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Anil Vasudeva  
2. Shri Sunil Vasudeva  
3. Shri Rajeev Vasudeva  
4. Smt. Sita Vasudeva  
R/o 43, Prithvi Raj Road,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sunshine Travel & Tours P. Ltd.  
301, Hill Queen Pali Mala Road,  
Bandra, Bombay

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Dwelling Unit No. 4 in Block 'A' at 43-Prithvi Raj Road, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi-1.

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/AcqVII/377EE/6-86.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. D-47 situated at East of Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC Acq., New Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri P. N. Deogun  
2. Shri S. N. Deogun  
3. Shri H. N. Deogun  
4. Shri R. N. Deogun  
5. Mrs. G. Bali  
R/o I-3, Maharani Bagh,  
New Delhi

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ashok Dhawan  
2. Shri Navin Kumar Dhawan  
E-11, East of Kailash,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

D-47, East of Kailash, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 2-2-1987  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Sneh Dutt  
S-148, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Ashwini Kumar  
C-754, New Friends Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/6-86.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-148 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC Acq., New Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Ground floor flat of S-148 Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—516GI/86

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/6-86.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 13-Tolstoy Marg, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC Acq., New Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Brijinder Singh Dugal  
B-15, Maharani Bagh,  
New Delhi.
- (2) M/s. Panipat Properties P. Ltd.  
17, Community Centre (basement)  
Mathura Road,  
New Friends Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Flat No. 1005 measuring 696 sq. ft. on the 10th floor in the multistoreyed building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM FIVE

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/6-86 —Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-11, Defence Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC Acq, New Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Col. R. D. Advani  
257/271, Sindh Coop. Hsg. Soc.  
Road No. 2, Audh, Pune.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Gurjeet Kaur  
W/o Shri Iqbal Singh  
2. Shri Iqbal Singh  
S/o Shri Kesar Singh  
C-11, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C-11, Defence Colony, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. No. AR/IV/37EE/30419/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. OP 135, FP. 239, 240 & TPS III, 51st Road, Borivali (West), Bombay-400 092 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Vaishali Development Corporation. (Transferor)  
(2) Dhabalia Enterprises. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Village Eksar, Taluka Borivli Bombay Suburban District and in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban bearing a portion of Survey No. 20 Hissa No. 10 of Village Eksar and bearing Original Plot No. 135 of TPS. III Borivli (Draft) and bearing—

- (i) Final Plot No. 239 of T.P.S. III Borivli (Draft) and admeasuring about 2082.20 square metres or thereabout and bearing C.T.S. No. 524 (Part) and
- (ii) Final Plot No. 240 of of T.P.S. III Borivli (Draft) and admeasuring about 634.50 square metres and bearing C.T.S. No. 524 (Part).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR/IV/37EE/30419/85-86 on 1-6-1986.

LAXMAN DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 12-2-1987  
Seal :



## FORM ITNB—

(1) Shri H. S. Chogle &amp; Others

(Transferor)

(2) Vaishali Development Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. No. AR.IV/37EE/30418/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. OP. 135, F.P. 162-163-239-240 TPS III, 51 Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed here(0), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situated lying and being at Village Eksar, Taluka Borivli, Bombay Suburban District in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban bearing Original Plot No. 135 and bearing—

- (i) Final Plot No. 162 of TPS III (Borivli (West)) admeasuring about 1846 sq. metres.
- (ii) Final Plot No. 163 of T.P.S. III Borivli (West) admeasuring about 1300 sq. metres.
- (iii) Final Plot No. 239 of TPS III Borivli (West) admeasuring about 2082.00 sq. metres, and
- (iv) Final Plot No. 240 of TPS III Borivli (West) admeasuring about 634.50 sq. metres.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.IV/37EE/30418/85-86 on 1-6-1986.

LAXMAN DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 12-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Rajnarayan R. Singh.

(Transferor)

(2) M/s. Build Well Construction Co.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. No. AR.IV/37EE/30134/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing All those pieces or parcel of land or ground situate lying and being at Dahisar in the Registration District & Sub District of Bombay City and Bombay Suburban and bearing S. No.5, H. No. 11, & admeasuring 5898.75 sq. yds or thereabouts and bearing S. No. 6, H. No. 17 and admeasuring 998.25 sq. yds or thereabout (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All those pieces or parcel of land or ground situate lying and being at Dahisar in the Registration District of Bombay City and Bombay Suburban and bearing Survey No. 5, Hissa No. 11 and admeasuring 5898.75 sq. yds or thereabouts and bearing Survey No. 6, Hissa No. 17 admeasuring 998.25 sq. yards or thereabouts.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.IV/37EE/30134/85-86 on 1-6-1986.

LAXMAN DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. ARIV/37EE/30386/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Balance FSI of Approximate 4000 to 6000 Sq. ft. as per actual BMC, approval property situated at S. No. 48, H. No. 13-B, S. No. 50, H. No. 6/2-A (Pt.) CTS No. 1063 & 1066 Martha Colony Road Dahisar (E), Bombay 400 068, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1st June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |  |              |
|--|--------------|
| (1) Seth Industries Ltd.<br>Prop. of Simplex Woolen Mills. | (Transferor) |
| (2) Universal Builders & Developers.                       | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Balance FSI of approximate 4000 to 6000 sq. ft. as per actual B.M.C. approval, property situated at Survey No. 48, Hissa No. 1/3-B, Survey No. 50, Hissa No. 6/2-A (Part) CTS No. 1063 & 1066, Martha Colony Road, Dahisar (E), Bombay-400 068.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/37EE/30368/85-86 on 1st June 1986.

LAXMAN DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri A. G. Bhatia &amp; Others.

(Transferor)

(2) Shri Sagar Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. No. ARIV/37EE/30446/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

All that piece or parcel of land or ground of tenure with messuages, tenements or dwelling houses, standing thereon situate lying and being on the Eastern side of Swami Vivekanand Road, at Magathane Village, Borivli West, in the Registration Sub-District of Bandra Bombay Suburban District, containing by admeasurement 2 Acres i.e. 9680 sq. yards i.e. 8851.4 square Meters or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 160 and S. No. 1 Hissa No. 2 City Survey No. 47 &amp; 47 (1 to 12) and in the books of the Assessor Collector of Municipal Rates and Taxes under Ward No. R.

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground of tenure with messuages, tenements or dwelling houses, standing thereon situate lying and being on the Eastern side of Swami Vivekanand Road, at Magathane Village, Borivli West, in the Registration Sub-District of Bandra, Bombay Suburban District, containing by admeasurement 2 Acres i.e. 9680 sq. yards i.e. 8851.4 square Meters or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 160 and S. No. 1 Hissa No. 2 City Survey No. 47 & 47 (1 to 12) and in the books of the Assessor Collector of Municipal Rates and Taxes under Ward No. R

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/30446/85-86 on 1-6-1986.

LAXMAN DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1987  
Seal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Mrs. P. Vrinda Shrivling.

(Transferor)

(2) M/s Suryamukhi Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. No. ARIV/37EE/30135/85-86.—Whereas, I,  
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Construction of Development of 4 undivided wings to construct 60,000 sq. ft. (including 10% area to be reserved for Government nominees) on the piece or parcel of land situate at Village Eksar, Borivli (W), bearing following Survey Nos., Hissa Nos. C.T.S. Nos.

As per Schedule

situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under Bombay on 1st June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
21—516GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Construction of Development of 4 undivided wings to construct 60,000 sq. ft. (including 10% area to be reserved for Government nominees) on the piece or parcel of land situate at Village Eksar, Borivli (W), bearing following Survey Nos., Hissa Nos. C.T.S. Nos.

S.NO.	Hissa No.	C.T.S.Nos.
119	4(pt)	103
120	2/1	896
120	2/2	898 & 900
120	2/4	901
120	2/5	1902
120	7	892, 893 & 894
120	1 (pt.)	628, 629 & 638
120	3	897
120	4	909, 910, 911 & 637
120	6(pt.)	895 & 894

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/30135/85-86 on 1st June 1986.

LAXMAN DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-2-1987  
Real ;

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. No. ARIV/37EE/30405/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land together with the incomplete construction standing thereon at C.F.S. 330 Plot No. 28, Kandivli (West), Bombay-67, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at situated at Bombay Bombay on 1st June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s M. J. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. R. S. Payyade  
Managing Director of Payyade International Hotels  
Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground being Plot No. 28 situate lying and being Near Kandivli Railway Station in Greater Bombay in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban containing by ad-measuring according to City Survey about 724 (Seven Hundred and twenty four square metres) exclusive of area ad-measuring 102.1 sq. metres acquired for widening the road be the same more or less partly within the boundaries of the Village poisar being part of Survey No. 88 Hissa No. 1 and partly within the boundaries of Village Malad being part of Survey No. 66 Plot No. 1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/30405/85-86 on 1-6-1986.

LAXMAN DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-2-1987  
Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) Devraj Mohanraj Shah.

(Transferor)

(2) Mohanraj Co.op Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. AR.IV/3EG/136/85-86.—Whereas, I,  
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. Survey No. 53, 56, 57, New Survey No. 78,  
at Kandivli Village 1281 Sq. yards with Building,  
situated at Kandivli,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
Bombay on 19-6-1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax,  
Act, 1957 (27 of 1957);Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-970/  
75 and registered on 19-6-1986 with the Sub-Registrar, Bom-  
bay.LAXMAN DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 12-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. Rajinder Mohan Mehta,

(Transferor)

(2) Mr. Rajiv Shantilal Modi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

No. AR-I/37EE/11798/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 48, New Sagar Tarang Co-operative Society, Dr. Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the sale is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 48, New Sagar Tarang Co.op. Socy., Dr. Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10451/85-86 on 3-6-1986.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 4-2-1987  
Seal :



## FORM ITNS

(1) M/s Shalini V. Abhayankar.

(Transferor)

(2) M/s Ashok M. Mukhi &  
Mr. Murlidhar R. Mukhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

No. AR-I/37EE/11856/85-86.--Whereas, I, (

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 204, Rajneelam Bldg., Warden Road,

Dr. Rajabali Patel Lane, Bombay-400 026,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 16-6-1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 204, Rajneelam Bldg., Warden Road, Dr. Rajabali  
Patel Lane, Bombay-400 026.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No AR-I/37EF/10471/85-86 on  
16-6-1986.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of the  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Date : 4-2-1987  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Avinash Shridhar Vaidya.

(Transferor)

(2) Shri Tushar Dinkarlal Kothari.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR-I/37EE/11829/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11, A, Atlas Apts., Narayan Dabholkar Road, Bombay-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11A, Atlas Apts., Narayan Dabholkar Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I 37EE/10426/85-86 on 2-6-1986.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

Date : 4-2-1987  
Seal :

FORM 11NS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

Ref. No. AR-11/37EE/11704/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 53, 5th Floor, Brij Kutir, 68A, Rungta Lane, L. J. Jagmohandas Marg, Nepean Sea Road, Bombay-6 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2/6/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Indukumar N. Doshi & Smt. Saroj Indukumar Doshi. (Transferor)
- (2) Shri Pravinkumar Pragji Thakkar & Mrs. Rasila P. Thakkar. (Transferee)
- (3) Transferors. (Person in occupation of the property)
- (4) NIL. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 53, 5th Floor, Brij Kutir, 68A Rungta Lane, L. J. Jagmohandas Marg, Nepean Sea Road, Bombay-400 006. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10422/85-86 on 2/6/1986.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 4-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shrimati Shantaben Kantilal Shaghani.  
(Transferor)  
(2) Shrimati Shaladevi Govindprasad Singhania.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

Ref. No. AR-I/37EE/11835/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501/B, Block Simla House, Hyderabad Estate, Nepean Sea Road, Bombay-400 036 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 501/B, Block Simla House, Hyderabad Estate, Nepean Sea Road, Bombay-400036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10467/85-86 on Dated 16/6/1986.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1987  
Seal :

## FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

Ref. No. AR-1/37EE/11827/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on 2nd Floor, Bharat Villa, Narayan Dabholkar Road, Bombay-400 006 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Pratap Nandlal Kothari &  
Smt. Kaumudi Pratap Kothari.

(Transferor)

(2) Shri Vinodkumar S. Pasari &  
Smt. Rameta Devi S. Pasari,  
Smt. Anitadevi S. Pasari,  
Master Abhishek V. Pasari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat on 2nd Floor, Bharat Villa, Narayan Dabholkar Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/10464/85-86 Dated 16/6/1986.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
22—516GJ/86

Date : 4-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

Ref. No. AR-1/371 E/11761/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 23, 2nd Floor, Miramar Nepean Sea Road, Bombay-400 006 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Mr. Nani A. Jhangiani & Mrs. Seeta N. Jhangiani. (Transferor)  
(2) Mr. Raman Hiji Maroo & Dr. Mrs. Kastur Raman Maroo. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd Floor, Miramar, Nepean Sea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10430/85-86 Dated 3/6/1986.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 4-2-1987  
Seal:

## FORM ITNS—

- (1) Shri Ramanlal Balde Desai. (Transferor)  
 (2) Mr. Vallabhdas G. Thakkar & Another. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

Ref. No. AR-1/37EE/12207/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 9-B, 9th Floor, Vaibhav Bldg., Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 9-B, 9th Floor, Vaibhav Bldg. Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10374/85-86 Dated 16/6/1986

NISAR AHMED  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1987  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-400 038, the 2nd February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11695/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1403, C-Wing, Tirupati Apartments, G. Deshmukh Marg, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2/6/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Ramesh Jayantilal Patel & Mrs. Sarla W/o Ramesh Patel. (Transferor)  
 (2) Mrs. Pallavi Gems (P) Ltd. (Transferee)  
 (3) Shri Harsh N. Matliya. (Person in occupation of the property)  
 (4) N.A. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
 (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1403, C-Wing, Tirupati Apartments, G. Deshmukh Marg, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10420/85-86 on 2/6/1986.

NISAR AHMED  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 2-2-1987  
 Seal :



## FORM ITNS—

- (1) M/s Vandana Traders, (Transferor)  
 (2) Shri P. N. Lalla & Smt. A. P. Lalla. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY  
Bombay, the 4th February 1987

Bombay-400 038, the 2nd February 1986

Ref. No. AR-IIB/37EE/34477/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, 2nd floor, "MAN GAL SMRUTI" Chitrakar Dhurandhar Road, Khari, Bombay-52 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, "MANGAL SMRUTI" Chitrakar Dhurandhar Road, Khari, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/34477/85-86 on 6-6-1986.

M. S. RAI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1987  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Shankar Mahadev Sawant. (Transferor)  
 (2) Shri Ajitkumar K. Mehra. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANBE-IIB, BOMBAY

Bombay-400 038, the 2nd February 1986

Ref. No. AR-IIB/37EE/34650/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402, 4th Floor, A-Wing DECCAN APPARTMENT 4th Road Union Park, Khar (W), Bombay-52 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, A-Wing, Deccan Appartment, 4th Road, Khar (W), Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/34650/85-86 on 13-6-1986.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IIB, Bombay

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB, BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/35140/85-86.—Whereas, I,  
M. S. RAI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 101 Plot No. 289B  
Union Park, Khar (W) Bombay.  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent  
Authority at Bombay on 27-6-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Phuljeet Singh Kohli & Others.  
(Transferor)
- (2) Sh. Abdul Wadood A. Karim Banatwala.  
Sh. Abdul Qudus A. Karim Banatwala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meanings as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, Moon Beam, Plot No. 289B, Union Park,  
Khar (W), Bombay-52.

The Agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/35140/85-86 on  
27-6-86

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IIB, Bombay

Date: 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Khushru B. Dalal.

(Transferor)

(2) Sh. Ajit K. Sethi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IIB, BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/35031.—Whereas, I, M. S. RAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5-B, 5th Floor, Bandra Sea Hill C.H.S. Ltd 31, Union Park, Khar (W), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5-B, 5th Floor, Bandra C.H.S. Ltd. 31, Union Park, Khar.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/35031/85-86 on 27-6-86.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IIB, Bombay

Date: 2-2-1987  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY,

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.B/37EE/34882/85-86.—Whereas, I,  
M. S. RAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Plot of land with structure known as Bharat Sadan,  
Part of Final plot No. 60, & Part of Final plot No. 78,  
of TPS IV, Tagore Road, Santacruz (W), Bombay,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent  
Authority at Bombay on 20-6-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and, or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

23—516GI/86

- (1) Shiv Prasad, Rungta. (Transferor)  
(2) M/s Kakad Enterprises, (Transferee)  
(3) Sunil Damania & Sharad Maru.  
(Persons in Occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land with structure thereon known as Bharat Sadan,  
being part of final plot No. 60 and No. 78 of TPS IV, Tagore  
Road, Santacruz (W), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34882/85-86 on  
20-6-86.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IIB, Bombay

Date: 2-2-1987  
Seal ;

## FORM ITNS—

(1) Sh. Ramanna S. Shetty.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Malhotra  
Trustee of S. K. Family Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.B./37EE/35067/85-86.—Whereas, I,  
M. S. RAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair value market exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Shop No. 7, Santacruz Rameshwar Premises C.H.S. Ltd.  
S. V. Road, Santacruz (W), Opp Khira Nagar,  
SV Road,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent  
Authority at Bombay on 27-6-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 7, Santacruz Rameshwar Premises C.H.S. Ltd.  
S V. Road, Santacruz (W), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/35067/85-86 on  
27-6-1986.

M. S. RAI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IIB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date: 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Neyaz Ahmed Shaikh &amp; Others.

(Transferor)

(2) Smt. Hajra Mumtaz Ali Khokar &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.B./37EE/34570/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 & 3 1st floor, Bldg. No. B-8, Khira Nagar, S. V. Road, Santacruz (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 2 & 3, 1st floor, Bldg. B-8, Khira Nagar, S. V. Road, Khira (W), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/34570/85-86 on 6-6-1986.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IIB, Bombay

Date: 2-2-1987

Seal :

## FORM ITNS

(1) Raja Bhatia Enterprises.

(Transferor)

(2) Sh. Hashmukh Parekh.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/34544/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority, under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 501, 5th Floor, Vaidya Vills, Green Street, Santacruz (W), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Vaidya Villa, Green Street, Santacruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34544/85-86 on 6-6-86.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IIB, Bombay

Date: 2-2-1987  
Seal:



FORM IT.N.S.—

(1) F. T. Vorghese.

(Transferor)

(2) Mrs. Shyama Sayal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IIB BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/34899/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, Salmona Villa, North Avenue, Santacruz (W), Bombay-54, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, Salmona Villa 111rd floor, North Avenue, Santacruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II,37EE/3489/85-86 on 20-6-1986.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IIB, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 2-2-1987  
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Radha Murthy Rao &amp; Ors.

(Transferor)

(2) J. J. Sampat (HUF).

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IIB BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/34955/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, Prem Sagar, Green Street, Jaisukhlal Mehta Road, Santacruz, Bombay-54, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, Ground floor, Plot No. 61-62 Prem Sagar, Green Street, Jaisukhlal Mehta Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34955/85-86 on 26-6-86.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IIB, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Radha Murthy Rao.

(Transferor)

(2) Bimal Jitendra Sampat.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IIB BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR IIB/37EE/34954/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 Flat No. 7, on the Ground Floor in Divya Jyoti Co-op Housing Soci. J. M. Road, Santacruz (W), Bombay-400 054, situated at Bombay-400 005 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7 on Ground floor in Divya-Jyoti C.H.S. Ltd, J. M. Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/34954/85-86 on 26-6-86.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IIB, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 2-2-1987  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shyama Sayal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harishchandra R. Dhutta  
and  
Mis. Bharati H. Dhutta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB, BOMBAY

Bombay-400 038, the 2nd February 1987

Ref. No AR.IIB/37EE/34971/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17, Subodh Guru C.H.S. Ltd. 38, Tagore Road, Santacruz (W), Bombay-54, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or eviction of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 17, Subodh C.H.S. Ltd. 38, Tagore Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/34971/85-86 on 26-6-86.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Competent Authority  
Acquisition Range-IIB, Bombay

Date : 2-2-1987  
11 :

## FORM ITNS—

(1) M/s Vikas Associates.

(Transferor)

(2) M/s Ellembarie Industrial Gasers Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB, BOMBAY

Bombay-400 038, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.IIB/34537/85-86.—Whereas, I,  
M. S. RAI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Office premises No. 12(a) 1st floor,  
Vikas Centre, S. V. Road, Santacruz (W),  
Bombay-54,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent  
Authority at Bombay on 6-6-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
24—516GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office premises No. 12(a) in Vikas Centre, 1st floor, S. V.  
Road, Santacruz (W), Bombay-400054.

The Agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34537/85-86 on  
6-6-1986.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Competent Authority  
Acquisition Range-IIB, Bombay.

Date : 2-2-1987  
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Vikas Associates.

(Transferor)

(2) M/s Ellenbarie Industrial Caser Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IIB, BOMBAY

Bombay-400 038, the 2nd February 1987

Ref. No. A.R.IIB/37FE/34538/85-86.—Whereas, I,  
M. S. RAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office premises No. 12(b) 1st floor, Vikas Centre, S.V. Road, Santacruz (W), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 12(B), on 1st floor, Vikas Centre, 104, S.V. Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34538/85-86 on 6-6-1986.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Competent Authority  
Acquisition Range-IIB, Bombay.

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE

Bangalore-560 001, the 2nd February 1987

No. R.2234/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Apartment No. 3-B, situated at 'Lake Shore Manor', III Floor, No. 7, Gangadhara Chetty Road, Ulsoor, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at 28, Infantry Road, Bangalore-560001 on 24-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. M/s. S. I. Property Development Private Ltd., High Point, No. 45, Palace Road, Bangalore-560001. (BUILDERS)  
2. M/s. Annapoorana Apartments, No. 7, Gangadhara Chetty Road, Bangalore (Owner of the land under agreement with the Builders).

(Transferor)

- (2) M/s. Malabar Industrial Company Limited, No. 18, Sarjapur Road, Koramangala Layout, Bangalore-560034.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1782/86-87 Dated 24-6-86).

All that piece and parcel of land together with all the structures standing thereon and appurtenances thereto, bearing Municipal No. 7, Gangadhara Chetty Road (old No. 1/A), Civil Station, Bangalore, bounded on the North by Gangadhara Chetty Road, on the South by No. 28, Aga Abbas Ali Road, on the East by No. 29, Aga Abbas Ali Road and on the West by Jaya Bhavan, property of the vendor and measuring on the North 237', on the South 153'. 6", on the East 148' 3" and on the West 189' 3", by these measurements a little more or less inclusive of only the Eastern wall as per plan.

Proposed multi-storeyed building of residential apartments, sanctioned vide L.P. No. 2320/83.84 dated 15-3-84, of the Corporation of the City of Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE

Bangalore-560 001, the 2nd February 1987

No. A.2217/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 25/5, situated at Geddalahalli Village, Bangalore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at 28, Infantry Road, Bangalore-5600001 on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Lakshmi Bai W/o late Sri. Ram Singh,  
2. Shri R. Pratap Singh, S/o late Sri Ram Singh,  
R.M.S. Bus Stop, Opp : Manjunatha Nursery  
School, Sanjayanagar, Bangalore-560024,  
3. Shri R. Kumar Singh, S/o late Sri Ram Singh.  
4. Master Sanjeev, S/o Sri R. Kumar Singh, Rep. by  
Shri R. Kumar Singh,  
5. Master Lalu, S/o Sri R. Kumar Singh, Rep. by  
Shri R. Kumar Singh,  
Jannu Beedhi, Near Bus Stand, Nelamangala,  
Bangalore District.  
(Transferor)
- (2) Shri Devraj H. Ranka,  
S/o Shri Hasthimal Ranka,  
Flat No. 801-B, Queens' Corner,  
3, Queen's Road,  
Bangalore-560001.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1767/86-87 Dated 2-6-1986).

All that property bearing survey No. 25/15, Geddalahalli Village, Bangalore North Taluk and measuring one acre and seven guntas and bounded by :—

East : Land of Koratagere Dyavanna  
West : Land of Pillagana Giddappa  
South : Land of Rangappa  
North : Land of Jyothingarda Nanjundappa and

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 2-2-1987  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE

Bangalore-560 001, the 2nd February 1987

C. R. No. 62/50150/86-87/ACQ, B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. (1)/4, New No. 4/1, situated at IV Cross, Annamma Temple Road Extension, Ramkrishna Puram, Subedar Chatram Road, Bangalore-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 9-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahadev Devasimal Manghani,  
No. 36, VI Floor, Shivdarshan  
80, Infantry Road,  
Bangalore-560001.
- (2) 1. Shri S. Shrivasa  
2. S. Gopal  
No. 66, IV N Block  
Rajajinagar,  
Bangalore-10.

Transferor(S)

Transferee(S)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 778/86-87 Dated 9-6-86)

All that Piece and Parcel of land with building now known as SUN BEAM LODGE and bearing old No. 47/4, New No. 4/1, IV Cross, Annamma Temple Road Extension Ramakrishna Puram, Subedarchatram Road, Bangalore-9, Divn. No. 22, measuring East to West 50 & North to South 25'6" with the ground, first and Second floor building and more fully described in the Schedule to the sale deed dt. 9-6-86.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE

Bangalore-560 001, the 2nd February 1987

C. R. No. 62/5/211/86-87/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 4/32, situated at South End Road, Basavanagudi,  
Bangalore-4  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Jayanagar, Bangalore on 12-9-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) 1. Sri S. Visweswaran,  
S/o Shri S. Shamanna,  
2. Sri V. Shyam,  
S/o Sri S. Visweswaran,  
General Power of Attorney Holder,  
3. Sri V. V. Raman,  
S/o Sri S. Visweswaran,  
General Power of Attorney Holder,  
No. 100, Jeevan Prakash LIC Colony,  
III Block, East Jayanagar,  
Bangalore-560011.

Transferor(S)

- (2) 1. Sri T. V. Prasanna Kumar,  
S/o late Sri Tallam S. Venkataramaiah,  
2. Smt. T. P. Gayathri,  
W/o Sri T. V. Prasanna Kumar,  
3. Master T. P. Naganandan,  
S/o Sri T. V. Prasanna Kumar,  
No. 7, Jayashree,  
3rd Cross, Shankarpuram,  
Bangalore-560004.

Transferee(S)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later; -  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1297/86-87 Dated 12-9-1986)

All the piece and parcel of the entire property together  
with the existing structures standing thereon of the premises  
bearing No. 43/2, South End Road, Basavanagudi, Banga-  
lore, Corporation Division No. 56, bounded are :

East by : Property No. 15/43 belonging to Sri S.  
Krishna Murthy brother of the vendors.  
West by : Property No. 43/1  
North by : Conservancy Lane and  
South by : South End Road

and measuring East to West 77'8" and North to South 102'  
consisting of old dilapidated house measuring about 81/2  
squares with mud walls, tiled roofing, Kadaba slab flooring  
with electrical connections. There are no wells or there are  
no fruit bearing trees. There is no compound walls on the  
South. The compound existing on the East belongs to neigh-  
bouring owner Sri. S. Krishna Murthy. Only the Northern  
and Western walls are included in the sale deed.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 2-2-1987  
Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE

Bangalore-560 001, the 9th January 1987

C. R. No. 62/50194/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. New No. 49/69 (old No. 52), present No. 212 situated at Cottonpet Main Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on 5-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. P. Srilatha Reddy,  
D/o Sri R. Raghurama Reddy,  
Apartment No. 729, 149-05,  
79th Avenue, Kew Gardens,  
Flushing, New York-11367,  
Rep. by General Power of Attorney Holder,  
Smt. Vidyulatha Raghurama Reddy,  
No. 59, 8th Cross, Malleswaram,  
Bangalore.

Transferor(S)

- (2) 1. Shri K. N. Jayaprakash and  
2. Smt. K. V. V. Rathnamma,  
No. 299, 6th Cross, 1 Block,  
Jayanagar, Bangalore-11.

Transferee(S)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1496/86-87 Dated 5-9-86).  
Property bearing No. 49/69 (old No. 52), present number 212, situated at Cottonpet Main Road, Bangalore City, consisting of about 15 squares building and vacant space within the area of about 83 feet East to West and about 125 feet North to South, bounded as follows:—  
East by : Cottonpet Main Road.  
West by : Basore Gundanna Galli and the house of Sri. Virupakshappa and Puttanna.  
North by : Compound wall of Sri Adinarayanaswamy Temple and  
South by : Property belonging to Smt. Jayalakshamma.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-1-1987  
Seal :

## FORMS ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
- BANGALORE

Bangalore, the 9th January 1987

C. R. No. 62/50122/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Municipal No. 8, situated at Grant Road, Bangalore-560001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on 13-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Zohra Jabeen,  
W/o late Sri S. S. Hazrath Shuttari,  
No. 23, Coles Road,  
Bangalore-560005.

Transferor(S)

- (2) 1. Shri Perccyion E. Louis,  
S/o late Sri. P. B. Louis, and  
2. Smt. Jayakasthuri M. Louis,  
W/o Sri. P. E. Louis,  
(Both are presently @ Kuwait),  
Rep. by Sri. R. I. D'Sa Advocate,  
No. 20, Rest House Crescent,  
Bangalore-560001.

Transferee(S)

- (3) 1. Sri. Gusti Hormusjee  
2. Mrs. Yesupriya  
3. Mr. Ismail Salt

- (4) Vendor (Person (s) in occupation of the property)  
(Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 664/86-87 Dated 13-6-86)

The entire premises presently bearing municipal No. 8, Grant Road, Corporation Division No. 61, Bangalore-560001, consisting of a two storeyed tenanted residential building Three houses, etc bounded :

On the north by : the property of late Sri. B. V. Narayana Reddy.  
On the east by : the property of Oriff Ahmed.  
On the South by : 8/1, Grant Road and  
On the west by : 8/1, Grant Road and common passage

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 9-1-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th January 1987

C.R. No. 62/50192/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/ and bearing 15 (old No. 7), situated at Jalmasjid Road, Jali Mohalla, Bangalore-560053 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhinagar, Bangalore on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
25—516GI/86

- (1) 1. Smt. Jayalakshmi Narayan,  
W/o Shri P. N. Narayan,  
No. 15, Masjid Road Jolly Mohalla,  
Bangalore-560053.
2. Sri Sunil Kumar P.N.,  
S/o Shri P. N. Narayan,  
No. 15, Masjid Road Jolly Mohalla,  
Bangalore-560053.
3. Miss Tarakeshwari P. N.,  
D/o Shri P. N. Narayan,  
No. 15, Masjid Road Jolly Mohalla,  
Bangalore-560053.
4. Sri Goutham P. N.,  
S/o Shri P. N. Narayan,  
No. 15, Masjid Road Jolly Mohalla,  
Bangalore-560053.

(Transferor)

- (2) Shri Anwar Khan,  
S/o Shri Abdul Khuddus Khan,  
No. 4, Masjid Road, II Cross,  
Jolly Mohalla,  
Bangalore-560053.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1104 Dated 16-6-1986)

Property bearing No. 15, (old No. 7), Jolly Masjid Road, Jolly Mohalla, Bangalore City bounded on the  
East by : Munshi Sab Lane  
West by : Houses of Mahaboob Sab and Issac Sab  
North by : Mohinddeen Sab's house  
South by : Masjid Road.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 9-1-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th January 1987

C.R. No. 62/50153/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Municipal Nos. 54 I and parts of 55 and 55/2, and 54/2 in Division No. 59 (old No. 34), situated at 47th Cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Jayanagar, Bangalore on 6-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Bimal Bhattacharya,  
S/o late Shri Hari Charan Bhattacharya,  
Residing at No. 190 Gandhi Bazar,  
Bangalore-560004.
2. Mrs. Hari Kirti Singh  
D/o Sri Bimal Bhattacharya and  
W/o Sri Arun Singh  
Residing at No. 65, Reservoir Street,  
Basavanagudi,  
Bangalore-560004.
3. Shri Shjit Bhattacharya  
D/o Sri Bimal Bhattacharya and  
Residing at No. 190 Gandhi Bazar,  
Bangalore-560004.
4. Miss Sharmila Bhattacharya,  
D/o Sri Bimal Bhattacharya and  
Residing at No. 190 Gandhi Bazar,  
Bangalore-560004.
5. Mrs. Lakshmi Bhattacharya  
D/o Sri Bimal Bhattacharya and  
Residing at No. 190, Gandhi Bazar,  
Bangalore-560004
6. Shri Arun Singh,  
S/o Sri Subbin Singh  
Residing at No. 65, Reservoir Street,  
Basavanagudi,  
Bangalore-560004.
7. K. T. George,  
S/o Sri K. T. Thomas  
34, Willington Street Richmond Town,  
Bangalore

8. Mrs. Uma Shankar,  
W/o Sri N. Shankar,  
2574, 17-B Cross,  
7-A Main Road, Banashankari Second Stage,  
Bangalore-560070.
  9. A. Palaniswamy,  
No. 1, Clarkspet 'C',  
Bangalore-560001.
- (Transferor)
- (2) 1. Smt. C. Radha,  
Vysya Bank Ltd.,  
Ameerpet.
  - 2) 1. Smt. C. Radha,  
Vysya Bank Ltd.,  
N. K. C. Brach,  
Bangalore.
  3. Sri C. Srinivasulu,  
Vysya Bank Ltd.,  
Gurramkonda.
  4. Sri S. Venkataramanaiah,  
Vysya Bank Ltd.,  
Bangalore.
  5. Sri K. Lakshminarayana,  
Vysya Bank Ltd.,  
Chelur.
  6. Sri B. S. Kanakarathnakara,  
Vysya Bank Ltd.,  
Bangarpet.
  7. Sri A. N. Sridhar,  
Vysya Bank Ltd.,  
Aurangabad.
  8. Sri A. Nagaraja Rao,  
Vysya Bank Ltd.,  
Bangalore.
  9. Sri B. R. Rajeevalochanam,  
Vysya Bank Ltd.,  
Chikmagalur.
  10. Sri B. S. Mohd. Shafi,  
Vysya Bank Ltd.,  
Ghaziabad.
  11. Sri B. V. Prakash,  
Vysya Bank Ltd., A.O.  
Bangalore.
  12. Sri M. Seshagiri Rao,  
Vysya Bank Ltd., A.O.  
Bangalore.
  13. Sri P. Venkata Rao,  
Vysya Bank Ltd.,  
Vella.
  14. Sri M. Subbarama Setty,  
Vysya Bank Ltd.,  
K. G. Road, Bangalore.
  15. Smt. Subbalakshmi Subramanyam,  
Vysya Bank Ltd.,  
Mandvi Branch, Bombay.
  16. Sri P. Srinivasa Reddy,  
Vysya Bank Ltd.,  
Gajuwaka, Visakhapatnam.
  17. Sri S. Ramaiah,  
Vysya Bank Ltd.,  
D.O., Mysore
  18. Sri P. V. Puttaraja Gupta,  
Vysya Bank Ltd.,  
Challakere.
  19. Sri G. Nareesh Kumar,  
Vysya Bank Ltd.,  
Ameerpet, Hyderabad.
  20. Sri Syed Shakir Hussain,  
Vysya Bank Ltd.,  
Fraser Town, Bangalore.
  21. Sri Nanjunda Setty,  
Vysya Bank Ltd.,  
V. V. Puram.
  22. Sri C. G. Jayanth,  
Vysya Bank Ltd.,  
Bangalore.

23. Sri M. S. R. Anjaneyulu,  
Vysya Bank Ltd., A.O.  
Bangalore.
24. Sri Satish G. Gqsavi,  
Vysya Bank Ltd., A.O.  
Bangalore.
25. Sri I. N. Satyanarayana,  
Vysya Bank Ltd.,  
Chikmagalur.
26. Sri R. S. Nagaraj,  
Vysya Bank Ltd., D.O.,  
Bijapur.
27. Sri P. Lakshminarayana Setty,  
Vysya Bank Ltd., D.O.,  
Bangalore.
28. Sri T. S. Amruthavalli,  
Vysya Bank Ltd.,  
K. B. Road Bangalore,
29. Sri A. Ch. Subramanyam,  
Vysya Bank Ltd.,  
Teeja.
30. Sri C. R. Venkataraman,  
Vysya Bank Ltd.,  
Bijapur.
31. Sri M. Gopal,  
Vysya Bank Ltd.,  
Mehboobnagar.
32. Sri B. R. Sanjeeva Murthy,  
Vysya Bank Ltd.,  
P & S, Bangalore
33. Sri C. Padmanabha, Vysya Bank Ltd.,  
Vysya Bank Ltd.,  
Bagalkot.
34. Sri K. V. Ramesh,  
Vysya Bank Ltd., A.O.  
Bangalore.
35. Sri K. V. Ramesh,  
Vysya Bank Ltd.,  
Sydapur.
36. Shri C. S. Vijayakumar,  
Vysya Bank Ltd.,  
Nagavalli.
37. Sri N. N. Joshi,  
Vysya Bank Ltd.,  
Gadag.
38. Sri S. Padmanabhan,  
Tirupathi.
39. Sri T. V. N. S. Sainath,  
Vysya Bank Ltd.,  
D.O. Guntur.
40. Sri Dattathreya, E.  
Vysya Bank Ltd.,  
Bagalkot.
41. Sri B. V. N. Suresh Babu,  
Vysya Bank Ltd.,  
Palakol.
42. Smt. K. M. Rajamma Vysya Bank Ltd.,  
Sadashivnagar, Bangalore.
43. Sri L. Raghavan,  
Vysya Bank Ltd., A.O.  
Bangalore.
44. Sri Y. Sadguru Murthy,  
Vysya Bank Ltd.,  
Bakrapet.
45. Sri S. Ravi Kumar,  
Vysya Bank Ltd., A.O.  
Bangalore.
46. Sri M. Gopalakrishna,  
Vysya Bank Ltd., A.O.  
Maregowdanahalli.
47. Sri N. V. Srinivasaiah Setty,  
Vysya Bank Ltd.,  
Gadag.
48. Sri K. A. Prabhakar,  
Vysya Bank Ltd., A.O.  
Bangalore.
49. Sri A. Janardhana Rao,  
Vysya Bank Ltd.,  
Rompicherla.
50. Sri K. S. Kulkarni,  
Vysya Bank Ltd.,  
Bagdal.
51. Sri J. Syyam Sunder,  
Vysya Bank Ltd., A.O.  
Davangere.
52. Sri G. N. Chakravarthy,  
Vysya Bank Ltd., A.O.  
Adoni.
53. Sri C. S. Prabhakar,  
Vysya Bank Ltd.,  
Chickmagalur.
54. Sri B. K. Shyamala,  
Vysya Bank Ltd., A.O.  
Bangalore.
55. Sri Syed Riaz Ahmed,  
Vysya Bank Ltd.,  
Avoor.
56. Sri M. V. S. Nageswara Rao,  
Vysya Bank Ltd., A.O.  
Secunderabad.
57. Sri M. Ramakrishna,  
Vysya Bank Ltd.,  
Raghunathapalli.
58. Sri S. R. Chandrasekhar,  
Vysya Bank Ltd., A.O.  
Bangalore.
59. Sri Rajeshwari Prasad,  
Vysya Bank Ltd.,  
Madras-1.
60. Sri M. Chandrasekhara Rao,  
Vysya Bank Ltd.,  
Khandavalli.
61. The Vysya Bank Ltd.,  
Rep. by Shri P. V. Satyanarayana,  
Senior General Manager,  
No. 489, Avenue Road,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 495/86-87 Dated 6-6-1986)

Vacant land measuring 23.644 sq. ft. bearing Municipal Nos. 54/1 and parts of 55 and 55/2, and 54/2 in Division No. (Old No. 34) New 59 of the Bangalore Municipal Corporation 47th Cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore, measuring on the East (11 ft. + 85 ft.), West (134 ft. + 51 ft.), North 92'3" + 40'40" and South (149 ft. + 40 ft.) on which the Commissioner of the Corporation of the City of Bangalore has accorded licence for building vide L.P. No. 187/84-85 dated 27-2-1986 and bounded on the—

East by : Property standing in the name of Sri Sachidananda Das

West by : Portions of site Nos. 54 and 54/2 and also site No. 53 (by only 60 ft. on Northern end).

North by : Part of site No. 55 to an extent of 92'3" only and to the extent of 40 ft. only the Corporation site No. 53 belonging to Mrs. Vijaya-lakshmi Jois and the 40 ft. wide private road for free use of users and owners of Corporation site No. 53, 54, 54/2, 54/2, 55, 55/1 and 55/2.

South by : Land belonging to vendors 1 to 4 being portions of site Nos. 55/2 and 54/2.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 19-1-1987

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 19th January 1987

C.R. No. 62/50172/86-87/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No. 217 and Assessment No. 376 situated at Vijjinapura Village, Dooravaninagar, Bangalore South Taluk, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore South Taluk on 31-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. United Brick Company,  
Rep. by its Partners—  
1. Sri Davis Thatill  
Residing at Pokattu House, Iranjallkuda  
Trichur Dist., Kerala.  
2. Sri P. V. Verghese  
Residing at Pokattu House, Iranjallkuda  
Trichur Dist., Kerala.  
3. Sri Baby Chakola  
Residing at Chakola House,  
Murungoor Challakodi Distt., Trichur,  
Kerala.

(Transferor)

- (2) M/s. Emke Establishments (Regd.),  
Partners—  
1. Sri M. K. Abdulla  
2. Sri Yousuff Ali M. A.  
3. Asif M. A.  
4. Minor Shanawaz M. A.  
Rep. by his guardian  
M. K. Abdulla.  
K. R. Puram, Bangalore-80.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2286 Dated 31-7-1986)  
All the Part and Parcel of the land together with the old constructions standing thereon bearing khata No. 217 and assessment No. 376 of Vijjinapura Village, Dooravaninagar, Bangalore South Taluk, Bangalore and more fully described in the schedule to the sale deed dated 31-7-1986 totally measuring about 300 acres.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commission of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 19-1-1987  
Seal:



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th January 1987

C.R. No. 62/50131/86-87/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,being the Competent Authority under Section 269B of the  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing233 and 234 (New Nos. 61/A and 61/1) situated at  
Rama Iyengar Road, Visveswara Puram, Bangalore-560004  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Office at  
Basavanaguti on 16-6-1986for an apparent consideration which is less than the 'fair  
to as the 'said Act', have reason to believe that the im-  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) 1. Sh. K. Rathnam  
S/o T. Kupparam  
2. Sri K. Balakrishna  
S/o T. Kupparam  
No 35, Mill Road,  
Cottonpet, Bangalore-560002.

(Transferor)

- (2) 1. K. N. Jayaprakash  
S/o K. Narayana Shetty  
2. Smt. K. J. Padmaja  
W/o Sri K. N. Jayaprakash  
No. 64, Middle School Road,  
Visveswarapuram, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 773

Dated 16-6-1986)

All the property bearing old numbers 233 and 234, New  
numbers 61/A and 61/1, situated at Rana Iyengar Road,  
Visveswarapuram, Bangalore-560004 and more fully de-  
scribed in the schedule to the sale deed dated 16-6-1986.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 16-1-1987  
Seal :

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th January 1987

C.R. No. 62/50123/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 604, situated at HAL II Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on 13-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Rahimuddin Ahmed,  
No. 604, XII Main,  
HAL II Stage,  
Bangalore-560038.

(Transferor)

(2) Sri R. Ramachandran,  
P.A. Holder M. Sekar,  
No. 1075/F, HAL II Stage,  
Indiranagar,  
Bangalore-560038.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 666

Dated 13-6-1986)

All that piece and parcel of land together with the existing building thereon bearing Municipal No. 604, HAL II stage, Bangalore in Corporation Division No. 67, and more fully described in the schedule to the Sale deed dated 23-2-1985.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 16-1-1987  
Seal .

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th January 1987

C.R. No. 62 1684/86-87/ACQIB.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sy. No. 23 situated at Kumarapatnam P.O. Kodiyal Group Panchayat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ranebennur on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair section 269AB of the said Act in the Office of the believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that market value of the aforesaid property and I have reason to the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. The Mysore Construction Co.  
and M/s. Suresh Malpani & Co.  
Kumarapatnam-581123.

(Transferor)

- (2) M/s. Agro Inputs Limited,  
87, 3rd Main Road,  
New Tharagupet,  
Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 344

Dated 16-6-1986)

The property is an old factory building and few small structures bearing survey No. 73 Kavalettu village, Ranebennur Taluk Dist. Dharwar and situated on a land abutting P.B. Rd. and about 5 K.Ms. from Harihar Town.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 7-1-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th January 1987

C. R. No. 62/50140/86-87/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000/- and bearing No. 565/4, situated at HAL II Stage, Corporation Division No. 67, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed heret) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 27-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati B. Sudha Mallya,  
No. 312, I Stage,  
Indiranagar,  
Bangalore-560038. (Transferor) <sup>†</sup>
- (2) Shri Jogabrota Ghosh,  
Flat No. 3, SW 119,  
Southern Avenue,  
Calcutta-700029. (Transferee)
- (3) Presently at 565/4, HAL II Stage,  
Bangalore-560 0238.  
(Person (s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 805 Dated 27th June 86]  
All that Piece and Parcel of land with Building thereon comprising of ground and I Floor together with fittings and fixtures now known as and bearing corporation No. 565/4, (Old No. 565/L) situated in HAL II Stage in corporation Division No. 67 (Old Division No. 51) Bangalore. More fully described in the Schedule to the sale deed dt. 27-6-86.

R. BHARDWAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-1-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th January 1987

C. R. No. 62/50144/86-87[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

90 situated at II Cross (Nek No. 15, IV Cross), Victoria Road Extension, Victoria Layout, Bangalore-560047 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 25-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) ~~facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or~~

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimati R. Kausalya Bai  
2. Shri G. R. Ganesh  
3. Smt. Nagamani  
90, II Cross (New No. 15, IV Cross),  
Victoria Layout, Bangalore-560 047. (Transferor)
- (2) 1. Shri Syed Ahmed Hussain,  
2. Syed Iqbal Hussain,  
I Floor, No. 90, II Cross,  
(New No. 15, IV Cross),  
Victoria Layout, Bangalore-560 047. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 953/86-87 Dated 25-6-86]  
All that Piece and Parcel of Immovable Property being Land and building situated in and bearing No. 90, II Cross (New No. 15, IV Cross) in Victoria Road Extension, Victoria Layout, Bangalore-560 047 bounded on the;  
East by : Site No. 91,  
West by : Site No. 89,  
North by : Private Property,  
South by : Road.  
More fully described in the Schedule to the sale deed dt. 25th June 1986.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-1-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th January 1987

C. R. No. 62/50143/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 780, situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-560 038 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on 9-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri V. Radhakrishnan,  
No. 1807, Prakashnagar,  
III Stage, Bangalore-560 021. (Transferor)
- (2) Shrimati T. Padmini Menon,  
No. 347, HAL III Stage,  
Indiranagar, Bangalore-560 038. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 896/86-87 Dated 9-7-86]  
All that Piece and Parcel of land with residential building bearing No. 780, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-560 038 now in the 67th Division of Bangalore city Corporation, measuring East to West 75 feet, North to South 50 feet, together with all rights and appurtenances whatsoever, whether underneath or above the surface and Bounded on the :  
East by : Site No. 776, HAL II Stage,  
West by : Road  
North by : Site No. 781 and  
South by : Property No. 779.  
More fully described in the Schedule to the Sale deed dt. 9th July 86.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-1-1987  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 15th January 1987

C.R. No. 62/50134/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5, situated at II Stage, West of Chord Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Rajajinagar on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri B. Venkatadiri Sethy,  
No. 5, West of Chord Road,  
II Stage, Bangalore-560 0086. (Transferor)
- (2) M/s. "Sri Amar Investments".  
(1) Sri G. K. Rajgopal Sethy,  
Sri B. Mithavaahan,  
(2) 41/42, Jewellers Sheet, Bangalore-560 001.  
No. 2954, II Stage,  
Rajajinagar, Bangalore-560 010. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 884 Dated 16-6-86]

All that Immovable Property bearing Present Municipal No. 5, II stage, West of Chord Road Division No. 8 (WC) Bangalore. More fully described in the Schedule to be sale deed dt. 16th June 86.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-1-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th January 1987

C. R. No. 62/50138/86-87/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 849, situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Shivanagar on 18-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Aama Yacoob,  
No. 17/3, Speneer Road Cross,  
Develand Town,  
Bangalore-560 005.

(Transferor)

(2) Shrimati Indira Somavati,  
Rep. by her P.A. Holder,  
Mr. M. G. Nariyappa,  
No. 885, 11th Main, III Cross,  
Indiranagar, Bangalore-560 038.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 713/86-87 Dated 18-6-86]

All that Piece & Parcel of land together with its building, fittings, electrical, water and sanitary items consisting of ground floor & first floor, bearing No. 849, situated in HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-560 038. More fully described in the Schedule to the sale deed dt 18th June 86.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-1-1987  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th January 1987

C. R. No. 62/50132/86-87/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 9/1-A, Khata 100/90 situated at Arakere village, Bannerghatta Road, Begur Hobli, Bangalore South Taluk, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Edura Poly Packaging Industries  
Rep. by Managing Partner,  
G. Shantaram Kamath,  
No. 179, 15th Main, 35th Cross,  
4th T. Block, Jayanagar,  
Bangalore-560011.

(Transferor)

- M/s. Namgte Leather Garments (Pvt.) Ltd.,  
No. 21/2, Vittalnagar, Chamaraj Pet,  
Bangalore-560 018.  
Rep. by its Director K. Sadashiva.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1323/86-87 Dated 13-4-86]

Industrial land & Industrial Sheds at Survey No. 9/1-A, Khata No. 100/90, Arakere Village Bannerghatta Road, Begur Hobli, Bangalore South Taluk, Bangalore. More fully described in the Schedule to the sale deed dt. 13th April 86.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-1-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Banoo A. Tantra

(Transferor)

(2) Master Sheikh Mohd Shawefz Arif

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
57, RAM TIRATH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 6th March 1987

Ref. No. G.I. No. S-414/Acq.—Whereas, I, SMT. SAROJNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. 29/27 Land with building situated at 4, Rana Pratap Marg, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Lucknow on 13-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building bearing No 29/27, situated at 4 Rana Pratap Marg, Lucknow measuring 1115.24 sq. mtrs. (as mentioned in 37G form).

SMT. SAROJNI LAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6/3/1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1987

Ref. No. 2/Jun. 86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R. S. No. 210/2A 1A4 (Part) 140 situated at Thiruvanniyur Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Doc. Nos. 1813 to 1916 Madras South on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri T. M. Divakaran,  
63, Greenways Road,  
Madras-28.

(Transferor)

(2) Mrs. Prabha Yesudas &  
Others, 13, Third Street,  
Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION :—The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at R. S. No. 210/2A/1A4 (Part) 140, Thiruvanniyur Village Madras.

(Madras South Doc. Nos. 1813 to 1816/86)

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 2-2-1987  
Seal :

